बहाने बनाकर मुआवजा देने से नहीं बच सकतीं बीमा कंपनियां - 8

यूपी वेस्ट सर्किल में जियो के 2.5 करोड़ से ज्यादा मोबाइल सब्सक्राइबर : ट्राई- 8

शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप ने चीन पर टैरिफ घटाकर 47 प्रतिशत किया - 9

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने के बाद दूसरे मैच में भारत के हौसले बुलंद - 10

आज का मौसम

24.0° अधिकतम तापमान

22.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.17 सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी 10:03 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 271, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

STATUE OF UNITY
एक भारत, श्रेष्ठ भारत

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

एकता दिवस

31 अक्तूबर

सरदार वल्लभभाई पटेल

की 150वीं जयंती के अवसर पर
कृतज्ञ राष्ट्र का शत-शत नमन

प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी
भारत के लौह पुरुष को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे
और उनकी स्मृति में राष्ट्र को संबोधित करेंगे

इस एकता दिवस पर, आइए अपने जिले में हो रही 'रन फॉर यूनिटी' में अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लें और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत बनाएँ

एकता दिवस कार्यक्रम

- एकता परेड
- ब्रास बैंड प्रदर्शन
- घोड़े, श्वान और ऊँट के सैन्यदल
- महिला कलाकारों द्वारा मार्शल आर्ट का प्रदर्शन
- बीएसएफ डॉग शो (स्वदेशी नस्ल)
- डेयरडेविल राइडर्स का प्रदर्शन
- स्कूल बैंड प्रस्तुति
- भारतीय वायु सेना द्वारा एयर शो
- "लौह-पुरुष" - सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर आधारित एक नाट्य प्रस्तुति
- एकता प्रकाश उत्सव का आयोजन
- भारत पर्व के अंतर्गत 1 से 15 नवंबर तक राज्यों में प्रदर्शनियाँ

"राष्ट्र को एकजुट करने में सरदार पटेल के अमूल्य योगदान का राष्ट्रीय एकता दिवस सम्मान करता है। आइए, इस दिन हम अपने समाज में एकता के बंधन को और मजबूत बनाएं।"
-नरेन्द्र मोदी

CBC 19101/13/0022/2526

दिनांक : शुक्रवार, 31 अक्तूबर 2025

स्थान परेड ग्राउंड, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर, गुजरात

समय : सुबह 7 बजे से

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर किया जाएगा

प्रदेश में पश्चिम से पूरब तक चुनावी दिशा तय करता है गन्ना बेल्ट

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- सियासी मिठास लूटने की होड़, अखिलेश का दांव पड़ रहा उल्टा
- पश्चिमी यूपी, तराई और पूरब तक वोटबैंक साधने में जुटी भाजपा

अमृत विचार : पश्चिमी यूपी से लेकर तराई और पूरब के कई जिलों तक फैला गन्ना बेल्ट एक बार फिर राजनीति के केंद्र में है। योगी सरकार द्वारा राज्य परामर्शित मूल्य (एसएपी) में 30 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि चुनावी संदेश भी है कि किसान भाजपा की प्राथमिकता में हैं। पंचायत चुनाव से लेकर 2027 के विधानसभा चुनाव तक इस फैसले का असर तय माना जा रहा है।

भाजपा ने सपा सरकार पर हमला बोलते हुए प्रचार शुरू कर दिया है कि 'योगी सरकार ने चार बार गन्ना मूल्य बढ़ाया, मिलें खोलीं और समय से भुगतान कराया, जबकि अखिलेश सरकार रही जीरो।' पार्टी इसे किसान विश्वास पुनर्निर्माण अभियान के रूप में देख रही है। 2012-17 में अखिलेश यादव की सरकार ने गन्ना मूल्य में कोई वृद्धि नहीं की थी, जिससे किसानों का भरोसा कमजोर हुआ। अब योगी सरकार उसी भरोसे को फिर से मजबूत करने की कोशिश में है।

पश्चिमी यूपी की लगभग 45 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां गन्ना किसानों की संख्या निर्णायक है। 2017 में भाजपा ने किसानों के बकाए के शीघ्र भुगतान और मूल्य वृद्धि के वादे से इन सीटों पर बढ़त बनाई थी। इसका असर तराई, अवध और पूरब के गन्ना बेल्ट तक दिखा, कुल करीब 150 सीटों पर भाजपा को फायदा हुआ। किसान आंदोलन के बावजूद 2022 के चुनाव में पार्टी ने

पश्चिम में 65 फीसदी सीटों पर जीत दर्ज की। अब 2027 के मिशन के लिए गन्ना मूल्य वृद्धि को भाजपा ने सीधा राजनीतिक संदेश बना दिया है।

अखिलेश यादव को 2012 में सत्ता तक पहुंचाने में मुजफ्फरनगर-शामली के किसानों की बड़ी भूमिका रही थी, पर भुगतान में देरी और मूल्य वृद्धि न होने से वह समीकरण टूट गया। योगी सरकार ने इस बार केवल दर नहीं बढ़ाई, बल्कि सिस्टम सुधार को भी राजनीतिक विमर्श में शामिल किया है। गन्ना पर्ची ऑनलाइन व्यवस्था, एथेनॉल नीति और भुगतान पारदर्शिता को पार्टी किसान हितैषी शासन के उदाहरण के रूप में पेश कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गन्ना अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक मुद्दा बन चुका है। किसान इसे अपनी मेहनत और सम्मान से जोड़ते हैं। यही कारण है कि हर चुनाव से पहले सरकारें गन्ना मूल्य बढ़ोतरी का ऐलान करती रही हैं। भाजपा के रणनीतिकार मानते हैं कि यह फैसला गन्ना बेल्ट में पार्टी के लिए दोबारा विश्वास बहाली का काम करेगा।

मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, शामली और सहारनपुर जैसे जिलों में पिछले दो साल से किसान संगठनों की नाराजगी बढ़ रही थी। इस बढ़ोतरी से सरकार ने उस असंतोष को कम करने की कोशिश की है। भाजपा को उम्मीद है कि यह कदम जाट और किसान वोट बैंक को फिर से अपने साथ जोड़ेगा। पंचायत चुनावों में यह रणनीति का पहला टेस्ट होगी, जो 2027 की तैयारी का संकेत देगी।

सरकारों ने कब बढ़ाया मूल्य

वर्ष	मुख्यमंत्री	वृद्धि (रु. प्रति क्विंटल)
2006-07	मुलायम सिंह यादव	10
2011-12	मायावती	40
2017-18	योगी आदित्यनाथ	10
2021-22	योगी आदित्यनाथ	25
2023-24	योगी आदित्यनाथ	20
2025-26	योगी आदित्यनाथ	30

आयुष यूजी की तीसरी काउंसिलिंग आज से

अमृत विचार, लखनऊ : आयुर्वेदिक, होम्योपैथी व यूनानी मेडिकल कॉलेजों में रिक्त स्तानक (बीएएमएस, बीयूएमएस, बीएचएमएस) सीटों पर दाखिले के लिए तीसरे चरण की काउंसिलिंग शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025 से शुरू होगी। पहले चार दिन पंजीकरण शुल्क जमा करने के साथ प्रपत्रों का सत्यापन कराने के बाद 3 नवंबर को ही अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी जाएगी।

यह जानकारी देते हुए काउंसिलिंग बोर्ड के सचिव एवं होम्योपैथी निदेशक डॉ.प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मेरिट सूची जारी होने के बाद क्रमवार अभ्यर्थियों से मनपसंद कॉलेज की प्राथमिकताएं 5 नवंबर तक ली जाएंगी, तत्पश्चात 6 नवंबर को सीट आवंटन के परिणाम घोषित किए जाएंगे। अगले दिन से दाखिले की प्रक्रिया शुरू कर 10 नवंबर 2025 तक पूरी करनी होगी।

नीट यूजी की तीसरी काउंसिलिंग स्थगित

अमृत विचार : नेशनल मेडिकल काउंसिलिंग कमेटी के निर्देश पर यूपी नीट यूजी 2025 की तीसरी काउंसिलिंग अगले आदेश तक स्थगित कर दी गयी है। उक्त क्रम में मेडिकल कॉलेजों एवं डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस व बीडीएस में सीट आवंटन के परिणाम घोषित नहीं किए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

फसलों की क्षति का सर्वे कर राहत देने के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोंथा के प्रभाव से तेज हवाएं, बारिश और जलभराव की स्थिति को देखते हुए संबंधित जिलों के अधिकारियों को राहत कार्य पूरी तत्परता से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का आकलन करें और राहत कार्यों की निगरानी करें। मुख्यमंत्री ने आपदा से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत राशि वितरित करने के आदेश दिए हैं, ताकि किसी भी पीड़ित परिवार को कठिनाई न हो।

दुग्ध उत्पादकों को मिलेगा गोकुल पुरस्कार

अमृत विचार, लखनऊ : दुग्ध विकास कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के 75 जिलों में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन व आपूर्ति करने वाले किसानों को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। राज्य सरकार के विशेष सचिव राम सहाय यादव ने गुरुवार को गोकुल पुरस्कार योजना के लिए स्वीकृत 55 लाख 73 हजार की धनराशि दुग्ध आयुक्त, दुग्धशाला विकास उप्र .को भेज दी है। उन्होंने आदेश में स्पष्ट किया है कि गोकुल पुरस्कार के तहत प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दुग्ध उत्पादक को दो लाख और द्वितीय स्थान पर रहने वाले को 1.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा शेष 73 जिलों के विजेता दुग्ध उत्पादकों को 51,000 रुपये की नकद राशि तथा पीतल धातु की शील्ड प्रदान की जाएगी।

पटेल जयंती पर पुलिस कर्मी लगाएंगे दौड़

अमृत विचार, लखनऊ : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को पूरे प्रदेश में आयोजित में 'रन फॉर यूनिटी' में पुलिसकर्मी भागीदारी करेंगे। देश की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पहले पूर्व गृहमंत्री सरदार पटेल की स्मृति में इसका आयोजन किया जा रहा है। इससे राष्ट्रीय एकता का संदेश प्रसारित किया जाएगा। आईजी कानून-व्यवस्था एलआर कुमार के मुताबिक, सभी कमिश्नरेट, जिलों के मुख्यालय व थानों पर रन फॉर यूनिटी का कार्यक्रम आयोजित होगा।

सवेतन मिलेगी बिहार में वोट देने की छुट्टी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के मद्देनज़र बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में कार्यरत बिहार मूल के मतदाताओं को 6 और 11 नवंबर को मतदान हेतु वेतन सहित अवकाश दिया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर सभी कार्यालयों, संस्थानों और औद्योगिक इकाइयों को इसका पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सत्यापन और सुनवाई के बाद नाम होगा शामिल

प्रदेश में मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 9 दिसंबर को ड्राफ्ट रोल, 8 जनवरी तक दावे-आपत्तियां

अमृत विचार : प्रदेश में मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी और सटीक बनाना है, ताकि आगामी चुनावों में किसी पात्र मतदाता का नाम छूटे नहीं। जिन मतदाताओं का नाम पिछली सूची से मिलान नहीं हो पाएगा, उन्हें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सुनवाई के लिए नोटिस भेजेंगे। सत्यापन और सुनवाई के बाद नाम शामिल होगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि सुनवाई में मतदाता को पहचान सिद्ध करने के लिए कोई एक प्रमाण पत्र जैसे पासपोर्ट, जन्म प्रमाण पत्र, सरकारी पहचान पत्र, पेंशन आदेश, शैक्षणिक प्रमाण पत्र या स्थायी निवास प्रमाण पत्र दिखाना होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन (ड्राफ्ट रोल) 9 दिसंबर, 2025 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 9 दिसंबर से 8 जनवरी, 2026 तक रहेगी। इन पर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी निर्णय लेंगे। उनके निर्णय से असंतुष्ट मतदाता जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रथम अपील और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष द्वितीय अपील दाखिल कर सकते हैं।

घर जाकर बीएलओ भरवाएंगे गणना प्रपत्र

इस विशेष अभियान में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) का 27 अक्टूबर से ही अपने मतदेय स्थल के सभी मतदाताओं से घर-घर जाकर गणना प्रपत्र दो प्रतियों में भराने का कार्य शुरू हो गया है। रिणवा ने बताया कि बीएलओ कम से कम तीन बार घर जाकर प्रपत्र वितरण और संग्रहण का कार्य करेंगे। गणना प्रपत्र में मतदाता का नाम, एपिक नंबर, विधानसभा और भाग संख्या जैसी जानकारियां पहले से भरी होंगी। मतदाता चाहे तो अपना नया पासपोर्ट साइज फोटो भी चस्पा कर सकता है। गणना प्रपत्र में मतदाता को अपने परिवार और 2003 के विशेष पुनरीक्षण से जुड़े विवरण भरने होंगे। किसी प्रकार की कठिनाई होने पर मतदाता बीएलओ की सहायता ले सकता है।

अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 7 फरवरी को

अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 7 फरवरी, 2026 को किया जाएगा। रिणवा ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे गणना अवधि के दौरान बीएलओ द्वारा उपलब्ध कराए गए गणना प्रपत्र में अपनी प्रविष्टियां सही-सही भरकर समय पर जमा करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदान अधिकार से वंचित न रह जाए।

गन्ना मूल्य बढ़ने पर योगी से मिलकर जताया आभार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सरकारी आवास पर गन्ना मूल्य में ऐतिहासिक वृद्धि पर कृषक बंधु से संवाद करते हुए।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गन्ना किसानों के हित में किए गए निर्णय से प्रदेशभर के किसान उत्साहित हैं। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की ऐतिहासिक वृद्धि के बाद गुरुवार को किसानों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आभार जताया। उन्होंने कहा कि योगी के कारण एक माह में दो बार दीपावली मनाने का अवसर मिला। किसानों ने कहा कि यह निर्णय न केवल आर्थिक राहत है, बल्कि अन्नदाता के परिश्रम का सम्मान भी है।

मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को यह घोषणा की थी कि अब सामान्य गन्ना मूल्य 380 प्रति क्विंटल, अगेती 390 रुपये और अनुपजाऊ 370 रुपये प्रति क्विंटल होगा। यह बढ़ोतरी प्रदेश के गन्ना बेल्ट में एक बड़ा संदेश मानी जा रही है। किसानों ने इस निर्णय को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की किसान-हितैषी नीतियों का परिणाम बताया।

क्लीन, ग्रीन और डिवाइन काशी का दर्शन कराएगी देव दीपावली : योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देव दीपावली काशी की सनातन परंपरा, गंगा आराधना और लोकआस्था का अद्वितीय संगम है। उन्होंने निर्देश दिए कि पूरी तैयारी 'क्लीन काशी, ग्रीन काशी, डिवाइन काशी' की परिकल्पना को साकार करने वाली हो। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और अनुशासन का प्रतीक है। योगी ने गुरुवार को अपने आवास पर वाराणसी में 5 नवंबर को आयोजित होने वाले मुख्य आयोजन देव दीपावली 2025 और उससे पूर्व 1 से 4 नवंबर तक चलने वाले गंगा महोत्सव की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष का आयोजन ऐसा हो, जिससे विश्व काशी की दिव्यता, स्वच्छता और व्यवस्थापन क्षमता का अनुभव करे। उन्होंने निर्देश दिया कि भव्यता और अनुशासन का संतुलन बना रहे तथा सभी विभाग तय समय में गुणवत्तापूर्ण तैयारी सुनिश्चित करें। योगी ने कहा कि घाटों पर प्रकाश सज्जा, दीपदान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और पर्यटक सुविधाएं इस प्रकार विकसित की जाएं कि गंगा तट पर श्रद्धा और सौंदर्य का समरस दृश्य बने। उन्होंने स्पष्ट किया कि भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहें। सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करना होगा ताकि किसी स्तर पर अव्यवस्था न हो। मुख्यमंत्री ने पर्यटन, संस्कृति, पुलिस, नगर निगम, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभागों को जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि घाटों पर स्मार्ट लाइटिंग, थीम-आधारित इंस्टालेशन, ड्रोन सर्विलांस और सीसीटीवी मॉनिटरिंग की सटीक व्यवस्था की जाए। घाटों, गलियों और मुख्य मार्गों की स्वच्छता और सजावट निरंतर बनी रहे।

विधानसभा समितियां विधायिका की ताकत : महाना

विधानसभा की विभिन्न समितियों की बैठकों की विधानसभा अध्यक्ष ने की शुरुआत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विधानसभा की विभिन्न कमेटियों की बैठक करते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधानसभा के समिति कक्ष में गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधानसभा की विभिन्न समितियों की बैठकों की शुरुआत की। इस अवसर पर प्राक्कलन समिति, महिला एवं बाल विकास संबंधी समिति, आश्वासन समिति, प्रतिनिहित विधायन समिति तथा संसदीय अनुश्रवण समिति की बैठकें आयोजित हुईं।

इस दौरान अध्यक्ष महाना ने कहा कि जनता ने हम सबको सेवा का अवसर दिया है और यह हमारा सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि चाहे कोई भी दल हो, सभी सदस्यों का लक्ष्य एक होना चाहिए जनसेवा और जनता के विश्वास की रक्षा। अध्यक्ष ने कहा कि अधिकारियों के महत्व को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन जवाबदेही सदैव जनप्रतिनिधियों की होती है। उन्होंने समितियों को विधायिका की शक्ति का प्रतीक बताते हुए कहा कि ये कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करती हैं।

बैठक में प्राक्कलन समिति के सभापति मुकेश चौधरी, महिला एवं बाल विकास समिति की सभापति कृष्णा पासवान, आश्वासन समिति के सभापति राजपाल बालियान, प्रतिनिहित विधायन समिति के सभापति राजीव सिंह बब्बू भाई ने अपने विचार रखे।

बहराइच के कौड़ियाला नदी में डूबे आठ लोगों की तलाश जारी

संवाददाता, बहराइच

- आशंका जताई जा रही कि कहीं घड़ियालों ने लापता लोगों को बना लिया हो निवाला
- हादसे के 24 घंटे बाद भी एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व पीएसी की टीम खाली हाथ

अमृत विचार : तहसील मिहींपुरवा के ग्राम भरथापुर में बुधवार की देर शाम कौड़ियाला नदी में हुए नाव हादसे में लापता आठ लोगों की तलाश जारी है। घाघरा बैराज के गेट को बंद कर लगभग नौ किमी के दायरे में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फ्लड पीएसी व एसएसबी की 16 टीमें टीमें नदी में रेस्क्यू कर रही हैं। हादसे के 24 घंटे बाद भी नदी में डूबे लोगों का कोई सुराग नहीं लग सका है। आशंका जताई जा रही कि घड़ियालों ने लापता लोगों का कहीं निवाला न बना लिया हो। मंडलायुक्त, आईजी देवीपाटन मंडल, डीएम, एसपी समेत अन्य अधिकारी फिलहाल मौके पर मौजूद हैं।

कतर्नियाघाट के ट्रांस गेरुआ क्षेत्र में बुधवार देर शाम कौड़ियाला नदी में 22 लोगों से भरी नाव पलट गई थी। 13 लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई थी। जबकि आठ नदी के तेज बहाव में बह गए थे। बुधवार की देर शाम रमजैया (65) पत्नी मटरू का शव नदी से बरामद हुआ था। मिहींपुरवा तहसील के उप जिलाधिकारी रामदयाल रमन ने गुरुवार को बताया कि जिस इलाके में हादसा हुआ है वह बीहड़ जंगल है। घटना में लापता आठ लोगों में पांच से नौ वर्ष उम्र के बच्चे शामिल हैं। आशंका है कि घड़ियालों ने उन्हें अपना निवाला बना लिया हो। उप जिलाधिकारी ने बताया कि नदी में उतराते हुए कुछ बैग व कपड़े मिले हैं। लापता लोगों के परिवार वालों ने पहचान की है कि वह उनके परिजनों का ही सामान है।

आयुष्मान योजना में यूपी ने जोड़े सबसे अधिक अस्पताल

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) में सबसे अधिक अस्पतालों को संबद्ध करने वाला राज्य बन गया है। साथ ही सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की योजना से भी संबद्ध अस्पतालों को जोड़ा है, जिससे सड़क दुर्घटना पीड़ितों को स्थानीय स्तर पर तुरंत और कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलना सुलभ हो गई हैं। इससे प्रदेश में जनसामान्य को निशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सेवाएं समय पर मिलने लगी हैं। यह जानकारी स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचीज) की मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने गुरुवार को दी।

पूरे प्रदेश में 'रन फॉर यूनिटी' आज, मुख्यमंत्री योगी लखनऊ में करेंगे नेतृत्व

अमृत विचार, लखनऊ : लौह पुरुष और देश की एकता के प्रतीक भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर भारतीय जनता पार्टी शुक्रवार को पूरे प्रदेश में रन फॉर यूनिटी (एकता दौड़) का भव्य आयोजन करेगी। समाज में एकता, अखंडता और राष्ट्रभावना को सशक्त करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में इसकी शुरूआत करेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, डॉ. राधा मोहन सिंह, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा सहित कई वरिष्ठ नेता प्रदेशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इसी तरह प्रदेश के सभी जिलों में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, स्वयंसेवी संगठन, शिक्षण संस्थान और खेल जगत से जुड़े लोग एकता दौड़ में भाग लेंगे।

10 मंडलों में उच्च शिक्षा के नए अधिकारी नियुक्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश सरकार ने किया बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। शासन ने प्रदेश के दस मंडलों में नए क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों की नियुक्ति की है। इस संबंध में बुधवार देर शाम उच्च शिक्षा विभाग की ओर से विशेष सचिव गिरीजेश कुमार त्यागी ने आदेश जारी किया।

आदेश के अनुसार, डॉ. सुषमा देवी को चित्रकूट मंडल, डॉ. चंद्र प्रकाश को विंध्याचल मंडल, डॉ. गुरसेब सिंह मोदी को अलीगढ़ मंडल, डॉ. रमेश कुमार सिंह को आजमगढ़ मंडल, डॉ.श्याम शंकर सिंह को अयोध्या मंडल, डॉ. जयप्रकाश सिंह को बस्ती मंडल, डॉ. सुधा पांडेय को प्रयागराज मंडल, डॉ. यशोधरा शर्मा को सहारनपुर मंडल, डॉ. सुमन गुप्ता को मुरादाबाद मंडल और प्रो. अतुल शर्मा को देवीपाटन मंडल का क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी बनाया गया है। सूत्रों के अनुसार, यह फेरबदल उच्च शिक्षा विभाग में प्रशासनिक कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने और मंडल स्तर पर निगरानी एवं समन्वय व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है।

फर्जी मतदाता बनाने का आरोप, सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ: सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर फर्जी मतदाता बनाए जाने की शिकायत की है। उन्होंने पार्टी की तरफ से इस मामले में उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा गुरुवार को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बिजनौर, बरेली, पीलीभीत, मुरादाबाद, अमरोहा, बदायूं, शाहजहांपुर, संभल और रामपुर में निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों तथा उनके सगे संबंधियों और समर्थकों को शिक्षक दिखाकर अवैध रूप से मतदाता बनाया जा रहा है।

सुविधा | सड़क, रेल व बस से मिलेगी सीधी, तेज और आरामदायक कनेक्टिविटी

नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचना होगा आसान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : गौतम बुद्ध नगर के जेवर में बना नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब यात्रियों के लिए और सुलभ होने जा रहा है। एयरपोर्ट की जल्द शुरुआत होनी है और इससे पहले सरकार ने यात्रियों, पर्यटकों और उद्योगों के लिए तेज, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल पहुंच सुनिश्चित करने हेतु मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी तैयार कर ली है।

एयरपोर्ट सीधे यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ा है, जबकि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (बल्लभगढ़ लिंक) से हरियाणा और पश्चिम भारत से पहुंचना और आसान होगा। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के जरिये गाजियाबाद, मेरठ और पलवल से सीधी राह मिलेगी। औद्योगिक और मालवाहक ट्रैफिक के लिए उत्तर और पूर्व एक्सेस रोड लगभग तैयार हैं, वहीं सेक्टर-28 की 60 मीटर चौड़ी सड़क को भी एक्सप्रेसवे से जोड़ दिया गया है। रेल मार्ग से भी एयरपोर्ट पहुंचने की तैयारी तेज है। दिल्ली से जेवर तक रीजनल रैपिड रेल परियोजना का डीपीआर मंजूर हो चुका है। साथ ही दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर में जेवर स्टेशन का प्रावधान किया गया है। रेल मंत्रालय एयरपोर्ट को चोला-रुंधी लाइन से जोड़ने की योजना पर भी काम कर रहा है।

अंतिम माइल कनेक्टिविटी के लिए 500 इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी, जो नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी को एयरपोर्ट से जोड़ेंगी। राज्य सरकार और कई राज्यों के बीच अंतरराज्यीय बस सेवा की सहमति बन चुकी है। यात्रियों की सुविधा के लिए महिंद्रा लॉजिस्टिक्स की एनआईए ब्रांडेड कैब, साथ ही ओला, उबर, रैपिडो जैसी ऐप आधारित टैक्सी सेवाएं शुरू होने जा रही हैं। कार रेंटल और ड्राइवर सहित गाड़ियों की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

जेवर एयरपोर्ट पर लैंडिंग-टेक ऑफ ट्रायल, एयरड्रोम लाइसेंस की तैयारी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के संचालन की दिशा में बड़ा कदम गुरुवार से शुरू हो गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की टीम यहां दो दिनों तक कैलिब्रेशन फ्लाइट ट्रायल करेगी। यह ट्रायल एयर नेविगेशन, संचार प्रणाली, रनवे लाइटिंग और सुरक्षा मानकों की जांच के लिए किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, दो दिनों में कुल पांच विमानों की टेकऑफ और लैंडिंग की जाएगी। इसमें रनवे, एप्रन, टैक्सीवे और एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम की कार्यक्षमता परखने के साथ सभी उपकरणों की सटीकता की जांच होगी। सफल ट्रायल के बाद एयरपोर्ट को एयरड्रोम लाइसेंस मिलने का रास्ता खुल जाएगा। जेवर एयरपोर्ट को नवंबर अंत तक औपचारिक रूप से शुरू करने की तैयारी है।

बहाने बनाकर मुआवजा देने से नहीं बच सकतीं बीमा कंपनियां
- 8

यूपी वेस्ट सर्किल में जियो के 2.5 करोड़ से ज्यादा मोबाइल सब्सक्राइबर : ट्राई- 8

शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप ने चीन पर टैरिफ घटाकर 47 प्रतिशत किया
- 9

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने के बाद दूसरे मैच में भारत के हौसले बुलंद
- 10

आज का मौसम
28.0° अधिकतम तापमान
19.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.23
सूर्यास्त 05.28

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी 10:03 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082
शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 271, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

अमेरिका से बेहतर भारत निर्मित हार्ट स्टेंट, वैश्विक स्तर पर मान्यता

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी

- अंतर्राष्ट्रीय बाजार के अग्रणी स्टेंट की तुलना में उच्च जोखिम वाले रोगियों के लिए बेहतर कार्य किया

भारत में निर्मित नई पीढ़ी के हार्ट स्टेंट ने अमेरिका में निर्मित अंतर्राराष्ट्रीय बाजार के अग्रणी स्टेंट की तुलना में उच्च जोखिम वाले रोगियों के लिए बेहतर कार्य किया है। इसके साथ ही संबंधित भारतीय चिकित्सा नवाचार ने वैश्विक स्तर पर एक बड़ी पहचान हासिल कर ली है।

बुधवार को यहां संपन्न हुए हार्ट रोग विशेषज्ञों के एक वैश्विक सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसमें जाने-माने भारतीय हृदय रोग विशेषज्ञ एवं दिल्ली के बत्रा अस्पताल के चेयरमैन एवं डीन डॉ. उपेन्द्र कौल ने भारत में 'टक्सेडो-2' नामक एक परीक्षण के परिणाम प्रस्तुत किए, जिसमें भारत में निर्मित नई पीढ़ी के हार्ट स्टेंट 'सुप्राफ्लेक्स क्रुज' की तुलना अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अग्रणी अमेरिका के 'एक्सिएंस' नामक स्टेंट से की गई। डॉक्टर कौल के नेतृत्व में यह परीक्षण 66 भारतीय हृदय रोग केंद्रों में आयोजित किया गया। इसमें विशेष रूप से अत्यधिक जटिल स्थिति वाले रोगियों, जैसे मधुमेह व उन्नत बहु-वाहिका रोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि परीक्षण में शामिल 80 प्रतिशत लोगों को त्रि-वाहिका रोग था। भारतीय उपकरण के लिए परिणाम अत्यधिक सकारात्मक रहे।

भारत महिला विश्वकप के फाइनल में, द. अफ्रीका से होगा सामना

जेमिमा ने खेली 127 रन की नाबाद पारी

- सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से दी मात, 2 नवंबर को खेला जाएगा फाइनल

नवी मुंबई, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया से मैच जीतने के बाद जश्न मनातीं भारतीय महिला टीम के खिलाड़ी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रिकॉर्डबुक बदलने वाली ऐतिहासिक जीत के साथ महिला विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। जेमिमा रॉड्रिग्स ने सबसे बड़े मंच पर जीवन की यादगार पारी खेली।

उनकी नाबाद 127 रन की पारी की बदौलत भारत ने गुरुवार को सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर महिला विश्व कप के इतिहास में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। अब 2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल खेला जाएगा। रॉड्रिग्स की 14 चौके जड़ित नाबाद शतकीय पारी ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड के शतक पर भारी पड़ गई जिससे भारत ने नौ गेंद रहते 341 रन बनाकर महिला वनडे में रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा कर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पराजित कर दिया। रॉड्रिग्स को कई बार जीवनदान मिला और उन्होंने इनका पूरा फायदा उठाते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर (89 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 167 रन की साझेदारी निभाई जिसकी बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया के दो चरण में 15 मैच से चले आ रहे अपराजित अभियान को समाप्त किया। जीत के बाद कप्तान हरमनप्रीत और रॉड्रिग्स की आंखों में खुशी के आंसू थे। (विस्तृत खेल पेज)

मुझे टीम पर गर्व : हरमनप्रीत

जीत के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि मुझे इस टीम पर गर्व है। मेरे पास बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। आज हम यही चर्चा कर रहे थे कि कैसी भी परिस्थिति हो टीम के लिए डटे रहना है। जेमिमा वैसी खिलाड़ी हैं जो हमेशा टीम के लिए बेहतर करना चाहती हैं। जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो वो मेरे लिए कैलकुलेशन कर रही थी। वो मेरा भी हौसला बढ़ा रही थीं और इसका श्रेय उन्हें जाता है।

ब्रीफ न्यूज

सीबीएसई : 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने गुरुवार को बोर्ड परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा करते हुए बताया कि 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। सीबीएसई ने पहली बार परीक्षा शुरू होने से 110 दिन पहले डेटशीट जारी की है। दसवीं की परीक्षा 17 फरवरी से 10 मार्च तक और 12वीं की 17 फरवरी से 09 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। सीबीएसई ने कहा कि दोनों कक्षाओं में विद्यार्थियों द्वारा लिए जाने वाले दो विषयों के बीच पर्याप्त अंतराल दिया गया है। मूल्यांकन के दौरान, सभी विषयों के शिक्षक एक साथ और लंबे समय तक अपने विद्यालय से दूर नहीं रहेंगे।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत अगले सीजेआई नियुक्त

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को गुरुवार को भारत का 53वां प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया और वह 24 नवंबर को पदभार ग्रहण करेंगे। केंद्रीय कानून मंत्रालय के न्याय विभाग ने एक अधिसूचना जारी करके उनकी नियुक्ति की घोषणा की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति गवई का स्थान लेंगे, जो 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत अगले 15 महीने तक प्रधान न्यायाधीश के पद पर रहेंगे।

शौर्य व संस्कृति का प्रेरणास्थल बनेगा शिवाजी महाराज संग्रहालय : योगी

मुख्यमंत्री ने की संस्कृति विभाग की समीक्षा, जनवरी तक निर्माण पूरा करने के निर्देश

- 7डी तकनीक से दिखेगी शिवाजी की 'ग्रेट एस्केप' गाथा, आधुनिक प्रस्तुति में झलकेगा स्वतंत्रता संग्राम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

संस्कृति विभाग के मंत्री और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगरा में बन रहा छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय भारत के शौर्य, स्वाभिमान और सांस्कृतिक वैभव का प्रेरणास्थल बनेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि भवन निर्माण कार्य जनवरी तक हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि संग्रहालय का स्वरूप समय से निखर सके।

योगी ने गुरुवार को अपने आवास पर संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि यह संग्रहालय केवल इतिहास का स्थिर प्रदर्शन न होकर भारत की गौरवगाथा का जीवंत अनुभव होना चाहिए। हर गैलरी ऐसी थीमैटिक और इंटरएक्टिव हो, जहां दर्शक सिर्फ देखने वाले न रहकर भारत की आत्मा को महसूस करने वाले सहभागी बनें। योगी ने 'शिवाजी एवं द ग्रेट एस्केप गैलरी' में 7डी तकनीक, डिजिटल साउंड और विजुअल इफेक्ट्स के माध्यम से आगरा किले से शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक मुक्ति का सजीव चित्रण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अनुभाग शिवाजी महाराज के स्वराज्य संकल्प और वीरता का प्रतीक बने। मुख्यमंत्री ने संस्कृति विभाग और निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिया कि परियोजना की साप्ताहिक समीक्षा करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय सीमा और गुणवत्ता में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय आगरा की पहचान को नई ऊंचाई देगा और उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक गौरव का जीवंत प्रतीक बनेगा।

मुख्यमंत्री ने 'अग्रदूतों की गैलरी' में 1857 के अमर सेनानियों रानी लक्ष्मीबाई, नाना साहेब, तात्या टोपे जैसे वीरों की गाथा आधुनिक तकनीक से प्रदर्शित करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह गैलरी उन अग्रदूतों को समर्पित होगी, जिन्होंने स्वतंत्रता की नींव रखी। इसी तरह, 'त्योहारों की गैलरी' में काशी की देव दीपावली, ब्रज का रंगोत्सव और प्रयागराज का महाकुंभ जैसे प्रमुख पर्वों को ध्वनि, संगीत, प्रकाश और रंगों के माध्यम से जीवंत रूप में दिखाया जाएगा। 'नदियों की गैलरी' में गंगा, यमुना, सरयू जैसी नदियों से जुड़ी आस्था और लोक जीवन का चित्रण होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संग्रहालय का हर स्थापत्य तत्व उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतिनिधि बने। उन्होंने 'आगरा गैलरी' में शहर की स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रदर्शित करने और 'ओरिएंटेशन गैलरी' को संग्रहालय की प्रस्तावना के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। योगी ने कहा कि संग्रहालय अतीत का संग्रह नहीं, बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा केंद्र बनेगा।

संग्रहालय की विशेष गैलरियां

- **शिवाजी एवं द ग्रेट एस्केप गैलरी :** 7डी तकनीक से शिवाजी की वीरता का सजीव चित्रण
- **अग्रदूतों की गैलरी :** 1857 के सेनानियों की गाथा आधुनिक तकनीक से
- **त्योहारों की गैलरी :** देव दीपावली से महाकुंभ तक, उत्सवों का जीवंत अनुभव
- **नदियों की गैलरी :** गंगा और यमुना की आस्था और लोक जीवन का सजीव चित्रण
- **आगरा गैलरी :** मुगल स्थापत्य से आधुनिक आगरा तक की झलक

कांग्रेस-राजद नेता छठी मैया का कर रहे अपमान

छपरा/मुजफ्फरपुर, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देने का लगाया आरोप
- मुजफ्फरपुर और छपरा में अपनी रैलियों में विपक्ष पर जमकर बरसे मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बिहार में विपक्षी दल कांग्रेस-राजद गठबंधन पर छठी मैया का अपमान करने, अयोध्या में राम मंदिर से समस्याएं होने और वोट बैंक तथा तुष्टिकरण की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने मुजफ्फरपुर और छपरा में अपनी रैलियों में यह टिप्पणी की।

उनका यह बयान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा बुधवार को यह आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद आया है कि प्रधानमंत्री ने छठ पूजा के अवसर पर दिल्ली में यमुना में डुबकी लगाने की योजना बनाकर नाटक करने की कोशिश की, लेकिन यह बात उजागर होने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया कि नदी अस्वच्छ होने के कारण एक गड्ढा बनाकर उसमें साफ पानी भरा गया है।

प्रधानमंत्री ने राज्य के लोगों से 'नरेन्द्र-नीतीश' गठबंधन में अपना विश्वास बनाए रखने का आग्रह किया। उनका स्पष्ट इशारा जद(यू) अध्यक्ष की ओर था, जो बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं। मुजफ्फरपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, छठ पूजा अब दुनिया भर में प्रसिद्ध है और छठ के बाद यह बिहार का मेरा पहला दौरा है। यह पर्व न केवल भक्ति का प्रतीक है बल्कि समानता का भी प्रतीक है। यही कारण है कि मेरी सरकार इस पर्व को यूनेस्को विरासत का दर्जा दिलाने का प्रयास कर रही है। मोदी ने कहा, मैं यात्रा के दौरान छठ के गीत सुनता हूं। एक बार नागालैंड की एक लड़की द्वारा गाए गए इन गीतों में से एक को सुनकर मैं भावुक हो गया था। लेकिन जब आपका यह बेटा यह सुनिश्चित करने में व्यस्त है कि छठ को उसका उचित सम्मान मिले तब कांग्रेस-राजद के लोग इस पर्व का उपहास उड़ा रहे हैं और इसे नाटक, नौटंकी कह रहे हैं।

दरअसल कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जिले में एक चुनावी रैली की थी और दिल्ली में यमुना के किनारे छठ पूजा के आयोजन का हवाला देते हुए कहा था कि एक तरफ यमुना नदी में गंदा पानी था और बगल में साफ पानी का तालाब बनाया गया था ताकि प्रधानमंत्री उसमें नहाकर 'ड्रामा' कर सकें, जबकि उन्हें छठ पूजा से कोई लेनादेना नहीं है। गांधी ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं, यहां तक कि नाच भी सकते हैं।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 1 से 15 नवंबर तक मनाया जाएगा भारत पर्व

गुजरात : राष्ट्रीय एकता दिवस परेड को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल करती पुलिस बल की टुकड़ी।

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास पुलिस टुकड़ियों की लेंगे सलामी

सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में देश में एक से 15 नवंबर तक 'भारत पर्व 2025' मनाया जाएगा। नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड की तर्ज पर हर साल 31 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्मस्थली गुजरात के एकता नगर में भव्य परेड के साथ मनाया जाएगा।

यह परेड मूलरूप से भारत की एकता की परेड होगी, जो देश के सर्वोच्च आदर्शों को जमीन पर उतारने का एक माध्यम होगी। यह वार्षिक कार्यक्रम देश के युवाओं को सरदार पटेल के सिद्धांतों और राष्ट्र के लिए उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के बारे में शिक्षित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। शुक्रवार को होने वाले समारोह के दौरान प्रधानमंत्री मोदी 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास से मार्च करती विभिन्न पुलिस टुकड़ियों की सलामी लेंगे। शुक्रवार की परेड में महिला पुलिस अधिकारी टुकड़ियों का नेतृत्व करेंगी, तथा विभिन्न राज्यों और अर्धसैनिक बलों के कर्मी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण टीम एक शानदार 'एयर शो' प्रस्तुत करेगी, जो परेड का मुख्य आकर्षण होगा। देश भर से 900 कलाकार अपनी सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने पेश करेंगे।

ऑडिशन के बहाने 17 बच्चे बनाए बंधक, आरोपी ढेर

मुंबई, एजेंसी

- मुंबई में 15 वर्ष की आयु के लड़कों और लड़कियों को आरोपी ने बुलाया था

पवई इलाके में गुरुवार को एक स्टूडियो के अंदर बंधक बनाए गए 17 बच्चों और दो व्यक्तियों को मुक्त करा लिया गया और इस अभियान के दौरान पुलिस गोलीबारी में घायल हुए आरोपी ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। बच्चों को बंधक बनाने के आरोपी की पहचान 50 वर्षीय रोहित आर्य के रूप में हुई।

आर्य पर पुलिस ने उस समय गोली चलाई जब वह 'एयर गन' से बच्चों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस उपायुक्त दत्ता नलावडे ने बताया कि टीम ने बचाव अभियान चलाया और सभी बच्चों को सुरक्षित मुक्त करा लिया। गुरुवार दोपहर एलएंडटी बिल्डिंग के पास आर ए स्टूडियो में एक घंटे से ज्यादा समय तक नाटकीय स्थिति बनी रही। आर्य ने 15 वर्ष की आयु के लड़कों और लड़कियों को एक वेब सीरीज के 'ऑडिशन' के लिए बुलाया था।

आरोपी ने वीडियो किया था जारी

पुलिस के स्टूडियो में घुसने से पहले, आर्य ने एक वीडियो जारी किया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। आर्य ने कहा, मैं रोहित आर्य हूं। आत्महत्या करने के बजाय, मैंने एक योजना बनाई और कुछ बच्चों को बंधक बना लिया। मेरी बहुत ही साधारण मांगें हैं। बहुत ही नैतिक मांगें। मेरे कुछ सवाल हैं। मैं कुछ लोगों से बात करना चाहता हूं और उनके जवाबों के आधार पर, अगर कोई प्रति-प्रश्न हों, तो मैं उनसे पूछना चाहता हूं। तुम्हारी तरफ से जरा सी भी गलती मुझे इस पूरी जगह को आग लगाने के लिए मजबूर कर सकती है, मैं मरूं या न मरूं, बच्चों को बेवजह चोट पहुंचेगी।

कार सवार दंपत्ति ने 2 किमी दौड़ाकर गिग वर्कर को कुचला

- बेंगलुरु में दिल दहला देने वाली वारदात, टक्कर मारने के आरोप में दंपति गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु में कार सवार दंपत्ति ने जान बूझकर स्कूटी सवार एक 24 वर्षीय गिग वर्कर टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दंपत्ति ने टक्कर मारने के लिए उसका दो किमी तक पीछा किया था। गिग वर्कर्स उन श्रमिकों को कहा जाता है जिनका काम अस्थायी होता है।

हादसे में उसका दोस्त घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि बदला लेने की इस घटना को जानबूझकर अंजाम दिया गया था। 25 अक्टूबर को रात साढ़े 11 बजे पुट्टेनहल्ली थानाक्षेत्र में हुई इस घटना के सिलसिले में पति-पत्नी को गिरफ्तार किया गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोपहिया वाहन सवारों ने पहले कार को टक्कर मारी थी, जिससे उसका साइड मिरर टूट गया था। गुस्से में आकर दोपहिया वाहन का पीछा किया था।

चेताया — पाकिस्तान से तनाव के बीच विदेश मंत्रालय का बड़ा बयान

अफगानिस्तान की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के लिए भारत प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

- जम्मू कश्मीर पर ओआईसी के बयान को सिरे से खारिज किया

भारत ने गुरुवार को कहा कि वह अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत का यह बयान अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच आया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, पाकिस्तान इस बात से नाराज है कि अफगानिस्तान अपने क्षेत्रों पर संप्रभुता का उपयोग कर रहा है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान को लगता है कि उसे दंड से मुक्ति के साथ सीमा पार आतंकवाद को अंजाम देने का अधिकार है। उन्होंने कहा, इसके पड़ोसी इसे अस्वीकार्य मानते हैं। भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस महीने की शुरुआत में काबुल पर पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष शुरू हो गया था। अफगानिस्तान ने हमले का कड़ा जवाब दिया जिसके बाद संघर्ष बढ़ गया।

वहीं, भारत ने जम्मू कश्मीर के बारे में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के बयान को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि संगठन को भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि उन्हें भारत के आंतरिक मामलों पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उल्लेखनीय है कि ओआईसी ने हाल ही में एक बयान में जम्मू कश्मीर पर पाकिस्तान का राग अलापते हुए कहा था कि भारत ने जम्मू कश्मीर पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है।

चाबाहर बंदरगाह पर अमेरिकी प्रतिबंधों में भारत को मिली 6 माह की छूट

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को लेकर चल रही कवायद के बीच चाबहार बंदरगाह पर प्रतिबंध के मामले में भारत को अमेरिका से बड़ी तात्कालिक राहत मिली है जिसमें अमेरिका ने बंदरगाह के संचालन पर लगाए गए प्रतिबंधों में छह महीने की छूट दे दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा, अमेरिका ने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र की ईरान पर परमाणु कार्यक्रम को लेकर लगायी गई पाबंदियों के मद्देनजर भारत के चाबाहार बंदरगाह के संचालन को लेकर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। भारत ने इस बंदरगाह को संचालन के लिए 10 वर्ष को लीज पर लिया हुआ है।

दो रूसी तेल कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभावों का अध्ययन जारी

नई दिल्ली। कच्चे तेल की उसकी खरीद किफायती कीमतों पर विविध स्रोतों से ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने पर आधारित है और वह रूसी तेल कंपनियों 'लुकोइल' तथा 'रोसनेफ्ट' पर अमेरिका द्वारा लगाए गए नवीनतम प्रतिबंधों के प्रभावों का अध्ययन कर रहा है। रणधीर जायसवाल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब संकेत मिल रहे हैं कि भारतीय रिफाइनरी धीरे-धीरे सब्सिडी वाले रूसी कच्चे तेल की खरीद कम कर रही हैं और अमेरिका से पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर विचार कर रही हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

किशोरी मिली, भगाने का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर पुलिस ने 18 दिन से लापता किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया। उसे बहलाकर नासिक ले जाने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बिजनौर बाजार का रहने वाला सुहेल खान है। बिजनौर इलाके के रहने वाले व्यक्ति ने 16 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इंस्पेक्टर शिव शंकर महादेवन ने बताया कि बुधवार शाम किशोरी को बिजनौर कस्बा स्थित ईदगाह के पास एक युवक के साथ पकड़ लिया गया। युवक बिजनौर बाजार का रहने वाला सुहेल खान है। पुलिस के सामने कुबूल किया कि वह किशोरी को लेकर नासिक गया था। इंस्पेक्टर ने बताया कि जब दोनों को थाने में रिपोर्ट दर्ज होने की जानकारी मिली, तो वे वापस लौट आए। पुलिस ने आरोपी सुहेल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराकर उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

बसों में डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने को एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ : डिजिटल इंडिया अभियान अंतर्गत डिजिटल पेमेंट योजना से यात्रियों को जोड़ने के लिए नगरीय परिवहन निदेशालय, नगर विकास विभाग उप्र. और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बीच गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इससे नगरीय परिवहन में डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा मिलेगा। यात्रियों को नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड का कैशलेस और सुरक्षित भुगतान विकल्प मिलेगा। नगरीय परिवहन निदेशालय के निदेशक महेन्द्र बहादुर सिंह और भारतीय स्टेट बैंक की ओर से धीरज कुमार, संयुक्त निदेशक जयदीप वर्मा, सहायक निदेशक ए.के. सिंह, सुबोध कटियार एवं मनुज खन्ना उपस्थित रहे। परिवहन निदेशक ने बताया कि यह कार्ड बसों, मेट्रो, रेलवे, रिटेल एवं अन्य ट्रांसपोर्ट नेटवर्क पर भी उपयोगी होगा।

100 बीघा की नौ प्लाटिंग ध्वस्त

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने गुरुवार को गुड़म्बा व दुबग्गा क्षेत्र में 100 बीघा से अधिक क्षेत्रफल में नौ अवैध प्लाटिंग बुलडोजर से ध्वस्त कर दी। कार्रवाई बिना लेआउट स्वीकृत निर्माण करने पर की गई। प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया कि दुबग्गा के ग्राम मौरा, जिलहपुर में निरीक्षण के दौरान सात अवैध प्लाटिंग चिन्हित की थी। इसमें रामेश्वर, मो. इरफान, राजेश कुमार कश्यप, मिंकू कश्यप, बालाजी प्रॉपर्टीज, राकेश पाल, संतोष गौतम, रामकेश, आलोक गुप्ता, मुन्नी लाल मौर्या, हरिवंश ग्रीन सिटी के प्रबंधक व अन्य द्वारा लगभग 55 बीघा में बिना लेआउट प्लाटिंग करने पर अभियान चलाकर ध्वस्त किया। प्रवर्तन जोन-5 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि रोशन लाल, सलील सेठ व अन्य द्वारा गुड़म्बा के ग्राम रजौली में दो स्थानों पर लगभग 60 बीघा अवैध कालोनी विकसित करने पर निर्माण ध्वस्त किया।

शिविर में दिया गया 70 लड़कियों को परामर्श

अमृत विचार, लखनऊ : काकोरी सीएचसी के डॉक्टरों की टीम ने पारा के सिंधी खेड़ा स्थित राजकीय बालिका गृह में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लड़कियों की जांच की। स्वास्थ्य शिविर में 70 लड़कियों को परामर्श देते हुए जांच की गई। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर में 70 बालिकाओं को परामर्श दिया, जबकि 33 लड़कियों की खून की जांच की गई। जरूरी दवाएं वितरित की गईं। टीम ने लड़कियों को स्वास्थ्य एवं पोषण के बारे में बताया। माहवारी के दौरान सफाई के बारे में जागरुक किया। संतुलित एवं पौष्टिक भोजन करने, हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल, दालों का सेवन करने को कहा।

समस्याएं नहीं निपटीं तो घेरेंगे शक्ति भवन

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन निविदा संविदा कर्मचारी संघ की बैठक गुरुवार को सिंगार नगर बारात घर में हुई। इसमें रीडरों की समस्या का समाधान न होने पर 20 नवंबर के बाद शक्ति भवन का घेराव करने का निर्णय लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद खालिद की अध्यक्षता में हुई बैठक में बड़ी संख्या में मीटर रीडर शामिल हुए। प्रदेश महामंत्री देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने का 10 वर्षों से कार्य कर रहे मीटर रीडर बेरोजगार हो रहे हैं। उन्हें न्यूनतम वेतन के अनुसार भुगतान तक नहीं किया जा रहा है। ईपीएफ के मद में की गई कटौती को उनके भविष्य निधि खाते में जमा नहीं कराया जा रहा है।

समय से इलाज न मिलने पर गई बच्चे की जान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- परिजनों ने लोकबंधु अस्पताल के डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही का आरोप
- चिकित्सा अधीक्षक ने कहा जांच में दोषी पाए जाने पर स्टाफ के खिलाफ होगी कार्रवाई

अमृत विचार : मासूम बच्चे को समय से इलाज न मिलने से गुरुवार को उसकी मौत हो गई। परिजन बच्चे को लेकर एक से दूसरे अस्पताल में सुबह से भटकते रहे। हालत गंभीर होने पर उसे वेंटीलेटर सपोर्ट पर रखा गया मगर उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

अमौसी एयरपोर्ट के पास रहने वाले शिवा का बेटे कान्हा (11) को निमोनिया की शिकायत थी। परिजन पहले नजदीकी निजी अस्पताल से दवा ले रहे थे मगर उसकी सेहत में खास सुधार नहीं हुआ। गुरुवार सुबह बच्चे को सांस लेने में दिक्कत होने पर परिजन बच्चे को लेकर लोकबंधु अस्पताल गए। पिता का आरोप है कि वहां पर डॉक्टरों ने भर्ती करने की बजाय ट्रॉमा रेफर कर दिया। दोपहर करीब 12 बजे वह बच्चे को बारिश में भीगते हुए ट्रॉमा लाए। पर्चा बनाने से लेकर इलाज मिलने में समय बीत गया। इससे बच्चे की सांस उखड़ने लगी। डॉक्टरों ने सीपीआर देकर उसे वेंटीलेटर सपोर्ट पर डाला, मगर उसकी मौत हो गई। परिजनों ने इलाज मिलने में देरी का आरोप लगाते हुए शिकायत की बात कही है। पिता का कहना है लोकबंधु अस्पताल में बच्चे को भर्ती करके इलाज दिया गया होता तो शायद उसकी जान बच सकती थी। लोकबंधु अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर के मुताबिक, इमरजेंसी में मरीज के नाम का पर्चा तक नहीं बना है। मामले की जांच कराई जाएगी। जांच के दौरान लापरवाही मिलने पर संबंधित डॉक्टर व स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति होगी।

वेंटिलेटर की उपलब्धता पर कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ

- कहा- राज्य सरकार को ठोस तंत्र विकसित करना चाहिए

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में वेंटिलेटर की उपलब्धता और आवश्यकता के संबंध में राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। कोर्ट ने कोविड-19 महामारी के अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य में किसी आपात स्थिति की स्थिति में वेंटिलेटर की त्वरित उपलब्धता हेतु राज्य सरकार को ठोस तंत्र विकसित करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया है कि राज्य सरकार यह जानकारी दे कि लखनऊ के प्राथमिक स्तर के अस्पतालों (सीएचसी एवं पीएचसी) में वेंटिलेटर की सुविधा उपलब्ध है अथवा नहीं, तथा यदि है तो क्या वहां प्रशिक्षित कार्मिक तैनात हैं।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति राजीव भारती की खंडपीठ ने वी द पीपल संस्था की ओर से दाखिल एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिया। न्यायालय ने कहा कि राजधानी के अस्पतालों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है, प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक अस्पताल। कोर्ट ने यह भी कहा कि एसजीपीजीआई, केजीएमयू और लोहिया जैसे संस्थान मानकों के अनुसार न्यूनतम वेंटिलेटर संख्या रखते हैं, लेकिन यह देखा जाना आवश्यक है कि मरीजों की वास्तविक आवश्यकता इन मानकों से अधिक तो नहीं है। न्यायालय ने राज्य सरकार को यह भी आदेश दिया है कि लखनऊ खंडपीठ के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 16 जनपदों के सभी तीन स्तरों के अस्पतालों में वेंटिलेटर की उपलब्धता और आवश्यकता का आंकलन कर अगली सुनवाई तक रिपोर्ट दाखिल की जाए। मामले की अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी।

कार व बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत

गोसाईंगंज के कबीरपुर स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस पर हुआ हादसा

संवाददाता, गोसाईगंज

- घटना के बाद भाग रहे कार चालक को पुलिस ने पकड़ा

अमृत विचार : गोसाईगंज के कबीरपुर के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बुधवार देर रात तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में घायल शिवराज (42) व मनोज कुमार (40) की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतक पेशे से मजदूर थे। वह मलेशेमऊ से मजदूरी कर वापस घर जा रहे थे।

इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार सिठौली गांव निवासी शिवराज व मनोज कुमार बुधवार की देर रात मलेशेमऊ से मजदूरी कर बाइक से घर लौट रहे थे। वह कबीरपुर स्थित कट के पास पहुंचे थे, गोसाईगंज से लखनऊ जा रही कार ने टक्कर मार दी। जिससे दोनों उछलकर गिरे और डिवाइडर से टकराकर घायल हो गए। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोसाईगंज पहुंचाया जहां से डॉक्टरों ने दोनों की हालत नाजुक देख उन्हें ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। जहां शिवराज की मौत हो गई। जबकि मनोज के परिजन उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले गए थे जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घटना के बाद भाग रहे रानीगंज जगदीशपुर निवासी कार चालक हसनैन को पुलिस ने खुर्दही के पास से पकड़ लिया है। मृतक मनोज के परिवार में पत्नी मंजू व तीन बेटे निखिल निहाल प्रिंस और एक बेटी निधी है जबिक शिवराज के परिवार में पत्नी कमला व एक बेटा राजा है। पुलिस के मुताबिक परिवार की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है।

लखनऊ में शीघ्र तैयार होगा नौसेना शौर्य संग्रहालय

भारतीय नौसेना की वीरता का जीवंत प्रतीक बनेगा संग्रहालय : मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ में प्रस्तावित 'नौसेना शौर्य संग्रहालय' भारतीय नौसेना की अदम्य वीरता और हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की सामुद्रिक क्षमता का जीवंत प्रतीक बनेगा। जहाज के रूपाकार में संग्रहालय केवल प्रदर्शन का स्थल न होकर 'अनुभव का केंद्र' बने, जहां लोग भारतीय नौसेना की शौर्यगाथाओं को महसूस कर सकें।

योगी ने गुरुवार को संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना की प्रस्तुति देखी और इसके शीघ्र निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिस्प्ले में डिजिटल, इंटरएक्टिव और इमर्सिव तकनीकों का प्रयोग किया जाए ताकि आगंतुक नौसैनिक अभियानों, युद्धों और तकनीकी प्रगति को प्रत्यक्ष अनुभव कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि नौसेना की प्रेरणा-पुरुष छत्रपति शिवाजी महाराज के योगदान को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाए।

7डी थिएटर में डिजिटल वाटर स्क्रीन शो

संग्रहालय परिसर में 7डी थिएटर, एयरक्राफ्ट कैरियर लैंडिंग सिम्युलेटर, वॉरशिप सिम्युलेटर, डिजिटल वाटर स्क्रीन शो और 'ड्रेस लाइक योर हीरोज' जैसी सहभागितापरक गतिविधियां भी होंगी। परियोजना की निगरानी के लिए महानिदेशक पर्यटन की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है, जिसमें नौसेना विशेषज्ञ और मेरिटाइम हेरिटेज सोसाइटी के सदस्य शामिल हैं।

बैठक में बताया गया कि संग्रहालय का स्वरूप जहाज के अमूर्त रूप में होगा। इसकी वास्तुकला में नौसैनिक प्रतीक, रेलिंग, पोर्थोल जैसी खिड़कियां और समुद्री तत्वों का समावेश होगा। परिसर में इंटरप्रिटेशन सेंटर, थीमैटिक वॉकवे, प्रदर्शनी गैलरी, सेंट्रल डेक, फाउंटेन और लाइट-एंड-साउंड एरिना शामिल होंगे। डिजाइन ऊर्जा-संवेदनशील होगा, जिसमें प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन की आधुनिक व्यवस्था रहेगी। परियोजना दो हिस्सों में विकसित होगी। पहला 'आईएनएस गोमती शौर्य स्मारक', और दूसरा 'नौसेना शौर्य वाटिका'। 'आईएनएस गोमती (एफ-21)' गोदावरी श्रेणी का स्वदेशी मिसाइल फ्रिगेट है, जिसने 34 वर्षों तक नौसेना में सेवा दी।

वेटनरी डॉक्टर को दहेज के लिए पीटा, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार : सरोजनीनगर इलाके में वेटनरी डॉक्टर ने पति, सास और ससुर पर रिपोर्ट दर्ज कराया है। आरोप है कि सभी दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जबरन शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बना रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़िता के मुताबिक उसका विवाह 5 मई 2025 को उरई निवासी विश्वास शुक्ला उर्फ मोहित से हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। विवाह में उसके पिता ने सोने के आभूषण, फर्नीचर, घरेलू सामान व नगद रुपये सहित 25 लाख रुपये खर्च किए थे। विवाह के बाद पति व ससुराल पक्ष ने दहेज में कार न लाने को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता के मुताबिक वह डॉक्टर होने के साथ अंबाला में वेटरिनरी ऑफिसर के पद पर तैनात है। पति आए दिन उस पर आधा वेतन देने का दबाव डालता था। विरोध करने पर उसने गाली-गलौज व मारपीट की। इंस्पेक्टर राजदेव प्रजापति के अनुसार तहरीर के आधार पति विश्वास शुक्ला, सास सुमन और ससुर अरूण शुक्ला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में महिला से टप्पेबाजी

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : महिंगवा के डींगुरपुर गांव निवासी मालती देवी के मुताबिक गुरुवार दोपहर 12 बजे बीकेटी कस्बा स्थित सेंट्रल बैंक से बीस हजार रुपये निकाले। इसके बाद एयरफोर्स रोड पर कामदगिरि इलेक्ट्रॉनिक की दुकान पर वायरिंग तार खरीदने गई। आरोप है कि बैंक से ही उसका पीछा कर रही दो महिलाएं दुकान में पहुंच गई। उनके झोले को काटकर बीस हजार रुपये निकाल लिये। तार का भुगतान करने के लिए रुपये निकालने लगी तो जानकारी हुई। मालती ने पुलिस को सूचना दी। अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक कैलाश चन्द्र दुबे ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे में दो अज्ञात महिलाएं कैद हुई हैं।

फंदे से लटका मिला महिला का शव

संवाददाता, सरोजनीनगर

- पति व ससुरालवालों पर दहेज हत्या का आरोप

अमृत विचार : सरोजनी नगर के दरोगाखेड़ा स्थित कांशीराम कॉलोनी निवासी विनोद कुमार की पत्नी अंजलि (27) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मायके वालों ने पति और ससुरालवालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मूलतः बाराबंकी के रामसनेहीघाट स्थित अमरगंज निवासी विनोद कुमार सरोजनी नगर के दरोगाखेड़ा स्थित कांशीराम कॉलोनी में पत्नी अंजलि और दो बेटियों के साथ रहते थे। विनोद निजी कंपनी में नौकरी करता है। बुधवार को वह ड्यूटी पर चला गया, जबकि अंजलि घर पर थी। देर शाम वापस आया तो कमरा अंदर बंद था। दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने शोर मचाया। पड़ोसी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा। अंजलि को सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाराबंकी के पिपरिहा निवासी अंजलि के भाई राजू ने थाने में तहरीर देकर ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। राजू का अरोप है कि अंजलि की शादी सात वर्ष पूर्व विनोद से हुई थी। शादी के बाद से ही विनोद, उसके पिता प्रेमचंद, मां राधा और बहन रूबी उसे दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सरोजनी नगर इंस्पेक्टर राजदेव राम प्रजापति के मुताबिक मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

पुलिस अधिकारी करेंगे स्वैच्छिक रक्तदान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश की कानून व्यवस्था का अनुपालन कराने के साथ ही पुलिस मानवता और सेवा की भावना को भी सशक्त बनाएगी। इसके लिए पुलिस विभाग के पुलिस कर्मी स्वैच्छिक रक्तदान करेंगे। इसके लिए राज्य रक्त संचरण परिषद एवं पुलिस मुख्यालय उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में नवंबर के प्रथम सप्ताह में प्रदेश के सभी जिलों में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी राज्य रक्त संचरण परिषद के निदेशक ने गुरुवार को दी। साथ ही बताया कि प्रत्येक जिले में रक्तदान करने वाले पुलिस कर्मियों को प्रमाणपत्र एवं धन्यवाद पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, सांस की बीमारियों से बचें : पाठक

इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी के 59वें वार्षिक सम्मेलन की उप मुख्यमंत्री ने की शुरुआत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सम्मेलन के दौरान उत्कृष्ट कार्य के लिए लोगों को सम्मानित करते उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, साथ में अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि अस्थमा व एलर्जी समेत दूसरी सांस संबंधी बीमारियों को रोकने एवं इनसे बचने के लिए हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने की आवश्यकता है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार ही जागरूकता अभियान चलाए भी जा रहे हैं। राज्य सरकार सांस व फेफड़ों से संबंधित बीमारियों की रोकथाम के लिए निरंतर काम कर रही है।

उप मुख्यमंत्री, गुरुवार को केजीएमयू में इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी (आईसीएएआईकॉन) के चार दिवसीय 59वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। केजीएमयू की कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) सोनिया नित्यानंद ने कहा कि देशभर में एलर्जी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत की जानी चाहिए। पल्मोनरी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभागाध्यक्ष एवं आयोजन सचिव डॉ. वेद प्रकाश ने बताया कि अस्थमा पुरुषों की तुलना में महिलाओं में ज्यादा होता है।

सम्मेलन में पद्मश्री प्रो. दिगंबर बेहरा, प्रो. राजकुमार, प्रो. आरएएस कुशवाहा, प्रो.एबी सिंह, प्रो. राजेंद्र प्रसाद, प्रो. सूर्यकांत, प्रो. अचल गुलाटी, प्रो.वीके जैन, डॉ. संदीप साल्वी और डॉ. राजीव गर्ग एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सम्मेलन में 200 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ और 800 से ज्यादा प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

अवैध ईंट-भट्ठों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकार ने मानक विहीन भट्ठों को प्रदूषण का बड़ा कारण बताया

अमृत विचार : प्रदेश में अवैध रूप से चल रहे ईंट-भट्टों पर अब सरकार बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। प्रदेश में करीब 22 हजार से अधिक ईंट भट्ठे पंजीकृत हैं, जिनमें से बड़ी संख्या ऐसे हैं, जो बिना अनुमति, पर्यावरणीय मानकों के उल्लंघन या नई गाइडलाइन का पालन न करने के बावजूद संचालन में हैं। इन पर सख्त कार्रवाई के लिए शासन जल्द निर्देश जारी करने जा रहा है।

सरकार ने ऐसे भट्ठे को प्रदूषण और अव्यवस्था का बड़ा कारण माना है। खासकर वे इकाइयां जो 'जिग-जैग टेक्नोलॉजी' जैसी स्वच्छ उत्पादन प्रणाली अपनाने में नाकाम रही हैं, उनके खिलाफ बंदी या भारी जुर्माने की कार्रवाई तय मानी जा रही है। वहीं, लगभग पांच हजार ऐसे भट्ठा मालिक जिन्होंने पर्यावरणीय मानदंडों का अनुपालन कर लिया है, उन्हें राहत देने पर भी विचार किया जा रहा है। शासन स्तर पर इन इकाइयों को वैध संचालन की अनुमति देने के लिए भी नीति बनाई जा रही है।

प्रदेश के कई जिलों में हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीमों ने छापेमारी कर बिना अनुमति संचालित भट्ठों की सूची तैयार की है।

जालसाजी | सहारा कर्मचारियों को वर्षों की सेवाएं देने के बाद भी नहीं मिली पीएफ की धनराशि

जब पीएफ ही नहीं जमा तो कैसे करेंगे क्लेम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वेलफेयर सोसायटी के नाम पर सहारा ने किया गुमराह
- सेवानिवृत्ति के बाद भी नहीं मिल पाया अधिकार

अमृत विचार : कंपनी को अपने जीवन के कई वर्ष समर्पित करने वाले सहारा कर्मचारियों को आज अपने ही हक के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। वर्षों की मेहनत और उम्मीदों के बाद भी उन्हें अपने भविष्य निधि (पीएफ) की धनराशि नहीं मिली। सहारा समूह ने कर्मचारियों को वेलफेयर सोसायटी के नाम पर गुमराह किया और यह विश्वास दिलाया कि उनका पीएफ नियमित रूप से जमा हो रहा है, जबकि वास्तविकता इससे बिलकुल विपरीत निकली।

अलीगंज निवासी सुनंदा डे, जो 2016 में सेवानिवृत्त हुईं, ने बताया कि कंपनी ने उन्हें कहा था कि उनका पीएफ कानपुर में जमा हो रहा है। बाद में जानकारी दी गई कि राशि सहारा सोशल वेलफेयर में जमा की जा रही है, लेकिन जब उन्होंने भविष्य निधि कार्यालय में जांच कराई तो पता चला कि कोई धनराशि जमा ही नहीं की गई थी। वह सवाल करती हैं कि जब पीएफ जमा ही नहीं हुआ, तो वह क्लेम कैसे करेंगी।

विकास नगर निवासी कपिल सिन्हा, जिन्होंने लगभग 30 वर्ष सहारा में सेवाएं दीं, बताते हैं कि कंपनी ने उनके बुढ़ापे का सहारा ही छीन लिया। उन्होंने कहा कि ईपीएफओ द्वारा सहारा की संपत्ति जब्त कर कर्मचारियों का बकाया दिलाने की खबर से थोड़ी आस जरूर जगी है, लेकिन जब खाते में जमा ही कुछ नहीं, तो राशि मिलेगी कैसे।

गुलिस्ता कॉलोनी के मनमोहन अग्रवाल, जो 2024 में रिटायर हुए, ने बताया कि यह किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि सैकड़ों कर्मचारियों की समस्या है। सहारा ने शुरुआती कुछ वर्षों तक पीएफ जमा किया, लेकिन पिछले करीब 14 वर्षों से किसी भी कर्मचारी का पीएफ जमा नहीं हो रहा है।

अब सवाल यह है कि जिन लोगों ने अपने बुढ़ापे का सहारा इसी कंपनी में खोजा था, आज वे न्याय के लिए किस दरवाजे पर जाएं। कर्मचारियों की उम्मीद अब ईपीएफओ की कार्रवाई पर टिकी है, जो सहारा की संपत्तियों से राशि वसूलकर कर्मचारियों को उनका हक दिलाने की दिशा में काम कर रही है।

अस्पताल की स्थानीय चिकित्सकीय जरूरतों पर खर्च होगा अनटाइड फंड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपीएचसी जानकीपुरम में 'जन आरोग्य समिति' का पहला अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित

अमृत विचार : शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (यूपीएचसी) में आने वाला अनटाइड फंड को स्थानीय स्वास्थ्य जरूरतों के आधार पर खर्च किया जाएगा। उक्त बजट से स्वास्थ्य योजनाओं को लागू करने और स्वास्थ्य संवर्धन गतिविधियां संचालित की जाएंगी। यह जानकारी यूपीएचसी जानकीपुरम में 'जन आरोग्य समिति' (जेएएस) के सदस्य सचिव डॉ.नीरज सिंह ने अभिविन्यास सत्र में दी।

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (यूपीएचसी) जानकीपुरम में सामुदायिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के लिए जन आरोग्य समिति के सदस्यों का पहला अभिविन्यास कार्यक्रम गुरुवार को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में समिति की अध्यक्ष पार्षद निशा तिवारी (एवं उनके प्रतिनिधि), जेएसआई टीम के डॉ. विवेक मिश्रा (प्रोग्राम ऑफिसर) एवं डॉ. रितेश कुमार (सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर) ने प्रतिभागियों को जेएसएस की कार्यप्रणाली, भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के साथ-साथ अनटाइड फंड के प्रभावी उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही जिला जिला प्रतिरक्षण अधिकारी (डीआईओ) डॉ. अमिताभ श्रीवास्तव ने इस पहल की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि ऐसे अभिमुखीकरण सत्रों से जिले के अन्य प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी जन आरोग्य समिति को दिशा मिलेगी और नियमित बैठकें सुनिश्चित होंगी। यूपीएचसी जानकीपुरम के लैब टेक्नीशियन योगेश उपाध्याय ने बताया कि यह कार्यक्रम जॉन स्नो इंडिया (जेएसआई) संस्था द्वारा आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्वास्थ्य योजना, संवर्धन गतिविधियों और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत बनाना था।

न्यूज ब्रीफ

किशोर को सर्प ने डसा, हुआ उपचार

हरपालपुर, हरदोई, अमृत विचार। हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के भूसेहरा गांव निवासी पप्पू के लगभग 16 वर्षीय पुत्र मोहन को बुधवार की रात घर के बाहर चारपाई पर सोते समय सांप ने डस लिया। जानकारी होने पर परिजनों ने सर्प को पकड़कर पॉलीथीन में भर लिया और किशोर व सर्प को लेकर अस्पताल पहुंच गए। सीएचसी पर किशोर का इलाज चल रहा है। वहीं अस्पताल में जब पॉलीथीन खोली गई तो उसमें सर्प देखकर वहां भर्ती मरीज व तीमारदार डरकर दूर भाग खड़े हुए। चिकित्सक डॉ .आशीष तिवारी ने बताया कि किशोर को धामन सर्प ने डसा था। जो जहरीला नहीं होता है। प्राथमिक उपचार के बाद हालत ने सुधार होने पर छुट्टी देकर घर भेज दिया गया हैं।

घर जा रहे युवक से तनख्वाह के रुपये छीने

सांडी, हरदोई। दो महीने की तनख्वाह लेकर घर जा रहे युवक से रास्ते में चार युवकों ने रुपए छीन लिए हैं। पीड़ित ने थाने जाकर मामले की शिकायत की। युवक ने आरोपियों की पहचान भी कर ली है। स्थानीय कस्बे के पूर्वी नवाबगंज मोहल्ला निवासी विमलेश सांडी कस्बे के मुख्य मार्ग पर एक शर्राफा दुकान पर नौकरी करता है। बुधवार की देर रात वह दुकान से दो माह की तनख्वाह में मिले नौ हजार लेकर घर जा रहा था। तभी चार युवकों ने बस अड्डा मस्जिद के पास उसे रोक लिया और रुपये छीन लिए। पीड़ित ने बताया कि दो आरोपी कस्बे के कंजड़ पुरवा मोहल्ले में रहते हैं। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करते हुए युवकों की तलाश करने में जुट गई है।

महिला को पीटकर किया घायल

शाहाबाद, हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नगला लोथू निवासी महिला ने बच्चों के विवाद में पिटाई कर घायल करने वाले की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़िता पूजा पत्नी दिनेश के अनुसार 26 अक्तूबर की शाम बच्चों के बीच हुए विवाद की रंजिश में पंकज ने अपने परिजनों के साथ मिलकर लात घूंसों से मारपीट कर घायल कर दिया।

दबंगों के कहर से गांव छोड़ गया एक परिवार, दूसरा भी पलायन की तैयारी में

संवाददाता, हरदोई/हरियावां

- एक माह पहले गांव में हुए विवाद में बीच-बचाव और दबंगों के खिलाफ गवाही देना पड़ रहा भारी

अमृत विचार। तालाब से मछली पकड़ने को लेकर गांव में हुए विवाद में बीच-बचाव और पुलिस में गवाही देना दो परिवारों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। हालत यह है दबंगों के आए दिन उत्पीड़न, मारपीट और धमकियों से परेशान होकर पीड़ित परिवार गांव से पलायन को मजबूर हो गए हैं। दबंगों पर पुलिस भी सख्त कार्रवाई करने वे परहेज कर रही है, जिसके चलते हालात ऐसे बन गए हैं। एक परिवार गांव छोड़ चुका है जबकि दूसरा पलायन को मजबूर हो रहा है।

पीड़ित परिवारों के घर में पड़ा ताला, दरवाजे पर चस्पा कागज का टुकड़ा दबंगों के खौफ की कहानी बयां कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार करीब एक माह पहले पिपरिया गांव में तालाब में मछली पकड़ने को लेकर विवाद हुआ था। दबंगों ने कहार बिरादरी के एक व्यक्ति को बेरहमी से पीटा था। हरिपाल ने बीच-बचाव किया तो उन पर भी हमला हुआ। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज की और मनोज व हरिपाल ने दबंगों के खिलाफ गवाही दी। तभी से यह दोनों परिवार दबंगों की आंख की किरकिरी बन गए।

गांव निवासी मनोज पुत्र जगदीश ने बताया कि 22 अक्तूबर को गांव के ही दबंग राम हरि, रामकिशन और रामपाल ने रंजिश मानते हुए विवाद किया। सूचना देने पर पुलिस आई लेकिन बिना कार्रवाई के लौट गई। उसी शाम करीब 5 बजे वही लोग फिर से आकर गाली-गलौज करते हुए सड़क पर हमला बोल गए। दबंगों ने मनोज और उनके परिवार को जमकर पीटा और जान से मारने की धमकी देकर चले गए। डर के साये में मनोज ने घर पर ताला लगाकर परिवार सहित गांव छोड़ दिया।

इसके बाद इसी के गांव के हरिपाल तिवारी के बेटे राहुल तिवारी ने भी कुछ दिन पहले दबंगों से परेशान होकर गांव छोड़ने की तैयारी की। लेकिन इसकी जानकारी होने पर एसएचओ पिहानी छोटेलाल खुद उनके घर पहुंचे और भरोसा दिलाया कि डरने की जरूरत नहीं, पुलिस उनकी सुरक्षा करेगी। इसके बाद कुछ दिन तक दबंग शांत रहे, लेकिन फिर वही कहानी दोहराई गई, पुलिस गई और दबंग लौट आए। जियो सेंटर में काम करने वाले राहुल गुरुवार की सुबह नौकरी पर जा रहे थे। तभी रास्ते में दबंगों ने गाड़ाबंदी कर दी। राहुल ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस को आते देख दबंग भाग गए। लेकिन दबंगों पर सख्त कार्रवाई न होने से कई परिवार भय के माहौल में जीने को मजबूर हैं। पीड़ित परिवारों के बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे। भय के चलते लोग खेतों पर काम करने नहीं जा पा रहे हैं। जिन दीवारों पर कभी त्योहारों के रंग चढ़ते थे, अब वहां 'हम गांव छोड़ रहे हैं, पलायन मजबूरी है' जैसे स्लोगन लिखे हैं।

दरवाजे पर घर छोड़ने की वजह लिखकर पलायन कर गए परिवार का बंद मकान।

घटना की जांच करती पुलिस। ● अमृत विचार

> पुलिस ने परिवार से मिलकर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। अगर किसी को डर या असुरक्षा की भावना है तो पुलिस तत्परता से मदद करेगी। एसएचओ को निर्देश दिए गए हैं कि वह नियमित रूप से क्षेत्र में गश्त करें।
>
> **-अजीत सिंह चौहान,** सीओ हरियावां

सड़क पर शव रखकर किया हंगामा

दबंगों की पिटाई से हुई थी युवक की मौत, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

संवाददाता, हरदोई, माधौगंज

अमृत विचार। गर्भवती पत्नी को बचाने में पीटे गए पति की मौत हो गई। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को माधौगंज चौराहे पर रखकर वहां जाम लगाया और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए न नारेबाजी व प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस द्वारा भीड़ को हटाने का प्रयास करने पर हंगामा कर रहीं महिलाओं ने चप्पल तक उतार ली। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि 'अमृत विचार' वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

माधौगंज थाने के गांव गोपलिया में 22 सितंबर को देवेंद्र (35) के घर के बगल में मकान बना रहे रामनाथ से देवेंद्र की गर्भवती पत्नी सुनीता से नोंकझोंक होने लगी। विवाद के दौरान रामनाथ, उसकी पत्नी और पुत्र संदीप ने सुनीता की पिटाई कर दी। जानकारी होने पर देवेंद्र घर पहुंचा और दबंगों से चंगुल से अपनी गर्भवती पत्नी को बचाने लगा। इस दबंगों ने देवेंद्र की भी लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। देवेंद्र को सीएचसी से लखनऊ ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, वहां इलाज चलता रहा, 6 अक्टूबर को उसकी छुट्टी कर दी गई। देवेंद्र का घर से इलाज चल रहा था। उसी बीच बुधवार को उसकी मौत हो गई। माधौगंज पुलिस ने गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। शाम को शव माधौगंज पहुंचा और उसे चौराहे पर रखकर जाम लगा दिया गया। लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस के खिलाफ नारेबाज़ी करते हुए हंगामा कर रहीं महिलाओं ने पुलिस पर चप्पल उतार ली। बवाल बढ़ने पर बिलग्राम पुलिस को बुलाया गया। एसएचओ माधौगंज विजय कुमार के समझाने पर करीब ढाई घंटे बाद जाम हटाया जा सका।

माधौगंज पुलिस ने गुरुवार को देवेंद्र के शव का पोस्टमार्टम कराया। उसकी रिपोर्ट में आया है कि पेट में अंदरूनी चोंट पहुंचने से लीवर और फेफड़ों में काफी ज्यादा संक्रमण फैलने से पस पड़ गया था।

सड़क पर जाम लगाकर हंगामा करते लोग व मौजूद पुलिस। ● अमृत विचार

- गर्भवती पत्नी को पीट रहे दंपति व उनके पुत्र से बचाने पहुंचा था पति

पुलिस पहले ही दर्ज कर चुकी थी मामला

देवेंद्र की मौत के मामले में एसएचओ माधौगंज विजय कुमार ने बताया कि 22 सितंबर को हुई मारपीट के मामले में देवेंद्र की पत्नी सुनीता की तहरीर पर आरोपी रामनाथ, उसकी पत्नी और पुत्र संदीप के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और धमकाने का केस दर्ज किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद धाराएं तरमीम कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कुरसेली में सड़क निर्माण के लिए राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने किया भूमि पूजन

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के ग्राम कुरसेली में गुरुवार को दोपहर सड़क निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश और देश की सरकार आम जनमानस के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। जिसका लाभ देश वासियों को बिना भेदभाव दिया जा रहा है। विधान सभा में ग्राम कुरसेली से हरदासपुर तक 149 लाख 33 हजार रुपये से 1.900 किलो मीटर सड़क का निर्माण खंड प्रथम पीडब्ल्यूडी हरदोई द्वारा किया जायेगा। बताया कि सरकार द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम से महिलाओं को बहुत शसक्त किया है। इस अवसर पर एसडीएम अंकित तिवारी, सीओ आलोक राज नारायण, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी व अन्य अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुरसेली में भूमि पूजन करतीं उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी। ● अमृत विचार

झाड़ी शाह उर्स में मशहूर कव्वाल सुल्तान साबरी ने की सुफियानी कव्वाली

संडीला, हरदोई, अमृत विचार। नगर में चल रहे 34वें उर्स व मेले में मशहूर कव्वाल सुल्तान साबरी ने झाड़ी शाह बाबा के उर्स में कव्वाली का प्रोग्राम किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सुल्तान साबरी की कव्वाली ने लोगों को झाड़ी शाह बाबा की दरगाह पर एकत्रित किया और उनकी भक्ति और श्रद्धा को दर्शाया। सुल्तान साबरी की कव्वाली ने झाड़ी शाह बाबा के उर्स को और भी यादगार बना दिया। इस कार्यक्रम में मेला अध्यक्ष शाहनवाज आलम, सज्जाद नशीन हारून इदरीसी आदि लोग मौजूद रहे।

नगर में 5 से चलेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान, दी चेतावनी

संडीला, हरदोई, अमृत विचार। नगर पालिका परिषद संडीला द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। अधिशासी अधिकारी अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि 5 नवम्बर से नगर के मुख्य मार्ग बस स्टैंड से लेकर इमलिया बाग चौराहे तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। कहा कि नगर के अनेक स्थानों पर सड़कों पर अतिक्रमण से राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है। अभियान के तहत बस स्टैंड चौराहे पर स्थित सार्वजनिक शौचालय के आगे का अतिक्रमण हटाने के साथ रास्ते को भी दुरुस्त किया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अस्थायी हो या स्थायी, किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिशासी अधिकारी ने दुकानदारों और नागरिकों से अपील की है कि वह स्वेच्छा से अपने-अपने अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा नगर पालिका द्वारा हटाए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों पर चार्ज लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और यातायात के लिए सुगम बनाना है।

राजनीतिक दलों के साथ एसडीएम ने की बैठक

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। 155 विधान सभा में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2025 अभियान के तहत निर्वाचक रजिस्ट्री करण अधिकारी एसडीएम अंकित तिवारी की अध्यक्षता में बुधवार की शाम को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रदेश में शुरू होने जा रही एसआईआर प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। एसडीएम ने सभी राजनैतिक दलों से एस आईआर प्रक्रिया में सहयोग देने की अपील की है।

सीता की खोज व लंका दहन का किया मंचन

संवाददाता, मल्लावां, हरदोई

अमृत विचार। कस्बे के भगवन्तनगर में चल रहे 140वें वर्ष के श्री रामलीला महोत्सव में आठवें दिन की लीला का समाजसेवी विशाल जायसवाल और प्रधान प्रतिनिधि अभिनव त्रिपाठी, वीरेश्वर मिश्रा ने संयुक्त रूप से भगवान राम लक्ष्मण और हनुमान जी की आरती उतारकर शुभारम्भ किया।

बुधवार को रामलीला कार्यक्रम में प्रभु श्री राम अपनी पत्नी सीता को खोजते फिर रहे हैं। वन में सीता की खोज करते हुए मार्ग में घायल जटायु से भेंट होती है। जटायु ने सीताहरण का पूरी जानकारी दी और श्री राम की गोद में प्राण त्याग दिया। रामजी का हनुमान और सुग्रीव से मिलन हुआ। हनुमान जी ने लंका जाकर वहां सीता माता की खोज की। रावण की अशोक वाटिका को तहस नहस कर दिया। रावण के छोटे बेटे को मार दिया और सोने की लंका में आग लगा दी। वहां से लौटकर हनुमान जी ने श्रीराम को सीता जी के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर समिति के विशेष सहयोगी अभय शंकर शुक्ला, महामंत्री भास्कर मिश्र, मंत्री रामपाल दिवाकर, अनुज कुमार, अभिषेक दीक्षित, ऋषभ गुप्ता, मधुरेश तिवारी, सुभाष चन्द्र, उदय नारायण सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

रामलीला में श्री राम व लक्ष्मण को माला पहनाते श्रद्धालु।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार 3 घायल

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली के एगवां मोड़ पर तेज रफ्तार मिट्टी लदे डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार दो महिलाओं सहित तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल शाहजहांपुर रेफर किया गया। ऐगवा निवासी तसव्वर खान, उनकी पत्नी दिलवरी और आफरीन पत्नी आदिल बाइक से गुरुवार को शाहाबाद आ रहे थे। एगवां मोड़ पर तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे तीनों घायल हो गए।

नौ फिट नीचे गिरी कंबाइन मशीन

सांडी, हरदोई, अमृत विचार। स्थानीय ब्लॉक केखाई गांव से होकर गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण चल रहा है, जिसके ऊपर से जा रही एक कंबाइन मशीन अनियंत्रित होकर नौ फीट नीचे गिरी है। ड्राइवर ने किसी तरह कूद कर जान बचा ली। लोगों की मदद से कंबाइन मशीन को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। भटौली अंटवा गांव के पास निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर कंबाइन मशीन जा रही थी, तभी अनियंत्रित होकर गंगा एक्सप्रेस पर पलट कर नौ फीट नीचे गिर गई है।

राजकीय मेला बेरियाघाट की देखी व्यवस्था

मल्लावां, हरदोई, अमृत विचार। कार्तिक पूर्णिमा पर बेरियाघाट पर लगने वाले मेले की व्यवस्थाओं को लेकर बारिश में छाता लेकर डीएम अनुनय झा और एसपी अशोक मीणा ने निरिक्षण कर व्यवस्था को देखा और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बेरियाघाट पर लगने वाले राजकीय मेले को प्रशासन की तरफ से सड़क, प्रकाश, चिकित्सा, पेयजल, सुरक्षा, शौचालय, साफ सफाई जैसे अहम बिंदुओं को लेकर पहले से जुटा हुआ है। एक नवंबर से श्रद्धालू पांच दिवसीय स्नान को लेकर लोग जुटने लगेंगे, जो वहां रुक कर स्नान ध्यान और पूजन अर्चन करेंगे और 5 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा पर लाखों लोग श्रद्धा की डुबकी लगाएंगे। गुरुवार को बारिश के बीच डीएम अनुनय झा और एसपी अशोक मीणा ने बिरियाघाट की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। डीएम ने घाट पर लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान ध्यान और पूजन अर्चन की व्यवस्था देखी। उसके बाद उन्होंने सड़क, पार्किंग, यातायात व्यवस्था को लेकर भी दिशा निर्देश दिए। एसपी अशोक मीणा ने सुरक्षा को लेकर निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम एन राम, सीओ रवि प्रकाश सिंह, तहसीलदार यशवंत सिंह, थानाध्यक्ष शिवांकान्त पाण्डेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बेरियाघाट का जायजा लेते डीएम-एसपी। ● अमृत विचार

ट्रेन में चोरी की घटना का 24 घंटे में खुलासा

एक आरोपी गिरफ्तार, कीमती सामान बरामद

हरदोई, अमृत विचार। लखनऊ मंडल में रेलवे सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए पुलिस अधीक्षक रेलवे लखनऊ रोहित मिश्रा के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस उपाधीक्षक रेलवे हृषिकेश यादव के पर्यवेक्षण और थाना जीआरपी हरदोई के थानाध्यक्ष पंकज भास्कर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुरुवार को एक युवक को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान मनोज गुप्ता (19) निवासी सैय्यापुरवा, थाना कोतवाली देहात, जिला हरदोई के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक बैग बरामद किया है, जिसमें चोरी हुआ एप्पल कंपनी का मैकबुक एयर लैपटॉप, चार्जर, एमआई का पावर बैंक, वायरलेस माउस, नेवी ब्लू जैकेट और एक पर्स मिला। पर्स में ड्राइविंग लाइसेंस, मेट्रो कार्ड और पीएनबी डेबिट कार्ड भी मौजूद थे। बरामद किए गए सामान की कुल कीमत लगभग एक लाख रुपये आंकी गई है। यह सामान वादी प्रदुमन पुत्र जितेंद्र सिंह निवासी जलालपुर ढिडार, थाना मुरादनगर, जिला गाजियाबाद का था, जिनका बैग बुधवार को काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15127) में यात्रा के दौरान हरदोई स्टेशन पर चोरी हो गया था। मामले में जीआरपी हरदोई ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

जागरूकता

जिले के शैक्षिक संस्थानों व कॉलेजों में पुलिस ने चलाया अभियान, युवाओं को किया जागरूक

छात्र-छात्राओं को नए कानूनों के बारे दी गई जानकारी

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। नए कानूनों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। संडीला नगर के आईआर इंटर कॉलेज एवं राम भरोसे इंटर कॉलेज में छात्र-छात्राओं को हाल ही में देश में लागू किए गए नए आपराधिक कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। प्रभारी निरीक्षक विद्यासागर पाल ने विद्यार्थियों को भारतीय न्याय प्रणाली में किए गए बदलावों से अवगत कराया।

हरियावां क्षेत्र के मां भगवती इंटर कॉलेज पुरैला में क्षेत्राधिकारी हरियावा अजीत सिंह चौहान एवं थानाध्यक्ष हरियावा बीर बहादुर सिंह ने छात्र-छात्राओं को जीरो एफआईआर, समय पर न्याय, महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े नए प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अपराध प्रौद्योगिकी, फॉरेंसिक साइंस के उपयोग और साइबर अपराध से बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर महिला उपनिरीक्षक शालिनी शुक्ला, अभिन्न चौधरी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। हरपालपुर संवाददाता के अनुसार अरवल थाना प्रभारी अमित सिंह ने गम्भीरी बालिका इंटर कालेज व चंदऊ में नए कानूनों के बारे में लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी अमित सिंह ने छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। इस मौके पर उपनिरीक्षक शिवकुमार सिंह, हेड कांस्टेबल वीरन, कांस्टेबल सौरभ सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। भरखनी संवाददाता के अनुसार बृजराज सिंह इंटर कालेज अनंगपुर और कृषक समाज जनता विद्यालय कमालपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पचदेवरा थानाध्यक्ष शिव नारायन सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नए अपराध कानूनों में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं जिनसे न्याय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तीव्र और प्रभावी होगी।

कॉलेज में छात्र-छात्राओं को नए कानूनों की जानकारी देती पुलिस। ● अमृत विचार

मोतियाबिंद शिविर में 125 रोगियों का हुआ पंजीकरण

संवाददाता, हरपालपुर, हरदोई

अमृत विचार। देश के प्रथम गृह मंत्री भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर में 127 मरीजों ने अपना पंजीकरण कराया।

शिविर का शुभारंभ के अवसर पर संयोजक विधायक प्रतिनिधि डॉ. रजनीश त्रिपाठी ने बताया कि विधायक सवायजपुर श्री माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू जी के निर्देश पर क्षेत्र को मोतियाबिंद मुक्त बनाने और ग्रामीणों क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए यह शिविर आयोजित किए जा रहे है। एक मैरिज लॉन में शंकरा आई हॉस्पिटल कानपुर के सहयोग से आयोजित निःशुल्क वृहद मोतियाबिंद शिविर में 53 रोगियों को चयनित कर ऑपरेशन के लिए कानपुर ले जाया गया है। शिविर में कमलेश पाल मंडल अध्यक्ष हरपालपुर, राकेश मिश्र पूर्व मंडल अध्यक्ष, डॉ. राहुल तिवारी, अभिराम सिंह, मनोज अग्निहोत्री, केके. त्रिवेदी जिला समरसता प्रमुख, डॉ. राहुल वर्मा प्रखंड अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद, शैलेन्द्र यादव, राहुल त्रिपाठी, विनय शुक्ला प्रखंड संयोजक बजरंग दल, दीपक तिवारी, गौरव द्विवेदी, अमित तिवारी आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया।

सांप के डसने से युवक की मौत

हरदोई, अमृत विचार। तालाब से मछली पकड़ कर लौट रहे युवक को रास्ते में सांप ने डस लिया। परिजन उसे अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, उसी बीच उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेते हुए मामले की छानबीन शुरु कर दी है। हरियावां थाने के कोडरा निवासी 28 वर्षीय विनय पुत्र विजेंद्र खेती-बाड़ी करता था। वह बुधवार को गांव के बाहर तालाब से मछली पकड़ने गया था। देर शाम लौटते समय सांप ने उसे काट लिया। घर वाले उसे इलाज के लिए ले जाने का बंदोबस्त करने लगे, लेकिन उसी बीच विनय की घर में ही मौत हो गई। विनय के छोटे भाई संजय के बेटे का अन्नप्राशन था, पत्नी शीतल और परिवार वाले उसी में शामिल गए हुए थे, विनय अपने पिता विजेंद्र के साथ घर में रुका था।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मारपीट के दोषी पिता व दो बेटों को मिली सजा

उन्नाव, अमृत विचार। अचलगंज पुलिस ने 17 जुलाई-2003 को थानाक्षेत्र के टिकौली गांव निवासी पुत्तन व उसके बेटे सुशील व संतोष पर मारपीट व गालीगलौज करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। आईओ मनोज पंत ने 29 नवंबर-2003 को आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य एकत्र कर कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने शासकीय अधिवक्ता पल्लवी भारती की दलील व साक्ष्य के आधार पर पिता व पुत्रों को दोषी ठहराते हुए उन्हें 7-7 दिन की सजा सुनाई। साथ ही सभी पर 1000-1000 का जुर्माना भी लगाया।

न्यायालय के आदेश के बाद मुक्त कराया कब्जा

उन्नाव। निष्पक्ष न्याय व्यवस्था व अधिवक्ता की सूझबूझ से काफी पुराना किराएदारी का विवाद गुरुवार को सुलझ गया। न्यायालय के आदेश पर मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने दुकान को कब्जामुक्त कराकर चाबी सौंप दी। बता दें कि शहर के हाकिम टोला स्थित एक दुकान पर बीते कई वर्षों से किराएदारों ने कब्जा कर रखा था। लंबे समय से मामला सिविज जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में लंबित था। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने अधिवक्ता मो. फैज खान व सुरेंद्र मिश्रा की दलील व साक्ष्य के आधार पर दुकान मालिक ऊषा गुप्ता के पक्ष में फैसला सुनाया। इसके बाद न्यायालय के अमीन राकेश शुक्ला व पुलिस मौके पर पहुंची और दुकान को कब्जा मुक्त कराकर चाबी दुकान मालिक को सौंप दी।

दरभंगा हमसफर 45 मिनट तक रुकी रही

शुक्लागंज। बुधवार रात सहजनी रेलवे क्रॉसिंग के आगे डाउन लाइन पर लखनऊ की ओर जा रही एक मालगाड़ी की चपेट में एक गोवंश आ गया। टक्कर लगने से वह अप लाइन ट्रैक पर जा गिरा और घायल होकर वहीं पड़ा रहा। इस दौरान उन्नाव से कानपुर की ओर जा रही दरभंगा हमसफर स्पेशल ट्रेन के लोको पायलट ने ट्रैक पर गोवंश को देखकर ट्रेन रोक दी। रात करीब सवा दो बजे ट्रेन चालक ने लगातार हॉर्न बजाया, लेकिन गोवंश नहीं हटा। गेटमैन की मदद से गोवंश को ट्रैक से हटाया गया, जिसके बाद लगभग तीन बजे ट्रेन को रवाना किया जा सका। इस घटना के चलते ट्रेन करीब 45 मिनट तक रुकी रही।

कार की टक्कर से महिला की मौत

उन्नाव। सड़क पार करते समय महिला को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। बारासगवर थानाक्षेत्र के नरधुवा गांव निवासी सरोजनी (50) पत्नी अवधेश इस समय सदर कोतवाली क्षेत्र के गदन खेड़ा में मकान बनवाकर रहती थी। गुरुवार को वह बाजार जाने के लिए घर से निकली थी। इसके लिए वह ई-रिक्शा में बैठने के लिए उन्नाव -लालगंज हाईवे पार कर रही थी। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। जिला अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

किशोर का शव घर पहुंचते ही मचा कोहराम

उन्नाव। आसीवन थानांतर्गत सरम्बा गांव में बुधवार देररात टेबुलफैन लगाते समय उसमें दौड़े करंट की चपेट में आकर 13 वर्षीय किशोर की मौत हुई थी। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। बता दें कि सरम्बा गांव निवासी सूर्यांश (13) पुत्र स्व. मनोहर गांव के सरकारी विद्यालय में कक्षा 8 का छात्र था। बुधवार रात घर में वह टेबुलफैन का तार लगा रहा था। तभी तार कटा होने से पंखे में करंट दौड़ गया।

बाग में पड़ा मिला लापता वृद्ध का शव

उन्नाव। अचलगंज थानाक्षेत्र में चार दिन से लापता वृद्ध का शव बाग में पड़ा देख चरवाहों में सनसनी फैल गई। पुलिस की जांच में शव के पास कीटनाशक की खाली शीशी व पानी की बोतल मिली है। इससे उसके आत्महत्या करने का अंदेशा जताया गया है। अचलगंज थानाक्षेत्र के भैंसई गांव निवासी रामआसरे उर्फ पुतई (66) पुत्र चंद्रिका खेती करता था। बीती 27 अक्टूबर को वह घर से निकला लेकिन वापस नहीं लौटा।

आशाओं ने सौंपा ज्ञापन

नवाबगंज। विकासखंड में कार्यरत स्वास्थ्य विभाग की आशा बहुओं ने गुरुवार को सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार को आशा बहू कल्याण समिति की नवाबगंज इकाई अध्यक्ष उमादेवी व उपाध्यक्ष कमलेश कुमारी के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने अधीक्षक से उनके सभी लंबित भुगतान निर्गत किए जाने की मांग की। बकाया भुगतान न होने पर उन्होंने 1 नवम्बर से कलमबंद हड़ताल पर जाने की घोषणा की।

चोरों ने 4 घरों को बनाया निशाना

अमृत विचार, उन्नाव: अचलगंज थानाक्षेत्र के हड़हा में बुधवार रात चोरों ने जमकर धमाचौकड़ी मचाई। बीती बुधवार रात हड़हा निवासी लीलाधर के मकान में पीछे की दीवार में सेंध काटकर चोर दाखिल हुए। लीलाधर की पत्नी लीलावती ने बताया कि चोर कमरे में रखे बक्से व अलमारी का ताला तोड़कर इसमें रखे जेवर व 15 हजार रुपए उठा ले गए। यहीं से चोर पड़ोसी गणेश के जीने से उतरकर घर पहुंचे और वहां भी बक्से का ताला तोड़कर जेवर व एक लाख रुपये ले गए। गणेश की पत्नी शिव कली ने बताया कि सुबह 5 बजे बेटे मुकेश की आंख खुली तो उसने कमरे का दरवाजा खुला देख परिजनों को जगाया।

कृत्रिम बारिश एसओएस उपाय, मानव व पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

साक्षात्कार

- **आईआईटी कानपुर निदेशक मनिंद्र अग्रवाल ने कहा- बारिश कराने के लिए रसायनों की बहुत कम मात्रा का होता है उपयोग**

आईआईटी-कानपुर के निदेशक मनिंद्र अग्रवाल ने कहा है कि कृत्रिम बारिश (क्लाउड सीडिंग) अत्यधिक प्रदूषण से निपटने के लिए एक संकटकालीन (एसओएस) उपाय है और यह तकनीक मनुष्यों या पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं है, क्योंकि इसमें बारिश कराने के लिए रसायनों की बहुत कम मात्रा का उपयोग होता है।

अग्रवाल की टीम ने हाल ही में दिल्ली में कृत्रिम बारिश परीक्षणों का नेतृत्व किया था। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के निदेशक ने एक साक्षात्कार में कहा कि हालांकि दोनों प्रयासों से कृत्रिम वर्षा नहीं हुई, लेकिन इससे भविष्य के कार्यों के लिए मूल्यवान डेटा और वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। उन्होंने कहा, इससे हमें कृत्रिम बारिश के लिए इस्तेमाल की गई सामग्री की मात्रा, बादलों की नमी और उनके जमीनी स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव के बीच के संबंध को समझने में मदद मिलती है। इससे हमें भविष्य के कार्यों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। अग्रवाल ने बताया कि बादलों में नमी की मात्रा कम होने के कारण यह कवायद रोक दी गई।

उन्होंने कहा, हमें बादलों में कम से कम 30 से 50 प्रतिशत नमी की आवश्यकता है। चूंकि यह उपलब्ध नहीं थी, इसलिए हमने स्थिति में सुधार होने तक प्रतीक्षा करने का निर्णय लिया। अग्रवाल ने कहा कि अनुकूल मौसम होने पर परीक्षण पुनः शुरू किए जाएंगे। पर्यावरण या स्वास्थ्य संबंधी खतरों के बारे में आशंकाओं को दूर करते हुए अग्रवाल ने कहा कि बादलों में छिड़के जाने वाले मिश्रण में मुख्य रूप से साधारण नमक और थोड़ी मात्रा में सिल्वर आयोडाइड होता है। हम 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक किलोग्राम से भी कम सिल्वर आयोडाइड का उपयोग करते हैं - प्रति वर्ग किमी 10 ग्राम से भी कम। यह इतना कम है कि इसका मनुष्यों, पशुओं या वनस्पतियों पर कोई हानिकारक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अग्रवाल ने स्वीकार किया कि कृत्रिम बारिश वायु प्रदूषण का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। यह एक एसओएस उपाय है, जिसका उपयोग केवल तभी किया जा सकता है जब प्रदूषण का स्तर बहुत अधिक हो और उपयुक्त बादल उपलब्ध हों। वास्तविक समाधान उत्सर्जन को कम करने और स्रोत पर प्रदूषण को नियंत्रित करने में निहित है। पर्यावरणविदों ने मिट्टी और पानी में सिल्वर आयोडाइड के संचयन की संभावना के बारे में चिंता व्यक्त की है जो फसलों, जलीय जीवन और पेयजल की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है।

2017-18 में कानपुर में किए थे सफल परीक्षण

अग्रवाल ने कहा कि प्रयुक्त सांद्रता नगण्य है और इससे पारिस्थितिकीय जोखिम उत्पन्न नहीं होता। उन्होंने कहा कि संस्थान ने इससे पहले 2017-18 में कानपुर में सफल परीक्षण किए थे, लेकिन दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में यह इस तरह का पहला प्रयोग है। दिल्ली सरकार ने आईआईटी कानपुर के सहयोग से मंगलवार को बुराड़ी, उत्तरी करोल बाग और मयूर विहार में कृत्रिम बारिश के दो परीक्षण किए लेकिन बारिश नहीं हुई।

मदरसों को शैक्षणिक मानकों से खिलवाड़ करने का लाइसेंस नहीं

मदरसे में नीति विरुद्ध हुई नियुक्तियों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए हाईकोर्ट ने की टिप्पणी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गोरखपुर स्थित मदरसे में नीति विरुद्ध हुई नियुक्तियों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए स्पष्ट किया कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित और संचालित करने का अधिकार अवश्य है, लेकिन यह अधिकार शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करने और शिक्षा के मानकों को बनाए रखने के लिए बनाए गए सरकारी नियमों से मुक्त होने का लाइसेंस नहीं है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने गोरखपुर स्थित मदरसा अरबिया शम्शुल उलूम, सिकरीगंज एहता नवाब प्रबंध समिति की याचिका को स्वीकार करते हुए की।

साथ ही प्रबंधक द्वारा सहायक अध्यापक के पांच और लिपिक के एक पद पर नियुक्ति हेतु जारी विज्ञापन को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जब सरकार ने शिक्षकों की योग्यता तय करने के लिए नई नीति और शासनादेश जारी किए थे, तब उनके लागू होने से पहले नियुक्तियों का विज्ञापन प्रकाशित करना कानून की दृष्टि में अनुचित और असंवैधानिक है। दरअसल मदरसे की प्रबंध समिति के चुनाव को लेकर पहले से विवाद था। कोर्ट को बताया गया कि अभ्यावेदन के बावजूद चयन प्रक्रिया रोकी नहीं गई और शासनादेश का पालन करने के बजाय पुरानी प्रक्रिया के अनुसार विज्ञापन पर कार्यवाही जारी रखी गई। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि कोई भी व्यक्ति, जिसकी नियुक्ति उपरोक्त विज्ञापन के अनुसार की गई है, वह ऐसी अवैध नियुक्ति पर किसी विधिक अधिकार का दावा नहीं कर सकता। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि अनुच्छेद 30(1) के तहत प्रदत्त अधिकार "तर्कसंगतता और सरकारी नीति के अधीन" हैं। इस आधार पर कोर्ट ने निष्कर्ष निकला कि विवादित विज्ञापन के आधार पर की गई सभी नियुक्तियां "स्वयं में अवैध" मानी जाएंगी और ऐसे नियुक्त व्यक्तियों को कोई सुनवाई या आपत्ति का अधिकार नहीं होगा।

खरीदी संपत्ति की देनदारियों की जांच क्रेता का दायित्व

- **विधि संवाददाता, प्रयागराज:** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नीलाम संपत्ति की देनदारियों से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि किसी भी ई-नीलामी में भाग लेने वाले क्रेता का यह विधिक दायित्व है कि वह संपत्ति से जुड़ी सभी देनदारियों और बकाया राशि की पूरी जांच करे। यदि नीलामी "जैसी है जहां है, जैसी है जो है" और "जो कुछ भी है" की शर्तों पर आयोजित की गई हो, तो खरीदार बाद में किसी भी अप्रकट बकाया के लिए बैंक या प्राधिकरण को दोष नहीं दे सकता है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने मुकेश सिंह की याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। दरअसल याची ने सरफेसाई अधिनियम के तहत संपत्ति की ई-नीलामी में भाग लेकर एक फ्लैट खरीदा था। बाद में उसे जलापूर्ति बाधित होने और सोसायटी बकाया राशि की देनदारी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा। उसने तर्क दिया कि बैंक और पूर्व मालिक ने इन तथ्यों का खुलासा नहीं किया, इसलिए बैंक को भुगतान के लिए उत्तरदायी ठहराया जाए। अंत में कोर्ट ने निष्कर्ष दिया कि नीलामी क्रेता को संपत्ति की सभी शर्तों को भलीभांति समझकर सावधानीपूर्वक खरीद करनी चाहिए, क्योंकि "जहां है जैसी है" की शर्त पर की गई खरीद में बाद की समस्याओं के लिए बैंक नहीं, बल्कि क्रेता स्वयं जिम्मेदार होगा।

अवैध कॉलोनी में दूरी नियम लागू नहीं

- विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज की करेला बाग कॉलोनी में शराब की दुकानों को हटाने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज करते हुए कहा कि संबंधित क्षेत्र किसी "विधिवत स्वीकृत आवासीय कॉलोनी" के रूप में अधिसूचित नहीं है, इसलिए दूरी नियम लागू नहीं होते हैं। कोर्ट ने याचियों की तथ्यात्मक ईमानदारी से संतुष्ट होकर यह स्वीकार किया कि उन्हें किसी प्रकार के आर्थिक दंड से दंडित नहीं किया जा सकता है, क्योंकि उन्होंने उचित तथ्यों के आधार पर साफ मंशा के साथ मुकदमा दाखिल किया, इसलिए पूर्व में निर्देशित अर्थदंड के रूप में जमा 50 हजार रुपए की सुरक्षा राशि याचियों को लौटाने का आदेश दिया। उक्त आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने समीर कुमार बनर्जी व 10 अन्य द्वारा दाखिल जनहित याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। याचियों का दावा था कि विदेशी और देशी शराब की दुकानें आवासीय कॉलोनी व प्राचीन शिव मंदिर से 50 से 60 मीटर की दूरी पर स्थित हैं, जिससे उत्तर प्रदेश संख्या एवं आबकारी दुकानों के स्थान नियम, 1968 का उल्लंघन होता है। हालांकि राज्य सरकार ने बताया कि 2008 के संशोधित नियमों के अनुसार नगर निगम क्षेत्रों में यह दूरी सीमा 50 मीटर है और विवादित दुकानें 95 से 125 मीटर दूर हैं। कोर्ट ने कहा कि याचियों द्वारा प्रस्तुत रसीदें और नक्शे इस बात का प्रमाण नहीं हैं कि कॉलोनी का निर्माण विधिवत स्वीकृत भूमि पर हुआ है या उसके नक्शे सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित हैं। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि स्थानीयता में व्यावसायिक प्रतिष्ठान सक्रिय हैं, इसलिए उसे आवासीय कॉलोनी नहीं कहा जा सकता है। शिव मंदिर के संबंध में भी कोर्ट ने कहा कि कोई प्रमाण नहीं है कि वह किसी पंजीकृत सार्वजनिक ट्रस्ट या संस्था द्वारा प्रबंधित है, इसलिए दूरी प्रतिबंध यहां लागू नहीं होगा। कोर्ट ने निष्कर्ष दिया कि याची अपने आरोपों को ठोस साक्ष्य से सिद्ध नहीं कर पाए। अतः हस्तक्षेप का कोई औचित्य नहीं बनता है

समान पृष्ठभूमि होने मात्र से दूसरी प्राथमिकी गैरकानूनी नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा कि यदि समान पृष्ठभूमि में दर्ज प्राथमिकी में नए तथ्यों के आधार पर अलग और स्वतंत्र अपराधों का खुलासा होता है तो दूसरी एफआईआर पर कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के टीटी एंटनी बनाम केरल राज्य मामले में हुए फैसले का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि एक ही घटना या लेनदेन पर दोहरी एफआईआर पर प्रतिबंध लगाया गया है, लेकिन किसी नई घटना, बड़ी साजिश या नए अपराध के खुलासे पर दर्ज दूसरी एफआईआर को प्रतिबंधित नहीं किया गया है।

'समानता के नियम' को व्यावहारिक रूप से लागू किया जाना चाहिए। यदि दूसरी एफआईआर का दायरा और उद्देश्य पहले वाली से अलग है, तो उस पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह और लक्ष्मी कांत शुक्ला की खंडपीठ ने पुलिस स्टेशन लिंक रोड गाजियाबाद में आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले में पारुल बुधराज व तीन अन्य द्वारा दाखिल याचिका को खारिज करते हुए दिया। मामले के अनुसार आरोपियों ने मौजूदा याचिका दाखिल कर 2024 में दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। उन पर जालसाजी, नकली हस्ताक्षरों और फर्जी नोटरी सील वाले दस्तावेजों का उपयोग कर स्वयं को 2019 के क्यूनेट निवेश धोखाधड़ी मामले की जांच से बचाने का आरोप था। याचियों का तर्क था कि 2024 की एफआईआर, 2021 में दर्ज पहले की एफआईआर से संबंधित समान वित्तीय लेनदेन को दर्शाती है। अतः यह टी.टी. एंटनी के निर्णय के तहत दूसरी एफआईआर पर रोक का उल्लंघन है। वहीं शिकायतकर्ता ने तर्क दिया कि नई एफआईआर एक अलग आपराधिक कृत्य "जांच के दौरान जाली दस्तावेजों के निर्माण और उपयोग" पर आधारित है, जो 2021 की प्राथमिकी के बाद हुआ। नोटरी ने भी लिखित रूप से स्वीकार किया कि उसके हस्ताक्षर और सील "जाली और मनगढ़ंत" हैं।रिकॉर्ड का परीक्षण करने के बाद कोर्ट ने पाया कि 2021 की एफआईआर निवेश के माध्यम से धोखाधड़ी से जुड़ी थी, जबकि 2024 की एफआईआर बाद की अवधि में की गई जालसाजी और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल पर आधारित थी। अतः कोर्ट ने निष्कर्ष दिया कि हालांकि दोनों मामलों की पृष्ठभूमि समान वित्तीय लेनदेन से जुड़ी है, लेकिन उनका दायरा, विषयवस्तु और अवधि अलग हैं। बाद वाली एफआईआर में आईपीसी की धाराओं 467, 468 और 471 के तहत आरोप स्वतंत्र और आत्मनिर्भर हैं। अंत में कोर्ट ने दोहराया कि दूसरी एफआईआर पर रोक केवल तब लागू होती है जब दोनों प्राथमिकियां एक ही घटना या लेनदेन से संबंधित हों, साथ ही कोर्ट ने यह भी नोट किया कि 2024 की एफआईआर सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत मजिस्ट्रेट के आदेश से दर्ज की गई थी, अतः इसमें किसी प्रक्रिया संबंधी त्रुटि का प्रश्न नहीं उठता। अंत में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एफआईआर दर्ज करने का उद्देश्य आपराधिक कानून को लागू करना है यदि नए तथ्य किसी अलग संज्ञेय अपराध का खुलासा करते हैं, तो यह नहीं कहा जा सकता कि समान पृष्ठभूमि पर दर्ज दूसरी प्राथमिकी गैर कानूनी है।

भारत विकास परिषद की भारत को जानो प्रतियोगिता संपन्न

अमृत विचार, उन्नाव: भारत विकास परिषद ब्रह्मावर्त प्रान्त शाखा शुक्लागंज के तत्वावधान में भारत को जानो अंतर्विद्यालयीय प्रतियोगिता का आयोजन डीएसएम पब्लिक स्कूल में किया गया। प्रतियोगिता में नगर के एसवीएम गोपीनाथपुरम, एसवीएम गंगानगर, दयानंद सरस्वती विद्या मंदिर, शिवम कान्वेंट, डीएसएम व गोपीनाथ चंद्रावती विद्यालय के छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता जूनियर व सीनियर दो वर्गों में प्रोजेक्टर के माध्यम से डिजिटल रूप में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, महासचिव गिरजेश मिश्रा व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जूनियर वर्ग में शिवम कान्वेंट प्रथम, एसवीएम गंगानगर द्वितीय व डीएसएम तृतीय रहा, जबकि सीनियर वर्ग में एसवीएम गंगानगर प्रथम, गोपीनाथ चंद्रावती विद्यालय ने द्वितीय और दयानंद सरस्वती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पदाधिकारियों ने मेडल व उत्तरीय देकर सम्मानित किया। इस मौके पर अमित पांडे, अनुज तिवारी, अवनीश शुक्ला, सूर्य कुमार बाजपेई, श्रीकांत त्रिवेदी, अंकुर शुक्ला, अंजनीकांत मिश्रा समेत तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

साइबर क्राइम पर जानकारी देते अंबिका स्कूल के बच्चे। अमृत विचार

छात्रों ने दिया संदेश

- **अमृत विचार, उन्नाव:** राजधानी मार्ग स्थित अम्बिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल में गुरुवार को साइबर क्राइम जागरूकता के अवसर पर एक विशेष नाटक प्रस्तुति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और अभिभावकों में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता लाने का प्रभावी माध्यम हैं। प्रधानाचार्या मोनिका तिवारी ने विद्यार्थियों के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम जिम्मेदार डिजिटल नागरिकता की भावना को मजबूत करते हैं।

कल से शुरू होगी धान खरीद, बने 40 क्रय केंद्र

अमृत विचार, उन्नाव: अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में एडीएम न्यायिक अमिताभ यादव की उपस्थिति में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 धान खरीद के संबंध में कार्यशाला आयोजित की गई।

इसमें एडीएम सुशील कुमार गोंड ने कहा कि हर सेंटर में किसानों के बैठने व पानी की व्यवस्था रहे। केंद्रों पर सभी किसानों की धान खरीद हो और समय से भुगतान भी हो। कहा कि हर हाल में जिले के लक्ष्य को पूरा किया जाए। साथ ही हर दिन का टारगेट भी पूरा किया जाए। जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने बताया कि धान खरीद 1 नवंबर से शुरू होगी। किसानों का रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। किसान किसी भी जनसेवा केंद्र में रजिस्ट्रेशन कर सकता है। जिले में कुल 40 क्रय केंद्रों में धान की खरीद होगी। जिसमें विपणन शाखा के कुल 16 केंद्र, पीसीएफ के 22 और भारतीय खाद्य निगम के दो केंद्र बनाए गए हैं। जिले में 35 हजार मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है।

- **धान खरीद के संबंध में कार्यशाला आयोजित की गई**

शातिर चोरों की पुलिस से हुई मुठभेड़

अमृत विचार, उन्नाव: एसपी के निर्देश पर अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चल रहे अभियान में बीती बुधवार देररात बेहटा मुजावर पुलिस व बदमाशो में मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान एक शातिर बदमाश के पैर में गोली लग गई। इसमें वह घायल हो गया। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया। जबकि उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा।

पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बेहटा मुजावर पुलिस, सर्विलांस व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा थानाक्षेत्र के बांगरमऊ-संडीला मार्ग स्थित गोशा नहर पुल के पास संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। तभी बाइक से जा रहे दो युवकों को पुलिस ने रोका तो उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। आत्मरक्षा में पुलिस टीम ने जवाबी कार्यवाही की। इसमें एक बदमाश के बाये पैर में गोली लग गई। जिससे वह घायल होकर गिर गया। जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर बाइक से भागने में सफल रहा। वहीं पुलिस ने घायल बदमाश को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम निसार उर्फ चांद पुत्र रज्जाक निवासी मदोखेपुर थाना कल्याणपुर जिला फतेहपुर बताया है। आरोपी निसार ने थानाक्षेत्र के गांव माखनखेड़ा स्थित प्राइमरी विद्यालय से टैब व कस्बा बेहटा व गोसाकुतुब से दुकानों की शटर तोड़कर नकदी पार करने की बात स्वीकार की है।

सीएचसी में भर्ती मुठभेड़ में घायल निसार। अमृत विचार

मेले में दुकानदारों से वसूली की डीएम से शिकायत

अमृत विचार, उन्नाव: विकासखंड में कार्तिक पूर्णिमा को लगने वाले मेले में दबंग ठेकेदारों द्वारा दुकानदारों से अधिक किराया व पीडब्ल्यूडी की रोड किनारे लगने वाली दुकानों से किराया व मंदिर के पास मांस बिक्री रुकवाने के लिए बनारसी मंदिर के ट्रस्ट प्रबंधक ने डीएम व एसडीएम को शिकायतीपत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। विकासखंड औरास के गोविंदापुर गांव स्थित बनारसी मंदिर ट्रस्ट प्रबंधक विजय गुप्ता ने जिलाधिकारी गौरांग राठी व उपजिलाधिकारी हसनगंज प्रज्ञा पांडेय को शिकायती पत्र देकर बताया कि प्राचीन मेला बनारसी तीर्थ में आस्था वन हिंदू समाज के लाखों लोग बाढ़ गंगा में डुबकी लगाकर मंदिर दर्शन के बाद मेले का आनंद लेते हैं।

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

रद्दी बिक्री हेतु निविदा सूचना

अमृत विचार प्रेस, रूहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज के सामने, नवादा जोगियान चक रोड, बरेली से रद्दी अखबार, मलाड एवं रद्दी कागज (स्वीपिंग) तथा रीलएंड (रीलकोर तथा बचा हुआ कागज) और अन्य स्क्रैप बिक्री हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। टेंडर के साथ अधोलिखित विवरण के अनुसार ऊपर दिये गये स्थान पर भेजें।

निविदा की शर्तें निम्न हैं

1. सभी रद्दी/स्क्रैप के मूल्य पर जीएसटी जो केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा लागू होगा अतिरिक्त देना होगा।
2. निविदा साफ-साफ हस्तलिखित या टाइप किया होना चाहिए।
3. रद्दी/स्क्रैप उठाने से पूर्व भुगतान नगद या ड्रॉफ्ट से करना होगा।
4. किसी भी तरह के विवाद का निपटारा बरेली स्थित न्यायाधिकरण के अंतर्गत होगा।
5. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार कम्पनी का होगा।
6. निविदा को सील बंद लिफाफे में 20.11.2025 तक कार्यालय भेजें।
7. जब टेंडर खुलेगा तब आपको सूचित करने के बाद आपको 50000 रू. जमा करने होंगे। नहीं तो आपका टेंडर निरस्त करने का अधिकार कंपनी का होगा।

स्क्रैप का विवरण निम्न प्रकार है।

1. अखबार रद्दी
2. मलाड
3. स्वीपिंग (रद्दी कागज)
4. डी.एन.पी. (थब्बा)
5. रीलएंड (रील कोर तथा बचा हुआ कागज)
6. स्क्रैप एल्यूमीनियम प्लेट
7. प्लास्टिक बाल्टी 20 किग्रा.
8. खाली कैन 20 लीटर।
9. ड्रम आयरन
10. ड्रम प्लास्टिक
11. सी.टी.पी. गत्ता

लखनऊ और बरेली के लिए सम्पर्क करें:- 9415232799

बेटियां समय से करें शादी, स्तनपान है कैंसर के लिए ढाल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में छात्राओं के साथ मौजूद अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार, डॉ. अमृता पांडेय और शिक्षक-शिक्षिकाएं।

- रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट व अमृत विचार के नारी कैंसर सुरक्षा अभियान के तहत असिस्टेंट प्रो. डॉ अंकिता पांडेय ने बताए कैंसर से बचाव के उपाय

अमृत विचार : महिलाओं में सबसे अधिक होने वाला कैंसर है स्तन का, लेकिन इसे रोका जा सकता है। जागरूकता के अभाव के चलते महिलाएं जब डॉक्टर के पास इलाज के लिए पहुंचती है तब तक समस्या अति गंभीर हो चुकी है। तीसरी से चौथी स्टेज का कैंसर लेकर आई मरीजों के इलाज में काफी जटिलता होती है। वहीं इससे बचाव के कुछ मूल मंत्र है, जिससे महिलाओं का कैंसर से बचाव हो सकता है। ये सुझाव रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अंकिता पांडेय ने दिए।

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट और अमृत विचार के संयुक्त तत्वावधान में ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के तहत तीन दिवसीय नारी कैंसर सुरक्षा अभियान के तीसरे दिन गुरुवार को सेक्रेड हार्ट स्कूल, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय और मैथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज में छात्राओं को स्तन कैंसर के लक्षण, बचाव और इलाज के प्रति जागरूक किया गया। सेक्रेड हार्ट्स स्कूल में डॉ. अंकिता ने बताया कि कैंसर अब लाइलाज नहीं है। समय से और उचित इलाज के जरिये इसे मात दी जा सकती है, लेकिन इससे बचाव जागरूकता से ही संभव है। कैंसर होने के कुछ मुख्य कारकों में 30 साल की उम्र के बाद शादी करना, असंतुलित जीवन शैली, असंतुलित खानपान शामिल हैं, इसलिए एक सही उम्र पर शादी करना बेहद जरूरी है। डॉ. अंकिता ने कहा कि विशेष बात ये है कि आजकल की महिलाएं बच्चे को स्तनपान कराने से कतराती हैं, लेकिन ऐसा करना गलत है। बच्चा अगर 6 माह तक स्तनपान करता है तो मां को स्तन कैंसर होने की संभावना काफी कम हो जाती है। इससे पहले स्कूल की एमडी राधा सिंह, प्रधानाचार्य डॉ. उर्मिला वाजपेई और एक्जक्यूटिव डायरेक्टर निर्भय बेनीवाल ने असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंकिता पांडेय का स्वागत किया। कार्यक्रम में सेक्रेड हार्ट्स स्कूल के एचएस बिष्ट, आमिर अली व आशीष पांधी का विशेष सहयोग रहा।

हाईवे पर पलटी बस 10 श्रद्धालु घायल

अयोध्या, अमृत विचार : कोतवाली अयोध्या अंतर्गत गोरखपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बूथ नंबर चार के पास यादव ढाबा के सामने गुरुवार सुबह पर्यटकों से भरी निजी बस पलट गई। हादसे में 10 श्रद्धालु घायल हो गए। पुलिस के अनुसार राजस्थान के करीब 40 पर्यटकों को लेकर एक निजी बस वृंदावन होकर अयोध्या आ रही थी। भोर में करीब तीन बजे बस कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के बूथ नंबर चार के पास स्थित यादव ढाबा के पास सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। दुर्घटना के बाद पर्यटकों में चीख पुकार मच गई। वहां तैनात पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची व पर्यटकों को बाहर निकाला। इनमें 10 घायल हुए।

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई टली

सुलतानपुर, अमृत विचार : अमेठी जिले के गौरीगंज कस्बे में 11 साल पूर्व रोड जाम, उपद्रव और आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मुकदमे की सुनवाई एक बार फिर टल गई। अब यह मामला 29 नवंबर को सुना जाएगा। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान 20 अप्रैल 2014 को अमेठी के अपर मुख्य अधिकारी जग प्रसाद मौर्य की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ था। विवेचना के बाद पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, कुमार विश्वास, हरिकृष्ण, बब्लू तिवारी और अजय सिंह समेत कई अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। इसके अलावा, मुसाफिरखाना क्षेत्र के औरंगाबाद में कांग्रेस के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के आरोप में दूसरा मुकदमा भी दर्ज किया गया था। दोनों ही मामलों में केजरीवाल और कुमार विश्वास के खिलाफ सुनवाई पर फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा रखी है।

GOVT OF INDIA
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
SASHASTRA SEEMA BAL
OFFICE OF THE COMMANDANT
50TH BN SSB UTRAULA AT BALRAMPUR (UP)

No.V/QM/50THBN/SSB/PUB-AUCTION/2005-26/U/11531 Dated: 26.10.2025

AUCTION NOTICE

PUBLIC AUCTION OF UNSV CONDEMNED GOVT. STORES LIKE BATTERY, MEDICAL EQUIPMENTS, MT ITEMS, WT EQUIPMENTS, CTS ITEMS, MISC STORES (MAY/MAY NOT INCLUDE ALL) ITEMS OF 50 BN SSB, BALRAMPUR WILL BE HELD ON **04/11/2025 AT 1100 HRS** AT 50 BN, SSB, BALRAMPUR (UP), INTERESTED PARTIES/BIDDER MAY PARTICIPATE IN THE AUCTION FOR BIDDING. THE ARTICLES WILL BE SOLD TO THE HIGHEST BIDDER AND WILL BE HANDED OVER ON RECEIPT OF AMOUNT IN CASH OR DD IN FAVOUR OF THE COMMANDANT 50 BN, SSB, BALRAMPUR (UP). AUCTION NOTICE AVAILABLE ON www.ssb.nic.in.

Sd/-
COMMANDANT
50th BN, SSB, BALRAMPUR (UP)

बारिश ने ली परीक्षा, राम नाम के सहारे 25 लाख परिक्रमार्थी पास

विपरीत मौसम के बीच जय श्रीराम का जयकारा लगाते हुए पूरी की परिक्रमा

अयोध्या कार्यालय

चौदह कोसी परिक्रमा करते श्रद्धालु। अमृत विचार

अमृत विचार : अयोध्या में गुरुवार को भारी बारिश के बीच श्रद्धालुओं ने राम का नाम लेते हुए 14 कोसी परिक्रमा को पूरा किया। भक्तों का यही कहना था कि प्रभु राम परीक्षा ले रहे हैं। इसमें सभी करीब 25 लाख भक्त शत प्रतिशत पास हो गए। हालांकि कहीं-कहीं उन्हें भारी परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। कीचड़ के कारण फिसलन बढ़ गई थी। बारिश से बचने के लिए श्रद्धालुओं ने बड़ी पन्नियों से खुद को ढककर परिक्रमा को पूरा किया। परिक्रमा के दौरान मार्गों पर बड़ी संख्या में पुरुष व महिला पुलिस कर्मियों के साथ सादी वर्दी में भी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी। इसके साथ ही ड्रोन से पूरे मेले की निगरानी होती रही। भीड़ भाड़ वाले स्थान पर एटीएस की भी नजर रही। प्रशासनिक अधिकारी मार्गों पर दिन भर भ्रमण करते दिखे।

अयोध्या में परिक्रमा शुरू करने का मुहूर्त गुरुवार भोर में चार बजकर 51 मिनट पर था, लेकिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बुधवार को ही परिक्रमा शुरू कर दी। रात भर चौदह कोसी मार्ग पर मेले जैसा माहौल रहा। वहीं ब्रह्म मुहूर्त में परंपरागत तरीके से साधु-संतों ने सरयू स्नान कर परिक्रमा का शुभारंभ किया। 42 किलोमीटर की परिधि में जुड़वा शहर मानव श्रृंखला से घिरा रहा। धार्मिक मान्यता है कि 14 कोसी परिक्रमा को पूरा करने पर सात जन्मों का पुण्य प्राप्त होता है।अत्यंत प्राचीन और ऐतिहासिक परिक्रमा का आयोजन आज भी अपनी परंपरा के मुताबिक होता है। श्रद्धालुओं की सुविधाओं को देखते हुए परिक्रमा पथ पर बालू बिछाया गया था, ताकि नंगे पांव चलने वालों को परेशानी का सामना न करना पड़े। जगह-जगह पर खोया-पाया कैम्प लगाए गए। परिक्रमा पूरी होने के साथ आस्था का समुद्र सरयू तट से प्रमुख मठ-मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए उमड़ने लगा। प्रसिद्ध नागेश्वरनाथ, हनुमानगढ़ी, कनक भवन के साथ राम मंदिर में दर्शन पूजन का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। मंडलायुक्त राजेश कुमार, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर मार्गों पर भ्रमण करते दिखे।

मंडल से ही नहीं बल्कि दूर-दूर से पहुंचे थे श्रद्धालु

14 कोसी परिक्रमा करने के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया। अयोध्या मंडल से ही नहीं बल्कि अन्य जिलों से भी श्रद्धालु अयोध्या में परिक्रमा करने पहुंचे थे। सीतापुर से आई लक्ष्मी ने बताया कि वह हर साल परिक्रमा के लिए आती हैं। अब तो रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, आलमबाग लखनऊ–226005 द्वारा इच्छुक फर्मो से निम्नलिखित मद के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	51255623	Sine wave Inverter 10 KVA 110 V DC/230V AC Single Phase 50 Hz, confirming to ICF specification No. ICF/ELEC/909, Rev-A	73 Nos	18.11.2025

निविदा शर्तें 1. विस्तृत जानकारी **IREPS** वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है।

2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

टेंडर नोटिस सं. **51255623** दिनांक : **30.10.2025** 3374/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप–मुख्य अभियन्ता/नि.–चतुर्थ/लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा पर मोहर बन्द निविदा दो–पैकेट में आमंत्रित की जाती हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल पर, उप मुख्य अभियंता निर्माण, चतुर्थ, के अधीन प्रस्तावित दिलकुशा–मल्हौर (8.20 कि. मी.) तीसरी लाइन के निर्माण के अन्तर्गत दिलकुशा और मल्हौर खंड के बीच सिंगल बीजी रेलवे लाइन के लिए प्रमुख पुल संख्या 466,468 और 469 (लखनऊ में गोमती नदी के पार) स्वीकृत जीएडी पीएससी स्लैब और ओपन वेब स्टील गर्डर के साथ सबस्ट्रक्चर, सुपर स्ट्रक्चर के अनुसार निर्माण कार्य सहित अन्य संबद्ध सहायक कार्य।
2	निविदा फार्म मूल्य	सून्य
3	कार्य पूरा करने की अवधि	20 (बीस माह)
4	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 7486.76 लाख
5	धरोहर राशि	रु. 38,93,400.00
6	ई–निविदा जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख	**क.** निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 01.12.2025 समय 11.30 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** **ख.** निविदा जमा करने की प्रारम्भ तिथि 17.11.2025. विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र शर्तों के साथ तिथि 05.11.2025 से आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखी व अपलोड की जा सकती है **ग.** निविदा दिनाँक 01.12.2025 को समय 11.30 बजे खोली जाएगी। **घ. बोली पूर्व मुलाक़ात/सम्मेलन, दिनाक:** 12.11.2025 समय 11:30 बजे **स्थानः** कार्यालय उप मुख्य अभियंता निर्माण, चतुर्थ, उत्तर रेलवे, लखनऊ, नियर सेवाग्राम रेलवे कॉलोनी, उत्तर रेलवे, चारबाग, लखनऊ– 226004 कृपया प्रश्न (Queries) ई–मेल dycec4lkonr@gmail.com पर दिनाक 08.11.2025 तक भेजे।

संख्या 81-टेण्डर/उप-मुख्य अभियन्ता/नि.-चतुर्थ/लखनऊ, दिनाँक 29.10.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3367/25

लखनऊ नगर निगम

टी.एन.मार्ग, लालबाग, लखनऊ. ई-टेण्डर पोर्टल : https://etender.up.nic.in

ई-निविदा सू0सं0: 193/मु0अ0/2025-26 दिनांक : 29.10.2025

ई–निविदा प्रणाली के अन्तर्गत निविदा सूचना

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा टू-बिड सिस्टम पर दिनांक 18.11.2025 को 01 कार्य हेतु ई-निविदा, ई-निविदा पोर्टल **https://etender.up.nic.in** पर आमंत्रित की जाती हैं, पोर्टल **https://etender.up.nic.in** पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0/इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल **https://induscollect.indusind.com/pay/index.php** पर लॉगिन करके जमा किया जायेगा। ई-निविदा दिनांक 18.11.2025 को अपरान्ह 15.00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी जिन्हे दिनांक 18.11.2025 को 16.00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त विवरण/नियम/शर्तें यथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र पोर्टल **https://etender.up.nic.in** पर उपलब्ध है। **मुख्य अभियन्ता**

कार्यालय जिलाधिकारी, बाराबंकी।

आवेदन पत्र का आमन्त्रण

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण, (यूपीडा) लखनऊ द्वारा जनपद बाराबंकी की तहसील हैदरगढ़ के कुल 06 ग्रामों बम्हरौली, सतरही, पेचरूआ, बहरामपुर, अन्दऊमऊ व घरकुइंया में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के सन्निकट विकसित किये जा रहे औद्योगिक गलियारा के संरेखण से प्रभावित निजी कृषकों की भूमि का क्रय के उपरान्त अवशेष बची भूमि एवं उन पर स्थित परिसम्पत्तियों का अर्जन किया जाना प्रस्तावित है। जिसका विवरण निम्नवत् है :–

कमांक	ग्राम का नाम	तहसील	जनपद	प्रस्तावित भूमि (हे0 में)
1	2	3	4	5
1	बम्हरौली	हैदरगढ़	बाराबंकी	49.3698955
2	सतरही	हैदरगढ़	बाराबंकी	25.8460000
3	पेचरूआ	हैदरगढ़	बाराबंकी	0.4100000
4	बहरामपुर	हैदरगढ़	बाराबंकी	0.2220000
5	अन्दऊमऊ	हैदरगढ़	बाराबंकी	3.6818000
6	घरकुइंया	हैदरगढ़	बाराबंकी	7.2480000
	योग			86.7776955

नोट :–उक्त प्रस्तावित भूमि का क्षेत्रफल घट–बढ़ भी सकता है।

उक्त भूमि के अर्जन से पूर्व सामाजिक समाघात आकलन (Social Impact Assessment) करने हेतु प्रतिष्ठित केन्द्रीय/राज्य सरकार/अर्द्ध सरकारी/अन्य संस्थान/ गैर सरकारी संस्थान/विश्वविद्यालय आदि से उक्त परियोजना हेतु प्रस्तावित भूमि के सम्बन्ध में "भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013" एवं "भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार (उत्तर प्रदेश) नियमावली 2016" के प्राविधानों के अनुसार अध्ययन करने के लिए तकनीकी एवं वित्तीय निविदा आमन्त्रित की जाती है।

1. पात्रता :–
   - अ. सामाजिक समाघात आकलन (Social Impact Assessment) करने हेतु प्रतिष्ठित केन्द्रीय/राज्य सरकार/अर्द्ध सरकारी/अन्य संस्थान/गैर सरकारी संस्थान/विश्वविद्यालयों द्वारा आवेदन किया जा सकता है।
   - ब. इच्छुक गैर सरकारी संस्थान अधिनियम में कम्पनी/सोसायटी के रूप में पंजीकृत हो अथवा कम से कम पिछले पॉच वर्ष पूर्व से किसी अन्य सुसंगत अधिनियम में पंजीकृत हो।
   - स. संस्थान के पास पर्याप्त मानव संसाधन जिसमें योग्य स्तर के प्रबंधन के लिये उपर्युक्त व्यक्ति, जो शीर्ष एवं मध्यम स्तर के प्रबंधन स्तर पर कुशल कार्य कर रहे हो।
   - द. संस्थान के पास पेशेवर प्रबंधन, अर्थशास्त्री, समाज शास्त्री/मनोवैज्ञानिक आदि होने चाहिए, जिसका विवरण आवेदन पत्र के साथ देना अनिवार्य होगा।
   - य. पूर्व मे जिन्होने सामाजिक समाघात अध्ययन किया हो, ऐसे संस्थान को वरीयता दी जायेगी।
2. आवेदन का प्रारूप :–

   संस्थान द्वारा किये गये आवेदन में संस्थान की संरचना का विवरण शामिल होना चाहिए, जो सामाजिक प्रभाव अध्ययन मूल्यांकन करने के लिए जिम्मेदार होगा। आवेदन के साथ सामाजिक प्रभाव अध्ययन या इसी तरह के जुड़े पूर्व में किये गये अध्ययनों का विवरण दिया जाये। जिसमें परियोजना के सम्बन्ध में अध्ययन किये जाने सम्बन्धी समय और स्वरूप का विवरण विस्तार से हो।

आवेदन का प्रारूप

1. संस्थान का नाम :
2. संस्थान का प्रकार : (कम्पनी/समिति/विश्वविद्यालय/अन्य निर्दिष्ट)
3. शासकीय नियन्त्रण की तिथि :
4. संस्थान के पंजीकरण का विवरणः (प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रतिसंलग्न की जाये)
5. कार्मिकों का विवरण
   (1) नियमित कर्मचारीगण
   (2) संविदा के आधार पर कार्यरत कर्मचारी
6. शीर्ष/मध्यम प्रबन्धन के प्रमुख कार्मिकों, कार्यरत विशेषज्ञ और समूह के सदस्यों का विवरण, जिन्हे प्रस्तावित कार्य हेतु लगाया जायेगा :–

नाम	पदनाम	योग्यता	कार्यानुभव

7. विगत पॉच वर्ष में किये गये अध्ययन का विवरण :–

अध्ययन का प्रकार	अध्ययन की अवधि	परियोजना का नाम	परियोजना का प्रकार	क्षेत्र	नाम (जिसके लिये अध्ययन किया गया)

8. सम्पर्क विवरण :–
   दूरभाष नम्बर : मोबाइल नम्बर : ई–मेल का पता :
   दिनांक :

   हस्ताक्षर
   पदनाम सहित

3. पात्रता का चयन :–

   प्राप्त कुल आवेदनों का मूल्यांकन संस्थान द्वारा दिये गये विवरण के आधार पर किया जायेगा। इस कार्य हेतु उपलब्ध स्टाफ, कार्यरत विशेषज्ञों तथा प्रस्तावित कार्य क्षेत्र अथवा अन्य प्रकार की परियोजनाओं हेतु किये गये पूर्व अध्ययन को शामिल किया जायेगा। अतः संस्था द्वारा इसका विवरण अवश्य अंकित किया जाये।
4. संस्थान के चयन को निरस्त किये जाने के लिये किसी भी कारण का बताया जाना अनिवार्य नहीं होगा।
5. इच्छुक संस्थानों के आवेदन पूर्ण विवरण के साथ कार्यालय में अथवा पंजीकृत डाक से दिनांक 04.11.2025 तक निम्न पते पर स्वीकार किये जायेंगे।

   "कार्यालय जिलाधिकारी/विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी, (सं0सं0) बाराबंकी, कक्ष संख्या–60, कलेक्ट्रेट कैम्पस बाराबंकी।"
6. आवेदक द्वारा तकनीकी मूल्यांकन किया जायेगा। वित्तीय मूल्यांकन हेतु सामाजिक समाघात आकलन (Social Impact Assessment) अध्ययन किये जाने के लिये संस्थान द्वारा लिये जाने वाले शुल्क का विवरण (कर सहित) अलग सील बन्द लिफाफे में दिया जाना होगा। इसके अभाव में आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

नोट :–प्रस्तावित भूमि का पूर्ण विवरण यथा खसरा/खतौनी/क्षेत्रफल/प्रभावित व्यक्ति/मानचित्र आदि विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी (सं0सं0) बाराबंकी, कक्ष संख्या–60 कलेक्ट्रेट कैम्पस बाराबंकी के कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में देखा जा सकता है।

UP – 239622 **दिनांक:** 29/10/2025 **(शशांक त्रिपाठी), जिलाधिकारी, बाराबंकी।**

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कार्यालयः जिलाधिकारी, लखनऊ।

पत्र संख्याः–1323/अ0जि0अ0(भू0अ0)/शा0सहा0परि0,कलेक्ट्रेट,लखनऊ दिनांकः–25.10.2025

अधिसूचना

भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 (भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार (उत्तर प्रदेश) नियमावली 2016 नियम 3 (1) के अधीन राज्यपाल सर्वसाधारण की सूचना के लिए अधिसूचित करते है कि नीचे अनुसूची में उल्लिखित भूमि लोक प्रयोजन अर्थात अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ द्वारा संचालित राजाजीपुरम स्थित जलालपुर फाटक के समीप लक्ष्मण बिहार पारा रोड पर किमी0 17.372 पर रेलवे कासिंग सं0–08 स्पेशल/2टी पर रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण के लिए ग्राम पारा, तह0 सदर, जिला लखनऊमें 0.2869हे0 भूमि की स्थाई रूप से आवश्यकता है।

भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के प्रावधान के अन्तर्गत भूमि अर्जन की कार्यवाही से पूर्व चयनित एजेन्सी द्वारा लोक हित में सामाजिक समाघात आंकलन(Social Impact Assessment)व सामाजिक प्रबन्धन योजना तैयार किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नवत् हैः–

1	अपेक्षक निकाय का नाम	अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ।
2	प्रस्तावितभूमि के अर्जन का उद्देश्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ में राजाजीपुरम स्थित जलालपुर फाटक के समीप लक्ष्मण बिहार पारा रोड पर किमी0 17.372 पर रेलवे कासिंग सं0–08 स्पेशल/2टी पर रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण हेतु।
3	संगठनजिसके द्वारा अध्ययन कियाजायेगा।	ATLAS MANAGEMENT CONSULTANCY SERVICES Pvt. Ltd. (एटलस मेनेजमेन्ट कन्सलटेन्सी सर्विसेज प्रा0लि0)
4	संगठन का सम्पर्कविवरण	ATLAS MANAGEMENT CONSULTANCY SERVICES Pvt. Ltd. (एटलस मेनेजमेन्ट कन्सलटेन्सी सर्विसेज प्रा0लि0) 114ए अशोकपुरम विपरीत रोड 4, अशोकनगर, रांची, झारखण्ड, पिन कोड–834002 Mob no 9044488350
5	भूमि का विवरण	

	जिला	तहसील	ग्राम का नाम	गाटा संख्या	अर्जन हेतु प्रस्तावित क्षेत्रफल (हे0) में
1	लखनऊ	सदर	पारा	702सं	0.0103
2				703	0.0250
3				705	0.0133
4				755	0.0239
5				756	0.0231
6				757	0.0114
7				758	0.0057
8				763	0.0116
9				764	0.0094
10				765	0.0094
11				773अ	0.0297
12				775	0.0172
13				779	0.0137
14				781	0.0161
15				784	0.0236
16				786	0.0227
17				805	0.0013
18				1005 (प्लॉट सं0–डी–2, डी–2 व डी–4)	0.0195
				कुल योग	0.2869

1: उक्त योजना प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ से संचालित राजाजीपुरम स्थित जलालपुर फाटक के समीप लक्ष्मण बिहार पारा रोड पर किमी0 17.372 पर रेलवे कासिंग सं0–08 स्पेशल/2टी पर रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण सम्बन्धित है।

2: उक्त योजना हेतु प्रस्तावित भूमि का अर्जन प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ के पक्ष में किया जा रहा है।

3: अधिग्रहण हेतु प्रस्तावित भूमि परियोजना के प्रस्ताव के लिए नितान्त न्यूनतम है तथा अन्य कोई विकल्प उपलब्ध नही है।

4: सामाजिक समाघात का निर्धारण अधिकतम 60 दिनों के अन्दर पूर्ण कराया जाना है।

टिप्पणी :उक्त योजना सम्बन्धी विस्तृत विवरण कलेक्टर (अर्जन प्रयोजनार्थ) लखनऊ अथवा (कार्यालय अपर जिलाधिकारी (भूमि अर्जन), शारदा सहायक परियोजना, जिलाधिकारी कार्यालय, लखनऊ) में सभी कार्य दिवसों में देखा जा सकता है।

(कमलेश कुमार गोयल),
कलेक्टर,
(भूमि अध्याप्ति प्रयोजनार्थ),
लखनऊ।

UP – 239626 **दिनांक:** 29/10/2025

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम KAMARUL NISHA से बदलकर KAMRUL NISHA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-KHALIL AHMED ADD-KANESTA RANGAULI, VISHWANATHGANJ, DIST-PRATAPGARH-230404(U.P.)

सूचना

भूखण्ड संख्या– C–1/199, स्थित–विशेष खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ में है। उपरोक्त भूखण्ड संख्या– C–1/68, के स्थान पर C–1/199 परिवर्तन का मूल पत्र मेरे द्वारा कही खो गया है। जिसका प्रयोग किसी व्यक्ति या अन्य द्वारा प्रयोग अवैध माना जायेगा। **श्रीमती नामिता सिंह**

सूचना

सर्वसाधारण सूचित किया जाता है की मै नूर जहाँ बेगम (NOOR JAHAN BEGUM) ग्राम –पनाह नगर बरई पोस्ट कुंडा प्रतापगढ़ की निवासी हूँ। मेरे पासपोर्ट संख्या M6353181 FILE NO-LK3068424802015 मे मेरा नाम नूर जहाँ बेगम (NOOR JAHAN BEGUM) है जो की अंग्रेजी मे NURJAHAN BEGUM लिखा है जो की गलत है मेरा सही नाम नूर जहाँ बेगम और अंग्रेजी मे NOOR JAHAN BEGUM इस तरह से लिखा व पढ़ा तथा जाना जाए एवं मेरे पासपोर्ट मे सही दर्ज किया जाए मोबाईल नं0–9415091091

सूचना

मेरी पुत्री का नाम जन्मप्रमाण पत्र में त्रुटिवश नितांशी शर्मा (NITANSHI SHARMA) दर्ज हो गया है, जबकि उसका सही नाम त्रिशिका शर्मा (TRISHIKA SHARMA) है। मेरी पुत्री को भविष्य में त्रिशिका शर्मा(TRISHIKA SHARMA) के नाम से ही जाना पहचाना जाए। **–मुकुल शर्मा पुत्र रामानन्द शर्मा निवासी 209, मोहल्ला राजीव गाँधी नगर, शहर व जिला फर्रूखाबाद।**

सूचना

यह कि मेरी 18 साल की पुत्री आफरीन का चाल चलन व रीति रिवाज गलत होने कारण उसे चल अचल संपत्ति से बेदखल करते हुए सभी प्रकार से संबध विच्छेद कर लिए। उसके द्वारा किए गए कार्यो की मेरी व मेरे पुत्रो की कोई जिम्मेदारी नही होगी। वह अपने कार्यो की स्वय जिम्मेदार होगी। **मो. रहीश पुत्र निशार निवासी रूरा थाना ठठिया, जनपद कन्नौज**

सूचना

मैं श्रीमती कमरूल निशा पत्नी फरीद अहमद निवासिनी ग्राम हरीमऊ, थाना व परगना जगदीशपुर, तहसील मुसाफिरखाना, जिला–अमेठी, उ0प्र0, मेरे चार पुत्र क्रमशः फिरोज व आसीन अहमद व तहसीन व फैसल हैं। मेरे मंझिले पुत्र आसीन अहमद व उसकी पत्नी हीना बानों का चाल–चलन ठीक नहीं है वह आये दिन परिवार में कलह व लड़ाई–झगड़ा करते रहते हैं। वह पूरे परिवार को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहते हैं। उनकी अनैतिक आचरण के कारण मैंने उन दोनों से अपना सारा सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है। उक्त द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं उत्तरदायी होंगे, उससे मेरा व मेरे परिवार से कोई लेना–देना नहीं है। इसलिए मैं अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से अपने मंझिले पुत्र आसीन अहमद व उसकी पत्नी हीना बानों को बेदखल कर रही है।

सूचना

मैं **दुर्गाशंकर पाल पुत्र धनीराम पाल नि. राजू नगर मजरे बकुलिहा ब्लाक व थाना खीरों, जिला रायबरेली** का हूं। गुजरात सरकार द्वारा मेरा ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया गया था, जिसमें SHANKAR D DURAGA अंकित है। जिसे DURGA SHANKAR PAL नाम से अंकित करना चाहता हूं। मुझे दोनों ही नामों से जाना और पहचाना जाता है।

सूचना

मेरे पुत्र रिंकू व पुत्रवधू राजकली का चालचलन खराब हो गया है। वह लोग आए दिन झगडा व मारपीट करते है व किसी मामले में झूंठा फंसाने की धमकी देते है। इस कारण से मैंने व मेरी पत्नी ऊषा देवी ने उन दोनों से सम्बंध विच्छेद कर उन्हें अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई उनसे किसी प्रकार का लेनदेन करता है तो वह स्वंय ही इसका जिम्मेदार होगा। **रामौतार पुत्र स्व रामेश्वर दयाल व ऊषा देवी निवासी 69 मडैया ख्याली राम स्टेशन रोड इटावा**

रिश्वत लेने के आरोप में चौकी इंचार्ज निलंबित

गोंडा : भारतीय सेना के जवान से डेढ़ लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप में करनैलगंज के बालपुर चौकी इंचार्ज उत्कर्ष पाण्डेय को एसपी विनीत जायसवाल ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। नकहा बसंत निवासी जवान विनीत पाण्डेय के पिता राजेश पाण्डेय पर बीते 13 जून को गांव के ही चार लोगों ने हमला किया था। मामले की विवेचना बालपुर चौकी प्रभारी उत्कर्ष पाण्डेय कर रहे थे। आरोप है कि उन्होंने गिरफ्तारी का आश्वासन देकर जवान से 1.5 लाख रुपये की रिश्वत ली। शिकायत पर एसपी ने एएसपी पश्चिमी राधेश्याम राय को जांच सौंपी। आरोप सही पाए जाने पर 25 अक्टूबर को चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर कर दिया गया।

अमृत विचार

शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

शहादत कुछ खत्म नहीं करती, वो महज शुरुआत है।
–**इंदिरा गांधी**, पूर्व प्रधानमंत्री

प्रशंसा के निहितार्थ

डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बार-बार की जाने वाली प्रशंसा के निहितार्थ गहरे हैं। यह पहली नजर में दोस्ती और सहयोग का संकेत लगती है, लेकिन इसके भीतर कूटनीतिक स्वार्थ और घरेलू राजनीति के समीकरण हैं। ट्रंप ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संधि-विराम में अपनी भूमिका का दावा किया। भारत–पाक झड़पों में विमानों के गिराए जाने तक के बयान दिए, साथ ही 'मोदी एक महान मित्र हैं', जैसी टिप्पणियां भी बार-बार दोहराईं, परंतु उसी सांस में वे भारत पर दबाव भी डालते हैं। पाकिस्तान की नीतियों को सहलाते हैं और भारत के हितों के विपरीत निर्णय लेते हैं। यह दोहरा रुख अमेरिकी राजनीति की पुरानी परंपरा है, जहां 'इंडिया' को नहीं, 'अमेरिकन इंटरेस्ट' को प्राथमिकता दी जाती है। ट्रंप का मोदी की प्रशंसा के साथ पाकिस्तानी मुनीर की तारीफ भारतीय जनमत को भ्रमित करने और दक्षिण एशिया में अपनी भूमिका को निर्णायक दिखाने की रणनीति है।

यह ट्रंप ही थे, जिन्होंने 2019 में भारत को जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज से बाहर कर दिया था और तब देश के निर्यात पर तकरीबन छह अरब डॉलर की आंच आई थी। अब उनका दावा है कि अमेरिका भारत के साथ 'महान ट्रेड डील' करने वाला है, बेशक ट्रेड डील होगी, पर अमेरिका अपनी शर्तों पर दबाव डाल कर देरी कर रहा है। भारत के साथ अमेरिका का द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 195 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जिसमें अमेरिका का घाटा लगभग 45 अरब डॉलर का है। वे इसे कम करना चहते हैं, जिसके लिए उनकी जिद है कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों, चिकित्सा उपकरणों और डिजिटल सेवाओं के लिए अपना बाजार खोले, जबकि भारत की प्राथमिकता है फार्मा, आईटी सेवाओं, स्टील-एल्युमिनियम पर लगे अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को हटवाना और एच-वन बी वीजा नियमों में राहत। यदि ट्रंप 'दोस्त' हैं, तो उन्हें भारत पर लगाए गए 25 फीसद अतिरिक्त टैरिफ हटाने और बेजा शर्तों पर दबाव बनाए बिना अपने टैरिफ को 20 फीसदी के भीतर लाना चाहिए। ट्रंप व्यक्तिगत मित्रता की भाषा बोलते हैं, पर नीतिगत स्तर पर 'अमेरिका फर्स्ट' से कभी नहीं हटते, इसलिए भारत को भी 'इंडिया फर्स्ट' के सिद्धांत पर अडिग रहना होगा।

ट्रेड डील के मामले में भारत को 'समानता और पारस्परिकता' के सिद्धांत पर टिके रह कर उन शर्तों से बचना होगा, जो उसकी कृषि सुरक्षा, डेटा संप्रभुता और स्थानीय उत्पादन नीति को कमजोर करे। अमेरिकी कंपनियों की मनमानी से बचाव के लिए भारत को अपने ई-कॉमर्स और डिजिटल डेटा नियमन को समझौते का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। विदेश नीति के स्तर पर भारत को ट्रंप के बयानों पर भावनात्मक नहीं, रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। अमेरिका महत्त्वपूर्ण साझेदार है, पर भारत की विदेश नीति 'बहु-ध्रुवीय संतुलन' की है, जिसमें वाशिंगटन के साथ ही मास्को, पेरिस व टोक्यो के साथ भी समान दूरी और सहयोग बना रहना चाहिए। ट्रंप द्वारा की गई प्रधानमंत्री की तारीफें व्यक्तिगत व क्षणिक हैं, जबकि राष्ट्रीय हित शाश्वत। भारत को उनकी मित्रता का स्वागत तो करना चाहिए, पर देश और सरकार को भरोसा केवल अपने सामरिक विवेक और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर रखना होगा।

प्रसंगवश

अखंड भारत के शिल्पकार सरदार बल्लभभाई पटेल

किसी राष्ट्र की एकता और अखंडता उसके सशक्तिकरण का मूल परिचय है। सरदार बल्लभभाई पटेल इस सूत्र को भलीभांति समझते थे, इसीलिए स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के बाद तक उन्होंने देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया था। सरदार पटेल का जन्म गुजरात के नडियाद में 31 अक्टूबर सन् 1875 में हुआ था। स्वतंत्रता आंदोलन की दिशा में उनका पहला महत्वपूर्ण योगदान खेड़ा संघर्ष था, जिसे खेड़ा सत्याग्रह के नाम से भी जाना जाता है। बात 1918 की है।

गुजरात के खेड़ा जिले के किसानों की फसलें चौपट हो गई थीं और ब्रिटिश सरकार उन पर लगान का बोझ अलग से थोप रही थी, जिसे देने में किसान सक्षम नहीं थे। ऐसे में गांधी जी के नेतृत्व में

रमा निवास तिवारी
लेखक

सरकार के विरुद्ध किसानों की लड़ाई सरदार पटेल ने लड़ी। युवाओं को एकजुट करके उन्होंने सरकार को अपना फैसला बदलने पर मजबूर कर दिया। इसी सत्याग्रह के बाद से वे गांधी जी और जनता दोनों के ही घनिष्ठ संपर्क में आ गए। देश की आजादी के लिए उन्होंने बड़ा काम किया था। विशाल भारत बनाने का श्रेय पटेल जी को जाता है।

आजादी मिलने के पूर्व से ही वे तमाम देशी रियासतों को भारत में विलय कराने में लग गए थे। सरदार पटेल ने पीवी मेनन के साथ मिलकर इन रियासतों के राजाओं को समझा-बुझाकर भारत में विलय करने पर राजी करा लिया था। केवल हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ इन तीन रियासतों को छोड़कर सभी रियासत के राजाओं ने विलय के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। ये सभी रियासतें स्वायत्त थीं और इनकी अपनी स्वतंत्र संप्रभुता थी। यह सरदार पटेल की देन थी, जो भारत की भौगोलिक सीमा का विस्तार हो पाया। आजादी मिलने तक लगभग सभी रियासतें भारतीय संघ का हिस्सा बन चुकी थीं। भारतीय संघ में विलय को लेकर जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध वहां की जनता ने विद्रोह कर दिया, जिससे नवाब पाकिस्तान भाग गया।

पटेल ने मौका अनुकूल जानकर जूनागढ़ को भारतीय संघ में मिला लिया। हैदराबाद के निजाम ने विलय के प्रस्ताव को अस्वीकार किया तो वहां सेना भेजकर सरदार पटेल ने उसका आत्मसमर्पण करा लिया। इस प्रकार सरदार पटेल ने लगभग छह सौ के आसपास छोटी-बड़ी रियासतों का विलय भारत में कराया। उनकी सूझबूझ और दूरदर्शिता का अंदाजा इस घटना से लग जाता है, जब देश आजाद हुआ तो लक्षद्वीप समूह को पाकिस्तान अपने कब्जे में न ले ले, इसलिए उन्होंने आजादी मिलने के दस-पंद्रह दिन बाद वहां भारत का झंडा फहराया। बाद में पता चला कि पाकिस्तान के नौसैनिक जहाज में सवार होकर वहां अपना झंडा फहराने आए थे, लेकिन भारत का झंडा लगा देख, वे वापस लौट गए।

सरदार पटेल स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री थे। इरादों के मजबूत और नीतिगत दृढ़ता के धनी होने के नाते महात्मा गांधी ने सरदार बल्लभभाई पटेल को लौहपुरुष की संज्ञा दी थी। जनता की समस्याओं को लेकर वे जनता की आवाज बन जाते थे, इसलिए लोग उन्हें सरदार भी कहने लगे थे। सरदार से उनका अभिप्राय मुखिया या प्रमुख हुआ करता था। बारदोली सत्याग्रह की सफलता के बाद उनका यह नामकरण हुआ था। सरदार पटेल को अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने में बड़ा वक्त लगा। 22 वर्ष की अवस्था में उन्होंने दसवीं उत्तीर्ण की। परिवार में आर्थिक तंगी के कारण कालेज नहीं जा सके तो किताबें खरीदकर स्वयं से अध्ययन किया। 36 वर्ष की अवस्था में वे वकालत की पढ़ाई करने इंग्लैंड गए।

धरती पर बढ़ रहा संकट, समझें कुदरत के इशारे

विवेक सक्सेना
अयोध्या

पर्यावरण संकट आज मानवता के समक्ष सबसे गंभीर और बहुआयामी चुनौती के रूप में उभरकर सामने आया है। प्रकृति के सीमित संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, औद्योगिक प्रदूषण और बेलगाम उपभोग की प्रवृत्ति ने पृथ्वी का संतुलन बुरी तरह बिगाड़ दिया है। पिछले कुछ दशकों में इसका प्रभाव संभावित चेतावनी मात्र न रहकर प्रत्यक्ष अनुभव बन चुका है। प्रचंड चक्रवाती तूफान मोंथा, पहली बार मानसून का हिमालय पार कर तिब्बत पहुंचना, रिकॉर्ड तोड़ तापमान, समुद्र के जल स्तर में वृद्धि, विनाशकारी चक्रवात, अप्रत्याशित वर्षा चक्र, बादलों का फटना, इससे लोगों की मौतें आदि घटनाएं यह स्पष्ट करती हैं कि पृथ्वी का प्राकृतिक चक्र गंभीर असंतुलन की ओर अग्रसर है। यह संकट अब पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं रहा, बल्कि हमारे अस्तित्व, स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा सीधा प्रश्न बन गया है। वनों की कटाई और जैव-विविधता का क्षरण इस संकट की गंभीरता को और गहरा बना रहा है।

भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह संकट दोहरी चुनौती है। एक ओर आर्थिक प्रगति जरूरी है, तो वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विकसित देशों ने भी विकास के तेजी से बढ़ते पहिए के कारण पर्यावरण को होने वाले व्यापक विनाश को रोकने की आवश्यकता महसूस की है। उद्योगों की तेज गति, शहरों का विस्तार और बढ़ती आबादी ने पर्यावरण को और अधिक नुकसान पहुंचाया है। बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के कारण समस्याएं और भी बदतर हो रही हैं, जो दैनिक दिनचर्या और देश की अर्थव्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर रही हैं। इनसे पर्यावरण के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य और जीविकोपार्जन के उनके अवसरों को भी नुकसान पहुंच रहा है।

देश में बढ़ते शहरीकरण, प्रदूषित नदियां और ठोस कचरे का अंबार पर्यावरणीय चुनौतियों को रेखांकित करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी 17 सितंबर को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को न सिर्फ वायु प्रदूषण से निपटने की कार्य योजना तीन सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, अपितु सीएक्यूएम, सीपीसीबी आदि में रिक्त पड़े पदों को भरने में देरी पर भी नाखुशी जाहिर की।

प्रदूषण के कारण वायु और जल की गुणवत्ता निरंतर गिर रही है और इसके दुष्परिणाम मानव स्वास्थ्य पर प्रत्यक्ष रूप से देखे जा सकते हैं। वायु प्रदूषण खतरनाक होता जा रहा है। वाहनों व कारखानों से निकलने वाले धुएं, फसलों को जलाने और निर्माण स्थलों पर होने वाली गतिविधियों के कारण वायु की गुणवत्ता कम हो रही है। हवा में कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य कणों की मात्रा बढ़ने से और PM 2.5 कणों की अधिकता के कारण लोगों को सांस और हृदय संबंधी बीमारियां हो रही हैं। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में हवा में सांस लेना बेहद खतरनाक हो गया है। भारत में पानी की गंभीर कमी है, क्योंकि इसका अत्यधिक उपयोग किया गया। इसका उचित प्रबंधन नहीं किया गया। गंगा और यमुना नदियों का जल असुरक्षित औद्योगिक अपशिष्ट, सीवेज उत्सर्जन और प्लास्टिक प्रदूषण के कारण प्रदूषित है, जिससे यह पीने योग्य नहीं रह गया है।

गौरतलब है कि देश के 15वें राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू ने पहली बार देश को संबोधित करते हुए कहा था कि मेरा तो जन्म उस जनजातीय परंपरा में हुआ है, जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर जीवन को आगे बढ़ाया है। मैंने जंगल और जलाशयों के महत्व को अपने जीवन में महसूस किया है। हम प्रकृति से जरूरी संसाधन लेते हैं और उतनी ही श्रद्धा से प्रकृति की सेवा भी करते हैं। उससे पहले निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने जब आखिरी बार देश को संबोधित करते हुए कहा था कि प्रथम नागरिक के रूप में अगर मुझे अपने देशवासियों को कोई एक सलाह देनी हो तो मैं उनसे कहना चाहूंगा कि प्रकृति माता गहरी तकलीफ में हैं और जलवायु संकट इस समूचे ग्रह के भविष्य को खतरे में डाल सकता है। दोनों राष्ट्रपतियों द्वारा पर्यावरण के मुद्दे को अपने भाषण में शामिल करना अकारण नहीं हो सकता। पर्यावरण आज हर मनुष्य के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है।

इस सचाई से इनकार नहीं किया जा सकता कि पर्यावरण संरक्षण के मामले में हम बहुत पीछे हैं। हमें बहुत कुछ करना है। वर्तमान में जरूरत है, नीतियों के क्रियान्वयन में कठोरता और व्यवहारिक बदलाव की। इस संकट का हल आधे-अधूरे प्रयासों से संभव नहीं है। वनों के संरक्षण के साथ-साथ पौधरोपण और उनकी देखभाल को औपचारिकता मात्र नहीं राष्ट्रीय प्राथमिकता का दर्जा देना होगा। प्रदूषण नियंत्रण के कठोर कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा।

वैश्विक स्तर पर सहयोग और जलवायु न्याय सुनिश्चित किए बिना, यह संकट टल नहीं सकता। पर्यावरण संकट अब आने वाले कल का नहीं, वर्तमान का जीवंत प्रश्न है। यदि हम इसे नजरअंदाज करेंगे तो आने वाली पीढ़ियां केवल हमारे उपेक्षापरक दृष्टिकोण की विरासत पाएंगी। समय आ गया है कि देश की सरकारें, व्यवस्था से जुड़े जिम्मेदार और प्रत्येक नागरिक पृथ्वी के संरक्षण का संकल्प ले। यह हमारी नैतिक, सामाजिक और मानवीय जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी को मिलकर गंभीरता से न सिर्फ काम करना होगा, अपितु नियमों को और सख्ती से लागू करना होगा। पर्यावरण की रक्षा के लिए एक दीर्घकालिक योजना बनानी होगी। स्वच्छ भारत अभियान जैसे प्रयास सराहनीय हैं, किंतु यह पर्याप्त नहीं हैं। नागरिक और सरकार तालमेल बनाए रखते हुए, तेजी से आगे बढ़ें और दुनिया के सामने मिसाल पेश करें।

> प्रकृति का अंधाधुंध दोहन, औद्योगिक प्रदूषण और बेलगाम उपभोग की प्रवृत्ति ने पृथ्वी का संतुलन बुरी तरह बिगाड़ दिया है। इसका प्रभाव प्रत्यक्ष अनुभव बन चुका है।

नरेंद्र मोदी वोट के लिए ड्रामा करते हैं। नरेंद्र मोदी को छठ पूजा से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें सिर्फ आपका वोट चाहिए। आप वोट के लिए उनसे कोई भी ड्रामा करवा लो वो कर देंगे। नीतीश कुमार खुद कोई फैसला नहीं ले रहे हैं। वो रिमोट से चल रहे हैं।
–**राहुल गांधी**, कांग्रेस नेता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपनी हालिया टिप्पणी और छठी मईया और उनके भक्तों का अपमान करने की कीमत चुकानी पड़ेगी। राहुल ने मोदी के बारे में अपमानजनक तरीके से बात की। जब भी उन्होंने ऐसा किया है, हर बार कीचड़ से कमल खिला है।
–**अमित शाह**
केंद्रीय गृहमंत्री

शिक्षा से दूर क्यों हैं गणित और विज्ञान!

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

स्कूली शिक्षा में जब तब सुधार की बात होती है, तो भाषा या फिर इतिहास पर आकर विवाद खड़े होते हैं और बच्चे की न्यूनतम अधिगम क्षमता वहीं की वहीं खड़ी रह जाती है। यह सच है कि भाषा पर पकड़ मजबूत होने पर ही बच्चा अन्य कोई विषय को भलीभांति समझ सकता है, लेकिन असली दिक्कत भाषा को सही तरीके से सिखाने से कहीं अधिक भाषा की राजनीति में भटक जाना है। शुरुआती शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण और वैश्विक स्तर का होने का मूल आधार तार्किकता, वैज्ञानिक समझ और गणना है।

प्राथमिक स्तर पर किताबों के मूल चार उद्देश्य हैं– बच्चा वर्णमाला पहचान सके और उसका इस्तेमाल कर सके, अंक को पहचाने और चार आधारभूत प्रक्रिया(जोड़-बाकी-गुणा-भाग) भली-भांति कर सके, रंग और आकृति को पहचाने और फिर मानवीय गुणों के प्रति संवेदनशील हो। हमारी पाठ्य पुस्तकें एकालाप करती हैं। सशंकित और उत्तर न देने पर असफल घोषित होने के भय से सहमा हुआ बच्चा। ऐसे में राजनेता इस बात पर लड़ते हैं कि अकबर को वीर कहें या राणा सांगा को अधिक बड़ा लड़ैया या फिर मद्रास का बच्चा हिंदी क्यों पढ़े? स्कूल से निराश 12.3% लड़कियां माध्यमिक विद्यालय आते-आते स्कूल छोड़ देती हैं। वहीं लड़कों में यह ड्रॉपआउट 13 फीसद है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के 'परख (PARAKH) सर्वेक्षण 2025' और वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (ASER) 2024 से उजागर होता है कि कक्षा तीन से पांच के लगभग 38% बच्चे और कक्षा 6 से 8 के लगभग 46% बच्चे गणित के बुनियादी सवालों को हल करने में असमर्थ हैं। दस तक के पहाड़े भी नहीं जानते। यह बात सरकार स्वीकार करती है कि कक्षा छह के 71% छात्र गणित में फ्रेक्शन अर्थात भिन्न को पहचानने और तुलना करने में असमर्थ हैं। गणित का इतना भय है कि कक्षा नौ में 63% छात्र बुनियादी गणित में असफल रहे। विज्ञान विषयों जैसे रासायनिक परिवर्तन, विद्युत प्रवाह व जटिल जैविक प्रक्रियाओं में भी काफी बच्चों को परेशानी होती है।

रिपोर्ट में राज्य-स्तर पर भी अंतर दिखा है। जैसे- केरल, हिमाचल प्रदेश, पंजाब जैसे राज्य बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि झारखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, लक्षद्वीप, पुडुचेरी, गोवा, त्रिपुरा जैसे राज्यों के बच्चे गणित और विज्ञान में सबसे कमजोर हैं। वहीं सरकारी स्कूलों के बच्चों का इस संबंध में प्रदर्शन निजी स्कूलों की तुलना में कमजोर है, हालांकि निजी स्कूलों के बच्चे भी गणित में अपेक्षाकृत पिछड़े हैं। शिक्षा मंत्रालय के 'निपुण भारत मिशन' के तहत आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में बच्चे बुनियादी गणित व विज्ञान के कौशल में पिछड़े हैं।

गणित को 'तर्क की भाषा' और 'विज्ञान की रीढ़' कहा जाता है, लेकिन भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां हर पांचवा बच्चा सीखने की मूलभूत चुनौतियों से जूझ रहा है, वहां गणित प्राथमिक शिक्षा की सबसे कठिन और डरावनी इकाई बनकर उभरी है। समाज यह मान बैठा है कि विज्ञान और गणित कठिन विषय हैं और यह सभी के बस की बात नहीं। इसी के चलते बच्चों में बचपन से ही विज्ञान-गणित के प्रति डर पैदा हो जाता है। यह डर उन्हें सीखने से रोकता है। जब बच्चों को सीखने में मजा नहीं आता, तो उनकी रुचि कम हो जाती है और वे इस विषय से दूर भागने लगते हैं। चूंकि यह सोच, समूचे समाज में घर की हुई है, सो कई अभिभावक बच्चों को गणित में मदद नहीं कर पाते, क्योंकि वे खुद इन दोनों विषयों से डरे हुए होते हैं, जिससे बच्चों को घर पर पर्याप्त सहायता नहीं मिल पाती। अक्सर बच्चे को ट्यूशन में धकेल दिया जाता है, जहां की शिक्षण प्रणाली विद्यालय से अधिक अलग नहीं होती।

हालांकि बच्चों का गणित और विज्ञान में कमजोर होने के कारण किसी से छुपे नहीं हैं। सबसे बड़ा कारण तो विज्ञान और गणित को पढ़ाते समय समझने के बजाय सवालों को रटने पर जोर दिया जाता है। इससे बच्चों में अवधारणात्मक समझ विकसित नहीं हो पाती है और वे केवल यांत्रिक तरीके से सवालों को हल करते हैं। प्राथमिक स्तर पर बच्चों को मूर्त अनुभवों के माध्यम से सिखाना बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन कई स्कूलों में यह कमी देखी जाती है। बच्चों को खेल-खेल में या दैनिक जीवन से जोड़कर विज्ञान- गणित सिखाने के बजाय सीधे फॉर्मूले और नियम बताए जाते हैं। वैसे भी हमारे यहां दूरस्थ अंचलों में प्राथमिक शिक्षा भवन, शिक्षक और मूलभूत सुविधा के अभाव से आहत है।

स्कूल में शिक्षण के अलावा मध्यान्ह भोजन और ऐसी ही गतिविधियों पर अधिक चिंता रहती है। बच्चे को उत्तीर्ण करना भी अनिवार्य है। यह समझना होगा कि हर कक्षा में अलग-अलग स्तर के बच्चे होते हैं। कुछ जल्दी सीखते हैं और कुछ देर से, लेकिन शिक्षक अक्सर एक ही विधि प्रयोग करते हैं, जबकि बच्चों की सीखने की क्षमता और शैली अलग होती है। वह भी क्या करें जब एक ही शिक्षक को पांच कक्षा पढ़ानी हो तो नवाचार से अधिक कक्षा प्रबंधन अनिवार्य होता है। यह बात भी बच्चे को भयभीत करती है कि गणित और विज्ञान को केवल संख्याओं और संक्रियाओं तक सीमित रखा जाता है, जिससे बच्चों में तार्किक सोच और समस्या-समाधान कौशल विकसित नहीं हो पाता।

> एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि कक्षा तीन से पांच के लगभग 38 प्रतिशत बच्चे और कक्षा छह से आठ के लगभग 46 फीसदी बच्चे गणित के बुनियादी सवालों को हल करने में असमर्थ हैं।

सोशल फोरम

'सरहदी गांधी' की छोटी गठरी और इंदिरा जी

रवि माथुर
सेवानिवृत इंजीनियर

खान अब्दुल गफ्फार खान हमेशा अपने साथ एक कपड़े की गठरी (थैला) रखते थे। आखिर क्या था उनकी गठरी में, जिसे वह किसी को नहीं सौंपते थे। जब 1969 में गांधी जन्म शताब्दी पर इंदिरा जी के विशेष आग्रह पर खान अब्दुल गफ्फार खान इलाज के लिए भारत आए तो हवाई अड्डे पर उन्हें लेने इंदिरा जी और जेपी नारायण जी खुद आए। खान साहब जब हवाई जहाज से बाहर आए तो उनके हाथ में वही पोटली थी, जिसके बारे में गांधी जी मजाक करते थे। मिलते ही श्रीमती गांधी ने पोटली की तरफ हाथ बढ़ाया- इसे हमें दीजिए, हम ले चलते हैं। खान साहब ठहरे, बड़े ठंडे मन से बोले- यही तो बचा है, इसे भी ले लोगी?

बंटवारे का पूरा दर्द खान साहब की इस बात से बाहर आ गया। जेपी नारायण और इंदिरा जी दोनों ने सिर झुका लिया। जेपी अपने आप को संभाल न पाए। उनकी आंख से आंसू गिर रहे थे।

1985 में कांग्रेस स्थापना शताब्दी के अवसर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने उन्हें विशेष अतिथि के रूप में पुनः आमंत्रित किया और इसके लिए तत्कालीन पाकिस्तान के तानाशाह जिया उल हक को उन्हें भारत आने की इजाजत देने के लिए कहा। जब खान साहब भारत आए, तब भी उनके हाथों में वही पोटली थी, जो पिछली बार 1969 में इंदिरा गांधी के आमंत्रण पर वो साथ लाए थे। राजीव गांधी इस पोटली के बारे जानते थे। उन्होंने खान साहब से कहा- आपने कभी महात्मा गांधी और इंदिरा जी को ये पोटली को हाथ भी नहीं लगाने दिया, लेकिन अगर आप चाहें तो क्या मैं इस पोटली को खोल कर देख सकता हूं? खान साहब ने हंस कर अपने पठानी अंदाज में कहा- तू तो हमारा बच्चा है... देख ले... नहीं तो सभी सोचते होंगे, पता नहीं खान इस पोटली में क्या छुपाए फिरता है। जब राजीव गांधी ने पोटली खोल कर देखा, तो उसमें सिर्फ दो जोड़ी लाल कुर्ता-पाजामा थे।

सामयिकी

नेपाल: राजदूतों को वापस बुलाने पर उठते सवाल

नेपाल में चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में संशय बढ़ता जा रहा है। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने शपथ ग्रहण के फौरन बाद छः महीने के भीतर चुनाव कराकर सत्ता नई सरकार के हवाले करने का वादा किया था, लेकिन जिस तरह प्रशासनिक हलकों में फेरबदल और राजदूतों को वापस बुलाने में तेजी दिख रही है, उस रफ्तार में चुनाव को लेकर सरकार की तैयारी नहीं दिख रही। बता दें कि नेपाल की अंतरिम सरकार ने विभिन्न देशों में राजनीतिक आधार पर नियुक्त 11 राजदूतों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है।

एमाले और नेपाली कांग्रेस ने विदेशों में तैनात नेपाली राजदूतों को थोक में वापस बुलाने के अंतरिम सरकार के फैसले को अनुचित

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

करार देते हुए कहा कि इससे हमारी विदेश नीति का संतुलन गड़बड़ाएगा नेपाल की साख पर भी सवाल खड़ा होगा। वहीं सूचना एवं प्रसारण मंत्री जगदीश खरेल का कहना है कि सरकार ने यह कदम कूटनीतिक संतुलन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उठाए हैं। नेपाल सरकार ने जिन 11 देशों के राजदूतों को वापस बुलाने का फरमान जारी किया है, उसमें भारत का नाम नहीं है। इसे लेकर नेपाल के राजनीतिक गलियारों में अलग तरह की चर्चा है।

नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रकाश शरण महत ने कहा है कि अंतरिम सरकार द्वारा विभिन्न देशों में कार्यरत नेपाली राजदूतों को बार-बार वापस बुलाए जाने से नेपाल के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर प्रतिकूल असर पड़ना तय है। कांग्रेस की केंद्रीय समिति की बैठक के बाद सरकार के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए महत ने कहा कि सरकार लगातार अलग-अलग देशों से राजदूतों को वापस बुला रही है। इस तरह की जल्दबाजी और अस्थिर नीति से न केवल कूटनीतिक साख कमजोर होती है, बल्कि हमारे अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने अंतरिम सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपनी सारी शक्ति और ऊर्जा आगामी निर्वाचन की तैयारी में लगाने के बजाय राजनीतिक प्रतिशोध में उलझी हुई है। महत के अनुसार, देश में शांति और सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित करना सरकार की पहली जिम्मेदारी है, लेकिन सरकार इस दिशा में गंभीर दिखाई नहीं देती। उन्होंने कहा कि केवल निर्वाचन आयोग की कार्य तालिका जारी कर देने से चुनाव संभव नहीं होगा, इसके लिए शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण बनाना आवश्यक है।

एमाले ने अंतरिम सरकार के इस फैसले पर हैरानी जताते हुए कहा कि इससे सरकार के छः महीने में चुनाव कराने के उसके दावे पर संदेह होता है। एमाले के निवर्तमान सांसद मंगल प्रसाद गुप्ता ने कहा कि इससे राजदूतों की स्थिति फुटबाल जैसी हो जाएगी और उनमें अनिश्चितता का भाव पैदा होगा। उन्होंने कहा कि छः महीने में चुनाव कराने के सरकार के वादे के अनुरूप अब समय सीमा घट कर चार ही महीने रह गई।

इस दौरान सरकार का प्रशासन और राजदूतों में भारी फेरबदल करने की तैयारी संदेहास्पद है। इससे अंतरिम सरकार के अपने वादे के मुताबिक तय समय सीमा में चुनाव कराने में संदेह है और यदि चुनाव हो भी जाए तो क्या गारंटी है कि संसद का विघटन कर अंतरिम सरकार का गठन करने वालों के मनमाफिक सरकार ही सत्ता रूढ़ हो? ऐसा नहीं हो पाया तो जाहिर है, जिसकी सरकार बनेगी, वह फिर अपने हिसाब से राजदूतों की नियुक्ति करेगा। मंगल प्रसाद गुप्ता ने कहा कि अंतरिम सरकार को समझना होगा कि चुनाव में आखिर राजदूतों की क्या भूमिका है?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

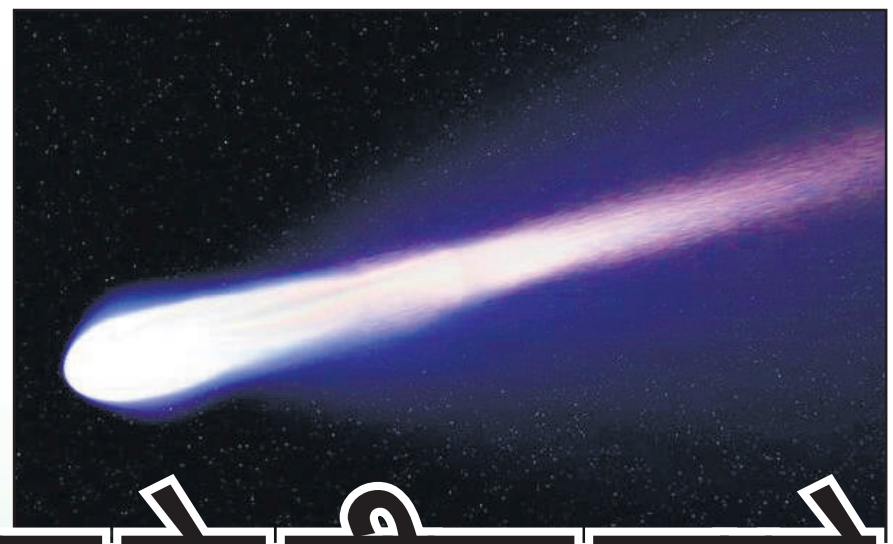

जीवन के बीज लाते धूमकेतु

पुच्छल तारों के विषय में भला कौन नहीं जानना चाहता। आजकल ऐसे कई पिंड सूर्य के करीब आ रहे हैं और धरती से उन्हें उनकी लंबी पूंछ से पहचाना जा सकता है। धूमकेतु (कॉमेट), जिन्हें पुच्छल तारा कहा जाता है, प्राचीनकाल से ही मानव के लिए कौतुहल का विषय रहे हैं। ग्रह और उपग्रहों की तरह इन पिंडों के भी नाम होते हैं। खास बात यह है कि कुछ पिंड सूर्य के पास नियमित आते हैं और कुछ को आने में हजारों या लाखों वर्ष का समय लग सकता है। धूमकेतु को सौर मंडल का प्राचीन अवशेष माना जाता है। आधुनिक विज्ञान धूमकेतु को बर्फ, धूल और गैस का मिश्रण मानता है, जो सूर्य के पास आने पर पूंछ विकसित करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये जीवन के मूल बीज जैसे अमीनो एसिड, पानी और अन्य रासायनिक तत्व पृथ्वी पर ला सकते हैं। यह विचार 'पैनस्पर्मिया' सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें कहा जाता है कि जीवन के निर्माण ब्लॉक्स अंतरिक्ष से धूमकेतुओं या उल्कापिंडों के माध्यम से पृथ्वी पर पहुंचे। यह कनेक्शन दशकों से विवादास्पद रहा है, लेकिन हाल के अध्ययनों ने इसे मजबूत प्रमाण दिए हैं।

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

पैनस्पर्मिया के अनुसार जीवन पृथ्वी पर स्वतः उत्पन्न नहीं हुआ, बल्कि अंतरिक्ष से आया है। धूमकेतु, जो सौर मंडल के बाहरी हिस्सों से आते हैं, कार्बनिक अणु जैसे अमीनो एसिड, पेप्टाइड्स और फॉस्फोरस ले जाते हैं। प्रारंभिक पृथ्वी पर इनकी टक्कर से ये तत्व सतह पर जमा हुए, जो जीवन की शुरुआत के लिए 'प्रीबायोटिक सूप' बनाते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि सौर मंडल के निर्माण के दौरान बने कार्बनिक पदार्थ पृथ्वी पर धूमकेतुओं से पहुंचे यानी पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत करने में धूमकेतुओं का महत्वपूर्ण योगदान है।

पहले भी आ चुका है स्वान

धूमकेतु C/2025 R2 (स्वान), जिसे सामान्यत: स्वान धूमकेतु के नाम से जाना जाता है, एक लंबी अवधि का धूमकेतु है, जो सूर्य मंडल के बाहरी क्षेत्र से आया। यह 2025 के अक्टूबर महीने में पृथ्वी के निकट पहुंचने के कारण खगोलप्रेमियों के लिए विशेष रूप से रोचक रहा। यह धूमकेतु ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न माना जाता है। ओर्ट क्लाउड सूर्य से हजारों खगोलीय इकाई दूर एक बर्फीली संरचना है। इसे 11 सितंबर, 2025 व्लादिमीर बेजुगली को खोजा गया, जो सोहो उपग्रह के स्वान कैमरे की छवियों का विश्लेषण कर रहे थे। यह गैर-आवर्ती धूमकेतु है अर्थात् यह सूर्य की परिक्रमा के लिए 200 वर्ष से अधिक समय लेता है। सोहो मुख्य रूप से सौर हवा का अध्ययन करता है, लेकिन इसकी छवियां धूमकेतुओं की खोज के लिए उपयोगी साबित हुई हैं। इस धूमकेतु की कक्षा अंडाकार है, लेकिन उच्च विकेंद्रीकरण के कारण लगभग परवलयिक जैसी है। यह सूर्य के चारों ओर एक लंबी यात्रा करने वाला धूमकेतु है। वर्तमान में (अक्टूबर के अंत में), यह लगभग 6 वीं परिमाण की चमक के साथ नग्न आंखों से सीमित रूप से दिखाई दे सकता है, विशेष रूप से दूरबीनों से इसे देखा जा सकेगा। इस धूमकेतु को देखना एक दुर्लभ अवसर होगा, क्योंकि फिर यह हजारों वर्षों बाद लौटेगा।

पहली बार दिखा लेमन

धूमकेतु C/2025 A6 (लेमन), जिसे सामान्यत: लेमन धूमकेतु के नाम से जाना जाता है, एक लंबी अवधि का धूमकेतु है, जो सूर्य मंडल के बाहरी क्षेत्र, संभवत: ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न हुआ है। यह 2025 के अक्टूबर-नवंबर में पृथ्वी के निकट पहुंचने और चमकदार होने के कारण खगोलप्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना। अक्टूबर में यह धूमकेतु उत्तरी गोलार्ध में पूर्वोत्तर आकाश में सूर्योदय से पहले दिखाई दिया और इसकी चमक लगभग 7-8 मैग्निट्यूड के आसपास पहुंची, जो बाइनोकुलर से आसानी से दृश्यमान बनाती है। यह धूमकेतु C/2025 R2 (स्वान) के साथ अक्टूबर के अंत में डबल धूमकेतु घटना का हिस्सा बना। यह धूमकेतु माउंट लेमन सर्वे, जो कैटलीना स्काई सर्वे का हिस्सा, 3 जनवरी, 2025 को खोजा गया। यह सर्वे एरिजोना, अमेरिका में स्थित है और क्षुद्रग्रहों व धूमकेतुओं की खोज के लिए जाना जाता है। ज्ञात हुआ है कि यह एक गैर-आवर्ती धूमकेतु है अर्थात् इसकी कक्षीय अवधि 200 वर्ष से अधिक है। इसकी चरम चमक अक्टूबर के अंत या नवंबर की शुरुआत में 31 अक्टूबर या 1 नवंबर के आसपास होगी और सूर्य के सबसे निकट 8 नवंबर को होगा। मध्य नवंबर तक यह दृश्यमान रहेगा, उसके बाद चमक कम हो जाएगी। यह लगभग 1,000 वर्षों में एक बार लौटता है।

दो एटलस धूमकेतु

- 3I/ATLAS (जिसे C/2025 N1 भी कहा जाता है) और C/2025 K1 (ATLAS) दोनों ही 2025 में खोजे गए धूमकेतु हैं, लेकिन ये मूल रूप से अलग-अलग प्रकार के हैं। 3I/ATLAS एक अंतरतारकीय धूमकेतु है, जो सौर मंडल से बाहर से आया है, जबकि C/2025 K1 एक लंबी अवधि का सौर मंडलीय धूमकेतु है, जो ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न हुआ है। नीचे इनके मुख्य अंतरों की तुलना दी गई है। पहला एटलस धूमकेतु, जिसे अंतरतारकीय धूमकेतु 3I/ATLAS कहा जाता है। जुलाई 2025 में एटलस (Asteroid Terrestrial-impact Last Alert System) से खोजा गया। यह सौर मंडल से बाहर से आया है और हाइपरबोलिक कक्षा में है। यह कन्या नक्षत्र में स्थित है। सूर्य के सबसे निकट पहुंचने की तारीख 30 अक्टूबर 2025 है (1.4 खगोलीय इकाई दूरी पर), लेकिन दिसंबर 2025 की शुरुआत में सूर्य के दूसरी ओर से फिर दिखाई देगा। इसकी पृथ्वी के सबसे निकट पहुंच 19 दिसंबर 2025 को 1.8 खगोलीय इकाई (लगभग 269 मिलियन किमी) पर होगी।
- दूसरा धूमकेतु C/2025 K1, जिसे सामान्यत: एटलस धूमकेतु के नाम से जाना जाता है, एक हाइपरबोलिक (अवर्ती) धूमकेतु है, जो सूर्य मंडल के बाहरी क्षेत्र से आया है। यह ओर्ट क्लाउड से उत्पन्न माना जाता है और 2025 के अक्टूबर में सूर्य के अत्यंत निकट पहुंचने के कारण खगोलप्रेमियों के लिए रोचक, लेकिन चुनौतीपूर्ण है। यह धूमकेतु स्वान और लेमन के साथ अक्टूबर के 'ट्रिपल धूमकेतु' घटना का हिस्सा है, लेकिन इसकी चमक अपेक्षाकृत कम है। यह 25 मई 2025 को चिली में खोजा गया। यह एक गैर-आवर्ती धूमकेतु है, लेकिन इसकी विकेंद्रीकरण होने से हाइपरबोलिक कक्षा है अर्थात् यह सूर्य मंडल से बाहर चला जाएगा और फिर कभी लौटेगा नहीं। इसके पृथ्वी के निकटतम दृष्टिकोण की बात करें, तो यह 25 नवंबर 2025, 0.40 खगोलीय इकाई (60 मिलियन किमी) पर रहेगा। यह धूमकेतु अवर्ती होने के कारण कभी लौटेगा नहीं, इसलिए 2025 में इसे देखने का यह एक सुनहरा अवसर है।
- इन दोनों एटलस धूमकेतुओं के ये अंतर मुख्य रूप से उनकी उत्पत्ति, कक्षा और अवलोकन क्षमता पर आधारित हैं। 3I/ATLAS सौर मंडल के बाहर की दुनिया की झलक देता है, जबकि C/2025 K1 सूर्य के निकट आने से उज्ज्वल, लेकिन जोखिमपूर्ण है। वर्तमान में दोनों ही दूरबीनों से देखे जा सकते हैं। स्टेलेरियम जैसे ऐप से आप घर बैठे इन धूमकेतुओं की वर्तमान स्थिति जांच सकते हैं।

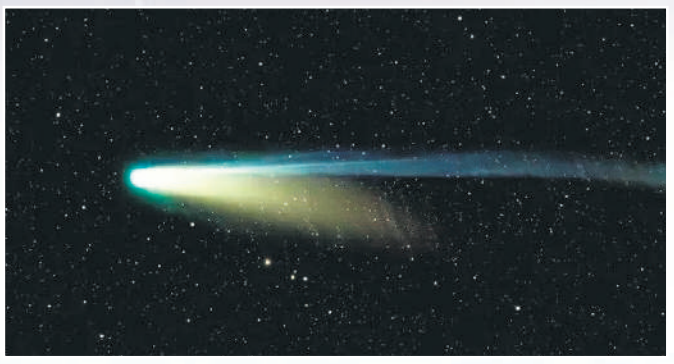

जंगली हाथियों की घटती आबादी

हाथियों पर डीएनए आधारित जनगणना के नतीजे आ गए हैं। सार्वजनिक हुए नजीते सुखद नहीं, दुखद हैं? भारत के जंगलों से गजराजों की आबादी तेजी से घटी बताई गई है। घटने की तेजी में अगर रफ्तार ऐसी ही रही, तो जंगलों से गजराजों का गर्जना भविष्य में शांत भी हो सकता है। निश्चित रूप से यह रिपोर्ट सोचने पर विवश करती है। ये रिपोर्ट, पर्यावरणविदों की उन बातों पर मुहर लगाती है, जिनमें वह केंद्र और राज्य सरकारों से लंबे समय से हाथियों को बचाने की मांग करते आए हैं। पीलीभीत के जंगल में नेपाल से जंगली हाथियों का आना कम हुआ है, वहीं रामनगर के जंगल में हाथियों की संख्या बढ़ी है।

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में पहली मर्तबा डीएनए आधारित इस नई टेक्नोलॉजी द्वारा हाथियों की गिनती हुई है, जिसमें यह चिंतनीय रिपोर्ट सामने निकलकर आई है। नई डीएनए तकनीक प्रत्येक हाथी की उसके जेनेटिक सिग्नेचर से पहचान करती है। इससे गिनती बिल्कुल सटीक बाहर निकलती है। इसे दुनिया की पहली व्यापक डीएनए-आधारित हाथी गणना का तगमा हासिल है। रिपोर्ट ने सबसे ज्यादा हाथी कर्नाटक में बताए हैं, वहां 6,013 हाथी हैं। दूसरे स्थान पर असम को रखा है, जहां 4,159 हाथी हैं। इसके अलावा तमिलनाडु में 3,136, केरल में 2,785, उत्तराखंड में 1,792 और ओडिशा में 912 हाथी शेष बचे हैं। उत्तराखंड, तराई क्षेत्र, हिमाचल क्षेत्रों के हालात बहुत खराब दर्शाते हैं, जो संख्या जांची गई है, उसमें हाथियों की कोई प्रजाति ऐसी नहीं बची, जिनमें कमी न दर्ज की गई हो। मौजूदा गणना की मानें तो पिछले 8 सालों में करीब 25 फीसदी हाथियों की संख्या भारत में सिमट गई है।

हाथियों की गणना

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने हाथियों को लेकर पिछली गणना साल-2017 में कराई गई थी, जिसमें 29964 हाथी बताए गए थे। वहीं, मौजूदा गणना में संख्या घटकर मात्र 22446 रह गई। यानी वर्ष 2017 से 2025 के बीच इन 8 वर्षों में करीब साढ़े सात हजार हाथी कम हो गए। हाथियों की कम होती आबादी जंगलों के सिकुड़ते आकार और इंसानों व हाथियों के बीच बढ़ते टकराव की ओर इशारा आज से नहीं, बल्कि बहुत पहले से कर रही है, लेकिन हम बेखबर थे। असम के जंगलों में हाथियों की संख्या सर्वाधिक हुआ करती थी। वहां उनका अवैध शिकार बड़े स्तर पर आज भी जारी है। हाथियों की कुछ प्रजातियां ऐसी हैं, जो सिर्फ भारत में ही पाई जाती हैं। उन हाथियों के दांत व अन्य शरीर के अंग अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारी डिमांड रहती है। मोटी कमाई के लालच में तस्कर बेजुबान हाथियों का शिकार करते हैं। इस कृत्य में कई मर्तबा फॉरेस्ट कर्मचारियों की भी मिलीभगत सामने आती आई है।

जनमानस का सहयोग भी आवश्यक

अभी कुछ नहीं बिगड़ा, हाथियों को अभी भी बचाया जा सकता है। क्योंकि विश्व के 90 देशों के मुकाबले भारत में गजराजों की आबादी अभी भी सर्वाधिक है। भारत के पश्चिमी घाट अभी भी हाथियों के सबसे बड़े गढ़ हैं, वहां 11,934 हाथी हैं, जबकि 2017 में संख्या 14,587 थी। उत्तर-पूर्वी पहाड़ियों और ब्रह्मपुत्र के बाढ़ वाले मैदानों में 6,559 हाथी हैं, जो 2017 के 10,139 से कम हैं। मध्य भारत के ऊंचे इलाके और पूर्वी घाट में कुल मिलाकर 1,891 हाथी हैं, जो 2017 की रिपोर्ट में बताए गए 3,128 हाथियों से कम हैं। आबादी बढ़ाने के लिए सबसे पहले सुरक्षित आवासों को संरक्षित करना होगा और अवैध शिकार करने वाले तस्करों पर लगाम लगानी होगी। साथ ही सबसे जरूरी ध्यान मादा हथनियों के स्वास्थ्य देखभाल और उनके आवश्यक रखरखाव पर ध्यानकार्षण करना होगा। इससे प्रजनन क्रियाओं को बढ़ावा मिलेगा। असम, कर्नाटक जैसे राज्यों को 'टाइगर रिजर्व' की भांति 'हाथी रिजर्व परियोजना' या 'प्रोजेक्ट एलीफेंट' जैसे विंग गठित होने चाहिए। इन जरूरी तथ्यों पर ध्यान दिए बिना हाथी को नहीं बचाया जा सकता। इसमें सामाजिक स्तर पर प्रत्येक इंसान को भी अपनी भागीदारी निभानी होगी, क्योंकि बिना जनमानस के सहयोग से कोई भी सरकारी योजना सफल नहीं होती।

टेक अपडेट्स

व्हाट्सएप का नया फीचर: चैट स्टोरेज मैनेजमेंट

आपका फोन बार-बार "स्टोरेज फुल" का नोटिफिकेशन दिखाता है और आप व्हाट्सएप का डेटा डिलीट करते-करते परेशान हो चुके हैं, तो अब राहत मिलने वाली है। व्हाट्सएप जल्द ही एक ऐसा नया फीचर लेकर आ रहा है, जिसकी मदद से यूजर हर चैट की स्टोरेज को अलग-अलग मैनेज कर सकेंगे। यानी अब किसी खास चैट या ग्रुप में कौन-सी फोटो, वीडियो या डॉक्यूमेंट सबसे ज्यादा जगह ले रही है, यह जानकारी सीधे उसी चैट से मिल जाएगी।

क्या है फीचर

WaBetaInfo की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाट्सएप अपने नए अपडेट में "मैनेज स्टोरेज" नाम का एक विकल्प जोड़ने की तैयारी कर रहा है। यह फीचर हर चैट या ग्रुप के चैट इंफो पेज पर मिलेगा। इसके जरिए यूजर यह देख पाएंगे कि किसी विशेष चैट या ग्रुप ने फोन की कितनी स्टोरेज घेर रखी है। यूजर को यह समझना आसान होगा कि कौन-सी फाइलें ज्यादा जगह ले रही हैं और किन्हें हटाया जा सकता है।

क्यों खास है यह फीचर

अभी तक व्हाट्सएप में केवल एक ग्लोबल स्टोरेज मैनेजमेंट फीचर मौजूद है, जो पूरी ऐप की मीडिया फाइल्स को एक साथ दिखाता है। इससे बार-बार सेटिंग्स में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और बड़ी फाइल्स को हटाना बहुत आसान हो जाएगा। यह फीचर खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद होगा, जो कई ग्रुप चैट्स में एक्टिव रहते हैं, जहां रोजाना ढेर सारी फोटो और वीडियो शेयर होती हैं, जो मिलकर फोन की मेमोरी जल्दी भर देती हैं।

कब मिलेगा यह नया अपडेट

फिलहाल यह फीचर iOS बीटा वर्जन में कुछ चुनिंदा यूजर्स के लिए उपलब्ध है। कंपनी ने इसे धीरे-धीरे Android और iPhone दोनों यूजर्स के लिए रोलआउट करना शुरू कर दिया है। आने वाले कुछ हफ्तों में यह अपडेट सभी यूजर्स तक पहुंचने की संभावना है।

पृथ्वी गतिशील है फिर पता क्यों नहीं चलता

पृथ्वी की गति एक दिलचस्प और रहस्यमयी विषय है। हम सभी जानते हैं कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती रहती है और साथ ही सूर्य के चारों ओर भी चक्कर लगाती है। फिर भी हम यह क्यों नहीं महसूस करते कि पृथ्वी गति कर रही है? इसका उत्तर प्राकृतिक नियमों और हमारे पर्यावरण से जुड़ा हुआ है। पृथ्वी की गति मुख्यत: दो प्रकार की होती है: एक अपनी धुरी पर घूमना (रोटेशन) और दूसरी सूर्य के चारों ओर घूमना (ऑर्बिट)। पृथ्वी अपनी धुरी पर 24 घंटे में एक पूरा चक्कर लगाती है और इस गति का आभास हमें दिन-रात के परिवर्तन से होता है। जब हम सूर्य को आकाश में बदलते हुए देखते हैं, तो हम समझ पाते हैं कि पृथ्वी घूम रही है, लेकिन यह गति हमें महसूस नहीं होती। इसका कारण यह है कि पृथ्वी का घूमना बहुत समान और स्थिर गति से होता है। जब किसी वस्तु की गति स्थिर और समान होती है, तो हम उस गति को महसूस नहीं कर पाते। जैसे किसी गाड़ी में हम सफर करते हैं, तो अचानक गाड़ी की गति में परिवर्तन होने पर हमें इसकी गति का अहसास होता है, लेकिन जब गाड़ी समान गति से चलती है, तो हमें कोई फर्क नहीं लगता। ठीक इसी तरह, पृथ्वी की गति में कोई भी बदलाव नहीं होता है, जिससे हम इसे महसूस नहीं कर पाते। एक और कारण है, हमारा आकार और पृथ्वी का आकार। पृथ्वी इतनी बड़ी है कि हम जैसे छोटे जीव इसके मुकाबले कण के समान हैं। हमारी गति पृथ्वी के साथ एक जैसी होती है और हम उसके साथ घूम रहे होते हैं, जिससे हमें किसी भी प्रकार की अस्थिरता का एहसास नहीं होता। साथ ही पृथ्वी के घूमने का वातावरण पर भी कोई स्पष्ट असर नहीं होता, क्योंकि हमारे चारों ओर का वायुमंडल भी पृथ्वी के साथ उसी गति से घूमता है। इसके अलावा, पृथ्वी के घूमने से पैदा होने वाली गुरुत्वाकर्षण शक्ति भी हमारे शरीर को स्थिर रखती है। यह शक्ति हमें पृथ्वी की सतह से चिपकाए रखती है और इसके चलते हमें किसी प्रकार की गति का आभास नहीं होता। अगर पृथ्वी अचानक अपनी गति बदलती, तो हमें इसका एहसास हो जाता, लेकिन यह इतनी धीरे-धीरे और समान गति से होती है कि हम इसे महसूस नहीं कर पाते। इसलिए पृथ्वी का घूमना और उसकी गति हमें महसूस नहीं होती, क्योंकि यह गति बहुत ही धीमी, स्थिर और समान होती है। इसका आभास हमें केवल सूर्य की स्थिति से होता है, जो दिन और रात के रूप में हमें दिखाई देती है।

विज्ञान फैक्ट

-फीचर डेस्क

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,404.46	25,877.85
बढ़त	592.67	176.05
प्रतिशत में	0.70	0.68

सोना 1,23,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,55,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

भारत में डीपी करेगी 5 अरब डॉलर निवेश

मुंबई। लॉजिस्टिक्स कंपनी डीपी वर्ल्ड ने भारत में अपने एकीकृत आपूर्ति शृंखला नेटवर्क को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पांच अरब डॉलर का निवेश करने का संकल्प किया है जो निर्यात एवं घरेलू व्यापार दोनों को मजबूत करेगा। कंपनी ने कहा कि यह निवेश तीन दशकों में डीपी वर्ल्ड द्वारा भारत में किए गए तीन अरब डॉलर के निवेश के अतिरिक्त है। ये निवेश भारत के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, बहुविध संपर्क को बढ़ावा देने और वैश्विक व्यापार में देश की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर केंद्रित हैं। डीपी वर्ल्ड के चेयरमैन (ग्रुप) सुल्तान अहमद बिन सुलेयम ने कहा कि डीपी वर्ल्ड तीन दशकों से भारत की वृद्धि का हिस्सा रही है।

टाटा मोटर्स ने थिंक गैस से की साझेदारी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने भारत में लंबी दूरी एवं भारी सामान ढोने वाले ट्रकों के लिए तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) भरने की व्यवस्था को मजबूत करने के वास्ते शहरी गैस वितरण कंपनी थिंक गैस के साथ साझेदारी की है। टाटा मोटर्स ने कहा कि दोनों साझेदारों ने इस उद्देश्य के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी के उपाध्यक्ष एवं व्यवसाय प्रमुख (ट्रक) राजेश कौल ने कहा कि भारत टिकाऊ एवं कुशल माल ढुलाई की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में एलएनजी लंबी दूरी और भारी सामान ढोने वाले ट्रकों के लिए एक आकर्षक समाधान प्रस्तुत करता है।

कॉग्निजेंट भारत में प्रवेश पर कर रही विचार

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी कॉग्निजेंट भारतीय बाजार में उतरने की संभावनाओं पर विचार कर रही है। नैस्डेक सूचीबद्ध कंपनी कॉग्निजेंट के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जतिन दलाल ने कहा कि कॉग्निजेंट का निदेशक मंडल एवं प्रबंधन दल नियमित रूप से शेयरधारक मूल्य बढ़ाने के अवसरों का आकलन करता है। इस उद्देश्य से, हम अपने कानूनी एवं वित्तीय सलाहकारों के साथ भारत में एक संभावित आरंभिक पेशकश पर विचार कर रहे हैं। हम बाजार में सूचीबद्धता के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए भारत एवं अमेरिका के विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत कर रहे हैं।

भारत समुद्री क्षेत्र में निवेश के लिए आदर्श स्थान

प्रधानमंत्री मोदी बोले- हमारे पास बुनियादी ढांचा एवं नवाचार, कानूनों को बनाया सरल और वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने का इरादा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों को भारत के समुद्री क्षेत्र में निवेश करने के लिए गुरुवार को आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत के पास बुनियादी ढांचा एवं नवाचार है और वह इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने का इरादा भी रखता है। मोदी ने पेशेवर मंच 'लिंक्डइन' में लिखा कि सरकार ने कानूनों को सरल बनाया है। बंदरगाहों का विकास किया है और समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ रुपये के एक व्यापक 'पैकेज' को मंजूरी दी है जिसमें जहाज निर्माण को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

प्रधानमंत्री ने बुधवार शाम मुंबई में 'मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव' को संबोधित किया था और इस क्षेत्र के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) तथा अग्रणी हितधारकों के साथ बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि 2014 में उनके पदभार ग्रहण करने के बाद से समुद्री क्षेत्र ने बुनियादी ढांचे, सुधारों और जन भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई बदलाव देखे हैं। मोदी ने कहा कि आज यह क्षेत्र आधुनिक बुनियादी ढांचे, वैश्विक विश्वास और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में तब्दील हो गया है। मैं विश्वास से कह सकता हूं कि भारत निवेश के लिए एक आदर्श स्थान है। हमारे पास बहुत लंबी तटरेखा है। हमारे पास रणनीतिक वैश्विक व्यापार मार्ग हैं, हमारे पास विश्वस्तरीय बंदरगाह हैं और हमारे पास नीली अर्थव्यवस्था की वृद्धि के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण है। हमारे पास बुनियादी ढांचा, नवाचार और उसे हासिल करने का जज्बा है।

मोदी ने कहा कि 'बिल ऑफ लैडिंग बिल' से लेकर भारतीय बंदरगाह विधेयक (2025) तक पांच ऐतिहासिक विधेयकों ने समुद्री शासन को आधुनिक बनाया है। व्यापार को सरल बनाया है, राज्यों को सशक्त बनाया है और भारत को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया है। इस वृद्धि को गति देने के लिए सरकार ने समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी है। मोदी ने कहा कि जहाज निर्माण सहायता योजना, समुद्री विकास कोष और जहाज निर्माण विकास योजना से 4.5 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आकर्षित होगा। साथ ही 2,500 से अधिक जहाजों के निर्माण में मदद मिलेगी। मोदी ने कहा कि यह पहल भारत को जहाज निर्माण और समुद्री नवाचार में वैश्विक अग्रणी देशों में शामिल करेगी। भारत की बंदरगाह क्षमता 1,400 से दोगुनी होकर 2,762 एमएमटीपीए हो गई है और माल ढुलाई (कार्गो हैंडलिंग) 972 से बढ़कर 1,594 एमएमटी हो गई है। जहाज से माल ढुलाई का समय (टर्नअराउंड) 93 से घटाकर 48 घंटे हो गया। शुद्ध अधिशेष 1,026 करोड़ रुपये से नौ गुना होकर 9,352 करोड़ रुपये हो गया। परिचालन अनुपात 73 से बढ़कर 43% हो गया, जो दक्षता के नए युग का प्रतीक है। भारत का नाविक कार्यबल 1.25 लाख से बढ़कर तीन लाख से अधिक है जो वैश्विक नाविक कार्यबल का 12% है। मोदी ने कहा कि भारत दुनिया में प्रशिक्षित नाविकों के शीर्ष तीन आपूर्तिकर्ताओं में है। विझिंजम बंदरगाह भारत का पहला गहरे पानी का ट्रांसशिपमेंट केंद्र है। कांडला बंदरगाह पहली हरित हाइड्रोजन सुविधा युक्त और जेएनपीटी ने अपनी क्षमता दोगुनी कर ली है। बंदरगाह ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित किया है।

● कहा- बंदरगाहों का विकास और समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ के पैकेज को दी मंजूरी

समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने की जरूरत : मांडविया

मुंबई। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। मंत्री ने भारत समुद्री सप्ताह 2025 में दावा किया कि पुर्तगाल के वास्को डी गामा ने भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज नहीं की थी, बल्कि उन्होंने केवल गुजराती नाविकों का पीछा किया था। समुद्री क्षेत्र में पर्याप्त रोजगार सृजन की क्षमता है और 11 वर्ष में भारत में इस क्षेत्र में प्रगति हुई है। मांडविया ने कहा कि समुद्री क्षेत्र वैश्विक क्षेत्र है, भारत को इस पर अधिक ध्यान केंद्रित करना होगा। भारत 18वीं शताब्दी तक एक बड़ी समुद्री शक्ति था, जिसे बाद में ब्रिटिश शासन ने नष्ट कर दिया। भारत का मात्रा के हिसाब से 95 प्रतिशत व्यापार तथा मूल्य के हिसाब से 70 प्रतिशत व्यापार समुद्र के रास्ते होता है। जो देश समुद्र पर राज करते हैं, वे दुनिया पर राज करते हैं।

फेडरल रिजर्व के अस्पष्ट रुख से बाजार में गिरावट सेंसेक्स 593 अंक लुढ़का

मुंबई। विदेशी कोषों की ताजा बिकवाली और अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दरों पर स्पष्ट रुख न आने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार में खासी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 593 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 176 अंक की गिरावट रही।

बीएसई का सेंसेक्स 592.67 अंक टूटकर 84,404.46 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 176.05 अंक टूटकर 25,877.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ लार्सन एंड टुब्रो, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और मारुति के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,540.16 करोड़ के शेयरों की बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,692.81 करोड़ के शेयर खरीदे। बीएसई स्मॉलकैप 0.06 प्रतिशत नुकसान में रहा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप अपरिवर्तित रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में दूरसंचार खंड में 2.52% की गिरावट रही जबकि प्रौद्योगिकी में 1.02%, बैंकिंग में 0.72% और वित्तीय सेवा खंड में 0.59 प्रतिशत की गिरावट रही।

यूपी वेस्ट सर्किल में जियो के 2.5 करोड़ से ज्यादा मोबाइल सब्सक्राइबर : ट्राई

संवाददाता, मेरठ

जियो नंबर-वन पर कायम, एयरटेल से 63 लाख अधिक

● 1.88 करोड़ के साथ एयरटेल दूसरे, 1.39 करोड़ के साथ वोडाफोन आइडिया तीसरे पर

● सितंबर में जियो ने 2 लाख से ज्यादा लोग जोड़े, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया के घटे

अमृत विचार : यूपी वेस्ट सर्किल में रिलायंस जियो के मोबाइल यूजर्स का आंकड़ा बढ़कर 2 करोड़ 51 लाख के पहुंचा गय है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (ट्राई) द्वारा जारी टेलीकॉम सब्सक्रिप्शन डेटा में यह बात सामने आई।

रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में 2 लाख से ज्यादा नए मोबाइल सब्सक्राइबर जियो से जुड़े। इसी दौरान, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने क्रमशः 13 हज़ार और 1.88 लाख सब्सक्राइबर खो दिए, जबकि सरकारी कंपनी बीएसएनएल का प्रदर्शन ठीक रहा, उसने 67 हज़ार नए सब्सक्राइबर जोड़े। ट्राई के अनुसार यूपी वेस्ट सर्किल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य हैं।

भारती एयरटेल 1.88 करोड़ मोबाइल सब्सक्राइबर बेस के साथ यूपी वेस्ट सर्किल में दूसरे नंबर पर है। वोडाफोन-आइडिया के साथ जुड़े यूजर्स की तादाद 1.39 करोड़ रही। वहीं बीएसएनएल का मोबाइल सब्सक्राइबर बेस 52 लाख दर्ज किया गया। यूपी वेस्ट में मोबाइल सब्सक्राइबर के मामले में जियो नंबर वन बनी हुई है। जियो का मोबाइल सब्सक्राइबर बेस, दूसरे नंबर पर काबिज एयरटेल से 63 लाख ज्यादा है। 30 सितंबर 2025 तक यूपी वेस्ट सर्किल में कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस लगभग 6.30 करोड़ रहा। जियो, यूपी वेस्ट सर्विस एरिया में होम ब्रॉडबैंड सेगमेंट में भी सबसे आगे बना हुआ है। जियो का कुल सब्सक्राइबर बेस 14.78 लाख से ज़्यादा है, जिसमें 8.07 लाख जियोफाइबर और 6.71 लाख जियोएयरफाइबर यूज़र हैं।

बीएसएनएल ने लक्षित राजस्व का 93% किया हासिल : सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि बीएसएनएल ने 2025-26 की दूसरी तिमाही में अपने लक्षित राजस्व का 93 प्रतिशत यानी 5,347 करोड़ रुपये हासिल कर लिया। बीएसएनएल की तिमाही समीक्षा के बाद मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में कंपनी का राजस्व 11,134 करोड़ रुपये रहा।

सिंधिया ने कहा कि इस (जुलाई-सितंबर) तिमाही में हमने अपने लक्ष्य का 93 प्रतिशत राजस्व हासिल कर लिया। हमने 5,740 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था जिसमें से हमने 5,347 करोड़ रुपये हासिल कर लिए। इसलिए, हम उस बड़े लक्ष्य के काफी करीब हैं जो हमने पिछले साल की आय में उछाल के आधार पर अपने लिए तय किया था। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में बीएसएनएल का लक्ष्य राजस्व को 20 प्रतिशत बढ़ाकर 27,500 करोड़ रुपये करना है। हमारा एआरपीयू भी बढ़ा है। इस वर्ष की पहली तिमाही में यह 81 रुपये था, जो इस वर्ष की दूसरी तिमाही में बढ़कर 91 रुपये हो गया है। इस प्रकार एआरपीयू में 12 प्रतिशत का सुधार हुआ है। प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) किसी दूरसंचार संचालक की वृद्धि को मापने का एक प्रमुख पैमाना है।

अनिल अंबानी के समूह ने किया 41,900 करोड़ रुपये का दुरुपयोग : कोबरापोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

● रिलायंस समूह ने आरोपों को दुष्प्रचार अभियान एवं साजिश बताते हुए किया खारिज

खोजी ऑनलाइन मंच 'कोबरापोस्ट' ने गुरुवार को दावा किया कि अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनियों ने अपने कोष को दूसरी जगह भेजकर 2006 से अब तक 41,921 करोड़ रुपये का वित्तीय फर्जीवाड़ा किया है। हालांकि, रिलायंस समूह ने इन आरोपों को 'दुष्प्रचार अभियान एवं साजिश' बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया।

कोबरापोस्ट ने रिपोर्ट में कहा कि 28,874 करोड़ रुपये बैंक ऋण, आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और बॉण्ड से जुटाए गए थे। इस रकम को रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस कैपिटल, रिलायंस होम फाइनेंस, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस और रिलायंस कॉरपोरेट एडवाइजरी सर्विसेज जैसी सूचीबद्ध कंपनियों से निकालकर प्रवर्तक से जुड़ी फर्मों में भेज दिया गया। रिपोर्ट में आरोप है कि 1.535 अरब डॉलर (13,047 करोड़ रुपये) विदेशी मुखौटा कंपनियों के मार्फत भारत में धोखाधड़ीपूर्ण तरीके से भेजे गए। सिंगापुर, मॉरीशस, साइप्रस, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड, अमेरिका और ब्रिटेन में पंजीकृत इकाइयों का इस्तेमाल किया गया। कोबरापोस्ट का दावा है कि सिंगापुर स्थित कंपनी 'इमर्जिंग मार्केट इन्वेस्टमेंट्स एंड ट्रेडिंग पीटीई (ईएमआईटीएस)' को रहस्यमयी कंपनी नेक्सजेन कैपिटल से 75 करोड़ डॉलर मिले थे जिन्हें रिलायंस इनोवेंचर्स को स्थानांतरित हुआ। यह रिपोर्ट कहती है कि ये निष्कर्ष सरकारी अभिलेखों, मंत्रालयों, नियामकीय संस्थाओं और विदेशी न्यायालयों के आदेशों पर आधारित हैं।

राष्ट्रीय

ईवीएम का बटन इतनी जोर से दबाएं झटके इटली तक महसूस किए जाएं

नालंदा, लखीसराय और मुंगेर जिले की रैलियों को केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने किया संबोधित

चुनाव रैली में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी।

नालंदा/लखीसराय/मुंगेर, एजेंसी

बिहार विस चुनाव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि बिहार चुनाव में विपक्षी गठबंधन का सफाया हो जाएगा क्योंकि लोग कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान करने और राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री एवं 'छठी मैया' का उपहास किए जाने का बदला लेंगे। नालंदा, लखीसराय और मुंगेर जिलों में एक के बाद एक रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यह दावा कर 'छठी मैया' का अपमान किया है कि छठी मैया की पूजा करने वाले मोदी एवं अन्य लोग नाटक कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर कटाक्ष करते हुए शाह ने लोगों से ईवीएम पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चुनाव चिह्न वाले बटन को इतनी जोर से दबाने का आह्वान किया कि उसके झटके इटली तक महसूस किए जाएं।

गृह मंत्री ने दावा किया कि लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के मुख्यमंत्री रहने के दौरान बिहार में जंगल राज था। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को दिया गया प्रत्येक वोट राज्य में विकास लाएगा। 1992 से 2004 तक लालू-राबड़ी शासन के दौरान बिहार में 32,000 से अधिक अपहरण और 12 बड़े नरसंहार हुए... नीतीश कुमार ने जंगल राज को समाप्त किया... लेकिन राजद एक नए चेहरे के साथ राज्य में जंगल राज को वापस लाने की कोशिश कर रहा है। शाह ने नीतीश कुमार शासन और राजद राज की तुलना करते हुए कहा कि जहां कुमार के 20 साल के शासन में 'एक भी नरसंहार नहीं हुआ', वहीं राजद के सत्ता में रहने के दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में '38 नरसंहार' हुए थे। शाह ने आरोप लगाया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने 10 साल के शासन के दौरान 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले किए जबकि मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भ्रष्टाचार के लिए कोई भी उंगली नहीं उठा सकता। लालू प्रसाद चारा, जमीन के बदले नौकरी, तारकोल और बाढ़ राहत घोटालों में शामिल थे।

राजग के शासन में बिहार प्रगति के पथ पर: नड्डा

नालंदा (बिहार)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के तहत बिहार के विकास ने गति पकड़ी है, जिसने राज्य को अंधकार के युग से निकालकर प्रगति के पथ पर ला दिया है। नालंदा जिले के बख्तियारपुर विस क्षेत्र की रैली में उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और उसकी सहयोगी कांग्रेस को लोगों के कल्याण की फ्रिक नहीं है। 2005 से पहले, बिहार अंधकार के युग में जी रहा था, लेकिन अब चारों ओर प्रगति है। बिहार 'बीमारू' राज्य से एक अग्रणी राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ा है, और यह लोगों की वोट देने की शक्ति के माध्यम से संभव हुआ है। बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को इंगित करने वाला बीमारू संक्षिप्त शब्द है, जो सामाजिक और आर्थिक मापदंडों पर पीछे रहते थे। नड्डा ने कहा कि राजद और कांग्रेस को आपके कल्याण की चिंता नहीं है। लालू जी को अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने की चिंता है, जबकि सोनिया जी को अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाने की चिंता है। राजमार्ग, इंटरनेट, रेलवे और हवाई अड्डे (एचआईआरए) बिहार में विकास के प्रतीक हैं और राजग सरकार द्वारा इनमें सुधार किया जा रहा है। नड्डा ने कहा, "राजग के कार्यकाल में बिहार का रेल बजट नौ गुना बढ़ गया है।

मोदी में ये कहने का दम नहीं कि ट्रंप झूठे हैं: राहुल

नालंदा/शेखपुरा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने का दावा कर प्रधानमंत्री मोदी का 50 बार अपमान किया है, लेकिन मोदी में ये कहने का दम नहीं है कि ट्रंप झूठे हैं। उन्होंने दूसरे दिन दो जनसभाओं को संबोधित किया और दावा किया कि बिहार में सरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नहीं चला रहे हैं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और 'नागपुर' (आरएसएस) चला रहे हैं। राहुल ने दावा किया कि मोदी के हाथ में नीतीश का रिमोट कंट्रोल है। वह जो बटन दबाते हैं, वही चैनल नीतीश चालू कर देते हैं। आखिरी मिनट पर वोट चोरी का प्रयास होगा, लेकिन युवाओं को इसे रोकना है। उन्होंने जनता से वादा किया कि केंद्र में गठबंधन की सरकार बनने पर नालंदा को फिर शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनाया जाएगा तथा महागठबंधन की सरकार सभी वर्गों के लिए काम करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश को लूटा है : राबड़ी देवी

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने प्रधानमंत्री मोदी के उस तंज पर कड़ी प्रतिक्रिया दी कि जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सत्ता में था तो बिहार में शोरूम से वाहन लूटे गये थे। इस टिप्पणी को राबड़ी देवी की सबसे बड़ी बेटी एवं पाटलिपुत्र की सांसद मीसा भारती की शादी के दौरान हुई घटना के अप्रत्यक्ष संदर्भ के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें समारोह के लिए कई नए वाहनों को शोरूम से जबरन बाहर निकाल लिया गया था। प्रधानमंत्री के आरोप पर राबड़ी देवी ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें (मोदी) ही चोर कहा जाना चाहिए। उन्होंने देश को लूटा है। राबड़ी देवी 1997 तक गृहिणी थीं, जब उनके पति एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने चारा घोटाला मामले में सीबीआई के आरोप-पत्र के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

बहाने बनाकर मुआवजा देने से नहीं बच सकतीं बीमा कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी

● अदालत ने द न्यू इंडिया इंश्योरेंस की अपील को किया खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बीमा कंपनियां दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा देने से सिर्फ इसलिए इन्कार नहीं कर सकतीं कि वाहन का मार्ग बदला गया था और यह परमिट का उल्लंघन था। न्यायमूर्ति संजय करोल और प्रशांत मिश्रा की पीठ ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बीमा पॉलिसी का उद्देश्य मालिक या संचालक को ऐसी अप्रत्याशित या दुर्भाग्यपूर्ण घटना होने पर प्रत्यक्ष उत्तरदायित्व से बचाना है।

पीठ ने कहा कि केवल इसलिए पीड़ित या आश्रितों को मुआवजा देने से इन्कार करना कि दुर्घटना परमिट सीमा के बाहर हुई और इसलिए बीमा पॉलिसी के दायरे से बाहर है, न्याय की भावना के लिए अपमानजनक होगा। बीमा कंपनी को निश्चित रूप से भुगतान करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने वाहन मालिक और बीमा कंपनी 'द न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड' द्वारा दायर अपील को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। सात अक्टूबर 2014 को एक मोटरसाइकिल चालक को तेज गति व लापरवाही से चलाए जा रहे वाहन ने टक्कर मार दी थी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने ब्याज सहित 18.86 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था। मुआवजे की राशि से असंतुष्ट होकर याचिकाकर्ता ने कर्नाटक हाईकोर्ट में इस आधार पर अपील दायर की कि न्यायाधिकरण ने मुआवजे की गणना सही ढंग से नहीं की थी। बीमा कंपनी ने न्यायाधिकरण के आदेश को इस आधार पर चुनौती दी कि बीमाकर्ता ने पॉलिसी में उल्लिखित शर्तों का उल्लंघन किया है।

दिल्ली दंगा 2020

पुलिस ने किया उमर, शरजील की जमानत का विरोध

दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों के कथित षडयंत्र से संबंधित यूएपीए मामले में कार्यकर्ताओं उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में विरोध किया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की आड़ में सत्ता परिवर्तन अभियान (रिजीम चेंज ऑपरेशन) के जरिए देश की संप्रभुता और अखंडता पर हमला करने की साजिश रची। दिल्ली पुलिस ने हलफनामे में दलील दी कि कथित अपराधों में देश को अस्थिर करने का जानबूझकर किया गया प्रयास शामिल है, जिसके लिए जमानत नहीं बल्कि जेल उचित है। पुलिस ने कहा कि उसने आरोपियों के खिलाफ प्रत्यक्ष, दस्तावेजी और तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए हैं, जो सांप्रदायिक आधार पर देशव्यापी दंगों को अंजाम देने में उनकी गहरी और संगठित संलिप्तता को दर्शाते हैं। खालिद, इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं पर शुक्रवार को न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ के समक्ष सुनवाई होनी है।

न्यायिक अधिकारी से जुड़े 'हिट-एंड-रन' मामले की सुनवाई पंजाब से दिल्ली स्थानांतरित की

सुप्रीम कोर्ट ने परिवीक्षाधीन न्यायिक अधिकारी से जुड़े कथित 'हिट एंड रन' मामले को पंजाब से रोहिणी की अदालत में स्थानांतरित करने की गुरुवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मृतक के परिवार द्वारा मुकदमे में पक्षपात का आरोप लगाए जाने के बाद मामले को स्थानांतरित कर दिया। मृतक के परिजन का कहना है कि आरोपी न्यायिक अधिकारी है, जिससे मुकदमे में पक्षपात हो रहा है। सुनवाई के दौरान न्यायिक अधिकारी के वकील ने कहा कि यदि मुकदमे को पंजाब से दिल्ली स्थानांतरित किया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि मुकदमे को उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थानांतरित किया जाए क्योंकि मृतक की रिश्तेदार दिल्ली में वकील हैं।

डिजिटल अरेस्ट में 1.2 करोड़ गंवाने के कुछ हफ्ते बाद बुजुर्ग की मौत

पुणे। डिजिटल अरेस्ट में 1.2 करोड़ रुपये गंवाने वाले 83 वर्षीय बुजुर्ग की एक माह बाद दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि धोखाधड़ी करने वालों ने खुद को पुलिस और सीबीआई कर्मी बताकर बुजुर्ग और उनकी पत्नी को फंसाया था।

उन्होंने बताया कि जालसाजों ने सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी को धमकी देकर दावा किया कि उनका नाम प्रमुख व्यक्ति से जुड़े धन शोधन मामले में आया है। साइबर पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग व्यक्ति की पत्नी ने दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत के एक सप्ताह बाद इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई।

बुजुर्ग को अगस्त में एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को कोलाबा पुलिस थाने का अधिकारी बताया। आरोपी ने नरेश गोयल धन शोधन मामले का हवाला दिया और बुजुर्ग व्यक्ति से कहा कि उनकी संलिप्तता सामने आई है लेकिन उन्होंने इन्कार कर दिया। एक अन्य वीडियो कॉल के दौरान दो जालसाजों ने खुद को आईपीएस विजय खन्ना और सीबीआई अधिकारी दया नायक बताते हुए धमकी दी कि उन्हें और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके बाद दंपति को घंटों तक वीडियो कॉल पर रहने के लिए मजबूर किया गया और ठगा गया।

भारत में 2022 में पीएम 2.5 प्रदूषण से 17 लाख से अधिक मौतें : लांसेट

नई दिल्ली, एजेंसी

● लांसेट में प्रकाशित वैश्विक रिपोर्ट अनुसार 44% मौतों के लिए जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार

● 71 संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के 128 विशेषज्ञों ने तैयार की रिपोर्ट

वर्ष 2022 में भारत में मानवजनित पीएम 2.5 वायु प्रदूषण से 17 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई जो 2010 की तुलना में 38% अधिक है। इनमें से 44% मौतों के पीछे जीवाश्म ईंधन का उपयोग जिम्मेदार रहा। यह जानकारी द लांसेट पत्रिका में प्रकाशित वैश्विक रिपोर्ट में दी गई है।

'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्ट' के अनुसार, सड़क परिवहन में पेट्रोल के उपयोग से ही 2.69 लाख मौतें हुईं। 2022 में बाहरी वायु प्रदूषण के कारण समय से पहले होने वाली मौतों से भारत को 339.4 अरब डॉलर (जीडीपी का 9.5%) का आर्थिक नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के नेतृत्व में 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के 128 विशेषज्ञों की अंतर्राष्ट्रीय टीम ने तैयार की है। यह रिपोर्ट 30वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (सीओपी30) से पहले प्रकाशित की गई है और जलवायु परिवर्तन तथा स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक का सबसे व्यापक आकलन मानी जा रही है।

रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब दिल्ली में लगातार वायु गुणवत्ता खराब से बेहद खराब श्रेणी के बीच बनी हुई है। बीते सप्ताह प्रदूषण से निपटने को कई इलाकों में कृत्रिम वर्षा के प्रयोग हुए, लेकिन पर्यावरण विशेषज्ञों ने कहा कि यह वायु गुणवत्ता में गिरावट के मूल कारणों को हल नहीं करता। भारत में 2022 में मानवजनित वायु प्रदूषण (पीएम2.5) से 17,18,000 मौतें हुईं, जो 2010 की तुलना में 38% अधिक हैं। इनमें 7,52,000 (44%) मौतें जीवाश्म ईंधन (कोयला व तरल गैस) से जुड़ी थीं।

वर्ल्ड ब्रीफ

कनाडा के एडमंटन में भारतीय मूल के व्यक्ति की हत्या

ओटावा। कनाडा के एडमंटन में भारतीय मूल के व्यवसायी की उस समय हत्या कर दी गई, जब उन्होंने अपनी कार पर पेशाब कर रहे एक अजनबी का विरोध किया। एडमंटन पुलिस सेवा के मुताबिक मृतक की पहचान अरवी सिंह सग्गू के रूप में की गई है, जिन्होंने घटना के पांच दिन बाद दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल पर अरवी को बेहोशी की हालत में पाया गया था। उसे प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल ले जाया गया। अरवी ने 24 अक्टूबर को अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि 40 वर्षीय काइल पैपिन को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बयान में कहा गया, दोनों व्यक्ति एक-दूसरे को नहीं जानते थे।

अमेरिका से तहव्वुर राणा के पाकिस्तानी संबंधों की जांच में मांगी मदद

नई दिल्ली। भारत ने 2008 के मुंबई हमलों में भूमिका के लिए अमेरिका में दोषी ठहराए गए पाकिस्तानी-कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर हुसैन राणा के पाकिस्तान के साथ संबंधों की जांच के सिलसिले में अमेरिका से मदद मांगी है। एनआईए ने गृह मंत्रालय के जरिए अमेरिकी अधिकारियों से औपचारिक संपर्क किया है। यह कदम मुंबई आतंकवादी हमलों के पीछे के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने और जरूरी सबूत जुटाने के भारत के प्रयासों का हिस्सा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एनआईए ने अपने अमेरिकी समकक्षों को कुछ विशिष्ट प्रश्न भेजे हैं, जिनमें राणा के पाकिस्तानी संस्थाओं के साथ संबंधों के बारे में जानकारी मांगी गई है।

नेपाल : अन्नपूर्णा आधार शिविर में फंसे 17 भारतीय बचाए गए

काठमांडू। नेपाल के म्यागदी स्थित अन्नपूर्णा आधार शिविर में फंसे 17 भारतीय पर्यटकों समेत 72 पर्वतारोहियों को सुरक्षाकर्मियों ने बृहस्पतिवार को बचा लिया। सशस्त्र पुलिस बल के सूत्रों के अनुसार, अन्नपूर्णा आधार शिविर पहुंचे सभी विदेशी पर्यटक भारतीय नागरिक थे। 'हिडन वैली' के नाम से प्रसिद्ध धौलागिरी सर्किट मार्ग पर भारी बर्फबारी के कारण ट्रैक रूट अवरुद्ध हो गया था। यह मार्ग म्यागदी और मुस्तांग जिलों को जोड़ता है। पहाड़ी क्षेत्र में फंसे लोगों की सहायता के लिए मुस्तांग से एक बचाव दल तैनात किया गया। एपीएफ सूत्रों ने बताया कि फंसे हुए लोगों को 4,190 मीटर की ऊंचाई से बचाया गया और सुरक्षित रूप से अन्नपूर्णा ग्रामीण नगर पालिका में लाया गया। यहां सोमवार रात से हो रही भारी बारिश और बर्फबारी से ट्रैक रूट बाधित हो गया और इस कारण समूह वापस नहीं लौट सका।

अमेरिका: निर्दोष होकर भी 43 साल जेल, और अब निर्वासन

फिलाडेल्फिया, एजेंसी

- भारतीय मूल के वेदम पर लगा था मित्र की हत्या करने का आरोप

अपने मित्र की 1980 में हुई हत्या के आरोप से बरी होने का इंतजार करते हुए 43 वर्ष जेल में बिताने के बाद भारतीय मूल के सुब्रमण्यम वेदम को इस महीने पेंसिल्वेनिया की जेल से रिहा होना था। लेकिन उन्हें संघीय अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया, क्योंकि उनके खिलाफ 1999 का एक पुराना निर्वासन आदेश अभी प्रभावी है।

पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के प्राध्यापकों के पुत्र वेदम और थॉमस किंसेर की उम्र 1980 में करीब 18 वर्ष थी। किंसेर की हत्या के मामले में प्रत्यक्षदर्शी या कोई ठोस कारण न होने के बावजूद वेदम को दो बार दोषी ठहराया गया था। अगस्त में एक न्यायाधीश ने वेदम की सजा रद्द कर दी जब उनके वकीलों को नए साक्ष्य मिले, जिन्हें अभियोजन पक्ष ने पहले उजागर नहीं किया था। तीन अक्तूबर को 64 वर्षीय वेदम की बहन उन्हें घर ले जाने की तैयारी कर रही थीं, तभी आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। अब उन्हें निर्वासन के खिलाफ एक नई कानूनी लड़ाई लड़नी होगी।

वेदम नौ महीने की उम्र में भारत से अमेरिका आए थे। निर्वासन पर ट्रंप प्रशासन के कड़े रुख के बीच, वेदम के वकीलों को यह साबित करना होगा कि 1980 के दशक में मादक पदार्थ के मामले में उनकी दोषसिद्धि के बजाय उनकी गलत सजा के 43 वर्ष को तवज्जो दी जानी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन की एक और चेतावनी

पहले से ज्यादा विनाशकारी तूफान

वैसे तो दुनिया में तूफानों की संख्या में पिछले वर्षों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है लेकिन जलवायु परिवर्तन ने उन्हें पहले से ज्यादा शक्तिशाली और विनाशकारी जरूर बनाया है। वैज्ञानिक दावों के मुताबिक दुनिया में आने वाले तूफानों की तीव्रता लगातार बढ़ रही है, वे अपने साथ पहले से ज्यादा वर्षा भी ला रहे हैं। तूफान गर्म महासागरों से उत्पन्न होते हैं, जहां हवा में नमी के कारण कम दबाव वाला क्षेत्र बनता है जो तेज़ हवाओं और भारी बारिश का कारण बनता है। श्रेणी पांच के चक्रवातों को सबसे घातक तूफान माना जाता है जिनकी हवा की गति 252 किमी प्रति घंटा से भी अधिक होती है। वैज्ञानिक पूर्वानुमान हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण निकट भविष्य में तूफानों की तीव्रता और वर्षा और भी बढ़ेगी। भारत फिलहाल मोंथा तूफान का कहर झेल रहा है। दुनिया के कई और देश भी अलग-अलग तूफानों की विनाशलीला का सामना कर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

- समुद्र की सतह के गर्म होने से तूफानों को अधिक ऊर्जा मिलती है, जिससे उनकी हवा की गति बढ़ जाती है।
- गर्म हवा अधिक नमी धारण कर सकती है, इससे तूफान अधिक बारिश लाते हैं और बाढ़ का खतरा बढ़ाते हैं।
- जलवायु परिवर्तन से तूफानों को बाधित करने वाली हवा धीमी हो रही है, इससे तूफान और तीव्र होने लगते हैं।
- जलवायु परिवर्तन से श्रेणी 4 और श्रेणी 5 के तूफानों की संख्या में वृद्धि हुई है जो काफी खतरनाक माने जाते हैं।

कैसे पैदा होते हैं तूफान

- गर्म महासागरों पर हवा गर्म होकर ऊपर उठती है और एक कम दबाव वाला क्षेत्र बनाती है।
- इससे खाली हुई जगह भरने के लिए नम हवा तेजी से ऊपर आती है, जिससे बादल बनते हैं।
- हवा का यह घूमने वाला पैटर्न बड़ा चक्रवात बनाता है, तेज हवा के साथ भारी बारिश होती है।
- हवा की गति 63 किमी प्रति घंटा से अधिक होने पर इसे उष्णकटिबंधीय तूफान कहा जाता है।
- 119 किमी से तेज तूफान अटलांटिक-प्रशांत में हरिकेन, हिंद महासागर में चक्रवात कहलाते हैं।

भारत में कब कितनी तबाही

- वर्ष 1999 में आए ओडिशा सुपर साइक्लोन की गति 260 किमी/घंटा थी, इसमें 10,000 से अधिक लोगों की मौत और बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान हुआ।
- वर्ष 1977 में आए आंध्र तटीय चक्रवात की भी रफ्तार 250 किमी/घंटा थी, इससे भी 10,000 से अधिक मौतें होने के साथ लाखों लोगों को बेघर होना पड़ा।
- वर्ष 1971 में आए ओडिशा चक्रवात भी विनाशकारी था, इससे हजारों लोगों की जान चली गई थी और 10 लाख से ज्यादा लोगों को बेघर होना पड़ा था।

- दुनिया भर में हर साल आते हैं करीब 80 उष्णकटिबंधीय चक्रवात

सबसे विनाशकारी तूफान

- बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) में 1970 में आए ग्रेट भोला चक्रवात से 5 लाख लोगों की मौत हुई थी।
- अमेरिका में 2024 में हरिकेन मिल्टन से भारी तबाही, अनुमानित तौर पर 60 बिलियन डॉलर से अधिक क्षति।
- वर्ष 2013 में फिलीपींस में हरिकेन हैयान ने रिकॉर्डतोड़ गति और तूफानी लहरों के साथ बड़े पैमाने पर विनाश।
- वर्ष 2024 में ही हरिकेन हेलेन से अमेरिका, क्यूबा, मैक्सिको में 55 बिलियन डॉलर का नुकसान, 232 मौत।

शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप ने चीन पर टैरिफ घटाकर 47% किया

बीजिंग दुर्लभ धातुओं के निर्यात और अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमत

एयर फोर्स वन विमान से, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा कि वह चीन पर लगाए गए टैरिफ में कटौती करेंगे जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमति जताई है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से कहा कि अमेरिका इस वर्ष की शुरुआत में चीन पर लगाए गए 20 प्रतिशत के दंडात्मक टैरिफ में कटौती कर इसे 10 प्रतिशत करेगा। ये टैरिफ फेंटानिल बनाने में उपयोग होने वाले रसायनों की बिक्री को लेकर लगाए गए थे। इसके साथ ही चीन पर कुल संयुक्त टैरिफ दर 57 प्रतिशत से घटकर 47 प्रतिशत रह जाएगी। ट्रंप ने कहा, अगर मैं इस बैठक का शून्य से 10 के पैमाने पर आकलन करूं तो 10 अंक दूंगा, बल्कि मैं बैठक को 12 अंक दूंगा। उन्होंने बताया कि वह अप्रैल में चीन की यात्रा करेंगे और शी चिनफिंग उसके कुछ समय बाद अमेरिका आएंगे।

ट्रंप ने कहा कि दोनों नेताओं ने उन्नत कंप्यूटर चिप्स के निर्यात पर भी चर्चा की। एनविडिया कंपनी इस मुद्दे पर चीनी अधिकारियों से बातचीत करेगी। ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही चीन के साथ एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हमारे बीच अब बहुत कम बड़े अवरोध बचे हैं। ट्रंप और शी जिनपिंग की बैठक दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई, जो ग्योंगजू से लगभग 76 किमी दक्षिण में स्थित है।

दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई ट्रंप और शी जिनपिंग के बीच बैठक।

टिकटॉक के स्वामित्व पर फैसला नहीं, वार्ता जारी

बुसान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन के शीर्ष नेता शी जिनपिंग के साथ बृहस्पतिवार को हुई बैठक में व्यापार तनाव कम करने के लिए कई फैसले लिए गए लेकिन टिकटॉक के स्वामित्व पर कोई समझौता नहीं हो सका। बैठक के बाद चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, चीन टिकटॉक से संबंधित मुद्दों को उचित तरीके से हल करने के लिए अमेरिका के साथ काम करेगा। इसमें अमेरिका में लोकप्रिय 'वीडियो-शेयरिंग' मंच के भाग्य के बारे में अनिश्चितता को समाप्त करने की दिशा में किसी भी प्रगति के बारे में कोई विवरण नहीं दिया गया। ट्रंप प्रशासन संकेत दे रहा था कि वह अंततः अमेरिका में टिकटॉक को चालू रखने के लिए बीजिंग के साथ एक समझौते पर पहुंच गया है। राजस्व मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने रविवार को सीबीएस टीवी चैनल के कार्यक्रम में कहा था कि दोनों नेता बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया में इस समझौते को अंतिम रूप देंगे।

- दक्षिण कोरिया में 100 मिनट लंबी बैठक के बाद ट्रंप ने आशावादी रुख दिखाया लेकिन दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव की आशंका अब भी बनी हुई है। दोनों देश उद्योग, एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास और यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक मामलों में प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ट्रंप ने दूसरे कार्यकाल आक्रामक रूप से टैरिफ लगाए थे और इसके जवाब में चीन ने दुर्लभ मृदा तत्वों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया, जिसके मद्देनजर यह बैठक आवश्यक हो गई थी।

भारत के प्रतिकूल फैसला

विदेशी गैरप्रवासी श्रमिकों के लिए वर्क परमिट का स्वतः विस्तार समाप्त

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की पिछली सरकार के एक नीतिगत फैसले को वापस ले लिया और वर्क परमिट के विस्तार का अनुरोध करने वाले विदेशी गैरप्रवासी वीजा धारकों के दोबारा सत्यापन को अनिवार्य कर दिया है। यानी अब उन्हें वर्क परमिट बढ़वाने के लिए फिर से सुरक्षा जांच या सत्यापन प्रक्रिया से गुजरना होगा। इस कदम का असर भारतीय नागरिकों पर भी पड़ने की संभावना है। कुछ श्रेणियों के विदेशी कामगारों के लिए रोजगार अनुमति पत्र (ईएडी) की वैधता को स्वतः बढ़ाने की प्रक्रिया को समाप्त करने वाले नए नियम बृहस्पतिवार से लागू हो गए। बाइडन प्रशासन ने मई 2022 में उन नियमों में संशोधन किया था, जिनके तहत रोजगार अनुमति पत्र के नवीनीकरण के लिए नए आवेदन दाखिल करने पर आवेदकों को बिना किसी सत्यापन प्रक्रिया के स्वतः ही 540 दिनों का विस्तार मिल जाता था। बिना किसी सत्यापन प्रक्रिया के विस्तार देने का बाइडन सरकार का निर्णय उस दौरान वर्क परमिट प्रदान करने के लिए लंबित 15 लाख अनुरोधों को देखते हुए लिया गया था क्योंकि ऐसी आशंका थी कि इन अनुरोधों को सत्यापित और संसाधित करने में देरी से बेरोजगारी बढ़ सकती है।

रूस से तेल आयात कम करने के मुद्दे पर बहुत अच्छा रहा है भारत का रुख: ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस से तेल आयात कम करने के मुद्दे पर भारत का रुख बहुत अच्छा रहा है। उन्होंने अपने इस दावे को दोहराया कि मॉस्को से अपनी ऊर्जा खरीद में भारत उल्लेखनीय कमी लाएगा।

ट्रंप बुसान में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक के बाद वाशिंगटन लौटते समय एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनसे रूसी तेल खरीद के बारे में पूछा गया। ट्रंप ने कहा, शी लंबे समय से रूस से तेल खरीद रहे हैं। यह चीन के एक बड़े हिस्से की देखभाल करता है। और, आप जानते हैं, मैं कह सकता हूँ कि भारत इस मोर्चे पर बहुत अच्छा रहा है। लेकिन हमने तेल पर ज्यादा चर्चा नहीं की। हमने साथ मिलकर काम करने पर चर्चा की ताकि यह देखा जा सके कि क्या हम उस युद्ध को ख़त्म कर सकते हैं।

परमाणु हथियारों का फिर से परीक्षण शुरू करेगा अमेरिका

बुसान, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि उनका देश तीन दशकों में पहली बार परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह परीक्षण रूस और चीन के समान स्तर पर किया जाएगा।

ट्रंप ने अपने बयान में अमेरिकी नीति में संभावित बड़े बदलाव की बहुत कम जानकारियां दी हैं। ट्रंप ने यह घोषणा बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात से कुछ मिनट पहले अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर की। अमेरिकी सेना पहले से ही परमाणु मुखास्त्र ले जाने में सक्षम मिसाइलों के परीक्षण करती रही है, लेकिन 1992 से अमेरिका ने परमाणु विस्फोट परीक्षणों पर रोक लगा रखी है। ट्रंप ने कहा कि अब बदलाव जरूरी है क्योंकि अन्य देश हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि वह किन देशों की बात कर रहे हैं, लेकिन यह बयान शीत युद्ध काल जैसी परमाणु होड़ की याद दिलाता है।

- ट्रंप ने बुसान में किया एलान, अन्य देशों के परीक्षणों को बताया कारण

उन्होंने कहा, दूसरे देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि हमारे परमाणु हथियारों का समान स्तर पर परीक्षण शुरू करें। यह प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। व्हाइट हाउस ने इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन के अधिकारियों ने भी परमाणु मिसाइल परीक्षणों पर ट्रंप की घोषणा पर सवालों का जवाब नहीं दिया।

चीन अंतरिक्ष में चूहों पर करेगा शोध अध्ययन

जिक्वान। चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन तियांगोंग पर चूहों पर वैज्ञानिक शोध करेगा। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी 'चाइना मैन्ड स्पेस स्पेस एजेंसी' (सीएमएसए) ने बताया कि दो नर और दो मादा चूहों को शेनझोउ-21 अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष स्टेशन ले जाया जाएगा और उन पर शोध किया जाएगा।

शेनझोउ-21 को शुक्रवार रात 11:44 बजे उत्तर-पश्चिम चीन के जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा। इस यान से अंतरिक्ष यात्री झांग लू, वू फी और झांग होंगझांग रवाना होंगे। सीएमएसए के प्रवक्ता झांग जिंगबो ने शेनझोउ-21 के उड़ान भरने से एक दिन पहले कहा कि यह पहली बार है जब चीन चूहों पर अंतरिक्ष में प्रयोग करने जा रहा है। कक्षा में सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण जैसी अंतरिक्ष की स्थितियों का इन चूहों के व्यवहार पर पड़ने वाले असर का अध्ययन किया जाएगा। झांग ने कहा कि बाद में चूहों को अन्य अंतरिक्ष यान से वापस पृथ्वी पर लाया जाएगा। यहां पृथ्वी पर उन पर फिर से वैज्ञानिक शोध किया जाएगा कि अंतरिक्ष वातावरण में चूहों के विभिन्न ऊतकों और अंगों पर क्या प्रभाव पड़ा।

- आज रात अंतरिक्ष रवाना होगा चीन का शेनझेउ- 21 यान

रूस के हमलों के बाद पूरे यूक्रेन में बिजली गुल

कीव, एजेंसी

रूस ने एक बार फिर ड्रोन और मिसाइल से बड़े पैमाने पर हमला करके यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया, जिसके कारण बृहस्पतिवार को पूरे देश में बिजली गुल हो गई। यूक्रेनी प्रधानमंत्री ने रूस की इस रणनीति को 'व्यवस्थित ऊर्जा आतंक' करार दिया है।

इन हमलों में कम से कम दो लोगों की मौत भी हो गई और 17 घायल हो गए। रूस कड़ाके की सर्दी शुरू होने के साथ ही यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को नुकसान पहुंचा रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने हमले में 650 से ज्यादा ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 50 से अधिक मिसाइलें दागीं। यूक्रेन के शहर पानी, सीवेज और 'हीटिंग सिस्टम' चलाने के लिए केंद्रीकृत सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करते हैं और बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण ये काम नहीं कर पाते। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने कहा, रूस व्यवस्थित ऊर्जा आतंक जारी रखे हुए है और सर्दियां शुरू होते ही यूक्रेनवासियों के जीवन और गरिमा पर प्रहार कर रहा है। उसका लक्ष्य यूक्रेन को अंधकार में डुबोना है, हमारा लक्ष्य प्रकाश बरकरार रखना है। उन्होंने कहा, इस आतंक को रोकने के लिए यूक्रेन को और अधिक वायु रक्षा प्रणालियों, मॉस्को के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों और अधिकतम दबाव बनाने की आवश्यकता है।

- सर्दी शुरू होने से पहले यूक्रेन को भीषण संकट में लाने की रणनीति

पुतिन का यूक्रेन के दो शहरों को घेरने का दावा

कीव। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को दावा किया कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के दो प्रमुख पूर्वी शहरों में यूक्रेनी सेना को घेर लिया है और उनसे आत्मसमर्पण करने को कहा है, वहीं यूक्रेन के सैन्य अधिकारियों ने पुतिन के इस दावे का खंडन किया है। पुतिन ने मॉस्को के एक सैन्य अस्पताल में घायल सैनिकों के साथ बातचीत में कहा कि रूसी सैनिक यूक्रेन और पश्चिमी देशों के पत्रकारों के लिए सुरक्षित गलियारे खोलने के लिए तैयार है ताकि वे अपनी आंखों से देख सकें कि क्या हो रहा है।

कनाडा में मनी दिवाली, उत्तराखंडी संस्कृति की जगमग

अमृत विचार संवाददाता, टोरेंटो

कनाडा में उत्तराखंड कल्चरल एसोसिएशन ऑफ कनाडा की तरफ से दिवाली धूमधाम के साथ मनाई गई। मेयर पैट्रिक ब्राउन ने दीप प्रज्वलित कर इसका आगाज किया और उत्तराखंड परिवार को बधाई भी दी। इस दौरान सभी अपने पारंपरिक परिधानों में आए।

आयोजन में कनाडा भर से उत्तराखंडी समुदाय के सदस्यों के साथ अन्य भारतीय समुदायों के प्रतिनिधियों व स्थानीय अतिथियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। शुरुआत भारत और कनाडा के राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसने आपसी सम्मान और सांस्कृतिक एकता का संदेश प्रसारित किया। मेयर ने भारतीय समुदाय की सक्रियता, योगदान और सांस्कृतिक विविधता की सराहना की। दीप प्रज्वलन के बाद गणेश वंदना तथा उत्तराखंड के लोकनृत्य झोड़ा, चांचरी और छपेली की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। बच्चों और युवाओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर वातावरण को उल्लास से भर दिया।

दिवाली के आयोजिन में मेयर पैट्रिक ब्राउन और उत्तराखंडी समुदाय के सदस्य।

संघ के अध्यक्ष संजय जोशी ने कहा कि ऐसे आयोजन कनाडा में बसे उत्तराखंडवासियों को जड़ों से जोड़ते हैं और आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराते हैं। कार्यक्रम सफल बनाने में संजय जोशी, राज कोठियाल, मनु जखवाल, मुकेश रावत, कोषाध्यक्ष, नीरजा जोशी, सीमा कांती पराशर, बबीता तिवारी कपूर, गीतू बहुगुणा और श्वेता कोठियाल ने योगदान दिया।

- उत्तराखंड कल्चरल एसोसिएशन ऑफ कनाडा ने किया आयोजन

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 31 अक्टूबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 10.03 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

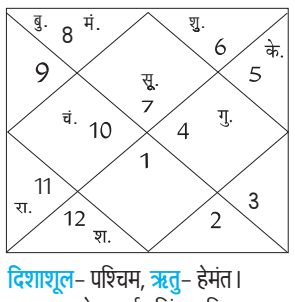

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 18.51 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष आज राजनीति से जुड़े लोगों को अत्यधिक यश प्राप्त होगा। मित्रों से सुखद समाचार मिल सकता है। अधिकारी वर्ग से अपने संबंध मधुर रखें। धार्मिक कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं। बच्चों के साथ बहुत ही अच्छा समय बिताएंगे।

वृष आज पूरा दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। परिवार में कुछ कलह हो सकती है। सोशल मीडिया पर आप आप सक्रिय रहेंगे। लोग आपके व्यवहार से प्रभावित रहेंगे। व्यर्थ की गतिविधियों में ध्यान न दें। संतान पक्ष से हर्षदायक समाचार प्राप्त होगा।

मिथुन आज उच्च अधिकारियों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। नकारात्मक विचारों से दूरी बनाकर रखें। दूसरों के साथ मिलकर किए गए कार्यों में तालमेल को लेकर समस्या हो सकती है। धैर्य से निर्णय न लेने के कारण आपको नुकसान हो सकता है।

कर्क आज दिन की शुरुआत में आलस्य हो सकता है। राजनीतिक लोगों के लिए का दिन शुभ नहीं है। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। मित्रों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलेगा।

सिंह आज आर्थिक उन्नति होने के योग बन रहे हैं। कानूनी अड़चनों को दूर करने में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपको आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। बुद्धिमान व्यक्तियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रेम संबंधों को आप काफी समय देंगे।

कन्या आज पुराने कार्यों को पूरा करने की चिंता रहेगी। विदेश से नए जॉब के ऑफर मिलने के योग बन रहे हैं। परिवार को आप अत्यधिक महत्व देंगे। उधार में लिया हुआ धन वापस लौटा सकते हैं। सेहत के मामले में काफी फिट रहेंगे।

तुला आज शेयर मार्केट और म्यूचुअल फंड में निवेश से लाभ मिलेगा। दूसरों के सामने अपनी बातें खुलकर रखें। आपको नए स्रोतों से धन प्राप्त होगा। घर के वातावरण में थोड़ी गंभीरता रहेगी। गृहस्थ जीवन में प्रेम और सद्भावना बढ़ेगी।

वृश्चिक आज परिजनों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिलेगा। अधिक बोलने से आपका अनादर हो सकता है। आपको अधिक भागदौड़ नहीं करनी चाहिए। दुविधा के कारण काम प्रभावित हो सकते हैं। विरोधी आपको भ्रमित करने का प्रयास कर सकते हैं।

धनु आज जॉब की तलाश कर रहे व्यक्तियों को सफलता मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतरीन रहने वाली है। व्यवसाय में आशा के अनुरूप लाभ मिलेगा। अपने महत्वपूर्ण लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

मकर आज सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें। लोग आपका मनोबल भी गिराने का प्रयास कर सकते हैं। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार खराब न करें। उधार लेन-देन से बचें। व्यर्थ की भागदौड़ करने से आपका स्वास्थ्य कमजोर हो सकता है।

कुंभ आज आपको सुखद समाचार प्राप्त होंगे। आपके द्वारा दी गई सलाह से लोगों को लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे। नए व्यवसाय में आप जुड़ने का प्रयास कर सकते हैं। दोस्तों के साथ पुरानी यादें साझा करेंगे।

मीन आज आपका मन थोड़ा विचलित रहेगा। संपत्ति के दस्तावेजों को संभालकर रखें। अत्यधिक श्रम करने के कारण आपको थकान महसूस होगी। अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें। वाणी में संयम रखें। प्रतिद्वंद्वियों से आपको सावधान रहना चाहिए।

सुडोकू-146

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		3
	2				3			4
	5							7
		3	4					
		8				9		
		1		7	9	6		
6			8				1	
4			9					
7		9						

सुडोकू - 145 का हल

9	5	1	2	6	7	4	3	8
2	7	8	3	4	5	6	1	9
6	4	3	9	8	1	2	7	5
3	2	5	1	7	9	8	4	6
4	8	9	6	2	3	1	5	7
7	1	6	8	5	4	3	9	2
5	6	7	4	1	2	9	8	3
1	3	2	7	9	8	5	6	4
8	9	4	5	3	6	7	2	1

"मुंबई के अनुभवी बल्लेबाजों जैसे अजिंक्य रहाणे को नेट्स पर गेंदबाजी करने से उनके ऑफ-स्पिन कौशल को निखारने में मदद मिली। मुंबई रणजी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो भारत के लिए खेल चुके हैं और वे स्पिन के खिलाफ किसी भी टीम में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं।
-तनुश कोटियन

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

भारतीय महिला टीम विश्व विजेता बनने से एक कदम दूर

आईसीसी महिला विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया, दक्षिण अफ्रीका से होगा खिताबी मुकाबला

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय महिला टीम विश्व विजेता बनने से महज एक कदम दूर है। आज भारतीय टीम के साथ भाग्य भी था। ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्ररक्षकों ने कैच करने के कई मौके गंवाए जिसका फायदा मेजबान टीम को मिला। रॉड्रिग्स और हरमनप्रीत ने संयम से खेलते हुए तीसरे विकेट के लिए 156 गेंद में 167 रन की भागीदारी निभाई जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। हरमनप्रीत ने 88 गेंद में 10 चौके और दो छक्के जड़े। फॉर्म में चल रही प्रतिका रावल के चोटिल होने के कारण अंतिम एकादश में शामिल हुईं शेफाली वर्मा (10) दूसरे ही ओवर में किम गार्थ की गेंद पर पगबाधा हो गईं।

मेजबान टीम ने फिर पावरप्ले में अपनी स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना (24 रन) का विकेट गंवा दिया। गार्थ की गेंद पर विकेटकीपर हीली ने कैच लपका लेकिन अंपायर ने इसे वाइड करार दिया। पर हीली ने रिव्यू लेने का फैसला किया जिसमें गेंद मंधाना के बल्ले के किनारे से छूती हुई दिखी और ऑस्ट्रेलिया को 10वें ओवर में अहम विकेट मिल गया। इस समय भारत का स्कोर 59 रन था। रॉड्रिग्स ने अपनी पारी के दौरान कट शॉट और स्वीप शॉट लगाने के साथ बीच बीच में एक दो रन लेकर सतर्कता से पारी को आगे बढ़ाया। तो वहीं हरमनप्रीत ने अर्धशतक पूरा करते ही आक्रामकता बरतते हुए तहलिया मैकग्रा पर एक्स्ट्रा कवर में और एशले गार्डनर पर काउ कॉर्नर पर छक्का जड़ा। भारत ने 30 ओवर में दो विकेट पर 189 रन बना लिए थे जबकि ऑस्ट्रेलिया का स्कोर इस समय दो विकेट पर 193 रन था। इस तरह टीम को 20 ओवर में जीत के लिए 150 रन की दरकार थी और उसके आठ विकेट बाकी थे। रॉड्रिग्सजब 82 रन पर थी तब उन्हें हीली ने अलाना किंग की गेंद पर जीवनदान दिया।

हरमनप्रीत को पैर की मांसपेशियों में खिंचाव से परेशानी हो रही थी और पर कुछ देर बाद उन्होंने अनाबेल सदरलैंड की गेंद को पुल किया लेकिन यह उनके बल्ले के ऊपर हिस्से से लगकर हवा में चली गई और गार्डनर ने कैच लपकने में कोई गलती नहीं की। भारत को 36वें ओवर में तीसरा झटका 226 रन पर लगा। दीप्ति शर्मा (24 रन, 17 गेंद, तीन चौके) और रिचा घोष (26 रन, 16 गेंद, दो चौके, दो छक्के) ने अंत में उपयोगी योगदान दिया। इससे पहले अगर बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी (49 रन देकर दो विकेट) ने 3-0-9-2 के तीसरे स्पैल में शानदार गेंदबाजी नहीं की होती तो ऑस्ट्रेलियाई टीम इससे भी विशाल स्कोर तक पहुंच गई होती। श्री चरणी ने बेथ मूनी (24) और फॉर्म में चल रही एनाबेल सदरलैंड (03) को आउट किया। श्री चरणी ने भारत को पारी पर नियंत्रण लाने में मदद की क्योंकि अन्य भारतीय गेंदबाजों को पिच पर संघर्ष करना पड़ रहा था जिस पर उन्हें कोई मदद नहीं मिल रही थी। वहीं कुछ गलतियां क्षेत्ररक्षण में भी हुईं जिससे मेजबान टीम के लिए चीजें और मुश्किल हो गईं। बल्कि श्री चरण के इस स्पैल से ऑस्ट्रेलियाई रन गति धीमी हुई। मेहमान टीम दो विकेट पर 220 रन के स्कोर से छह विकेट पर 265 रन तक पहुंच गई लेकिन इसके बाद गार्डनर की 45 गेंद में चार चौके और इतने ही छक्के जड़ित पारी ने टीम को 300 रन के पार करा दिया। टीम एक गेंद रहते 338 रन के स्कोर पर सिमट गई। लिचफील्ड ने 93 गेंद की पारी के दौरान 17 चौके और तीन छक्के जड़े। पैरी ने 88 गेंद में छह चौके और दो छक्के जमाए। लिचफील्ड और पैरी ने दूसरे विकेट के लिए 133 गेंद में 155 रन की साझेदारी निभाई। पारी की शुरूआत में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तीसरे ओवर में एलिसा हीली का कैच छोड़कर उन्हें जीवनदान दिया।

विजयी शॉट लगाने के बाद जेमिमा रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर ने एक-दूसरे को गले लगा लिया। खुशी के पलों में जेमिमा रॉड्रिग्स भावुक हो गईं। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया

338/10 (49.5 ओवर)

एलिसा हीली बो गौड़	05
फोबे लिचफील्ड बो अमनजोत	119
एलिस पैरी बो राधा	77
बेथ मूनी का रोड्रिग्स बो श्री चरणी	24
अनाबेल का एवं बो श्री चरणी	03
एशले गार्डनर रन आउट	63
तहलिया मैकग्रा रन आउट	12
किम गार्थ रन आउट	17
अलाना किंग का रिचा बो दीप्ति	04
सोफी मोलिनू बो दीप्ति	00
मेगान शट नाबाद	01

गेंदबाजी : रेणुका सिंह 8-0-39-0, क्रांति गौड़ 6-0-58-1, श्री चरणी 10-0-49-2, दीप्ति शर्मा 9.5-0-73-2, अमनजोत कौर 8-0-51-1, राधा यादव 8-0-66-1

भारत

341/5 (48.3 ओवर)

शेफाली वर्मा पगबाधा बो गार्थ	10
स्मृति मंधाना का हीली बो गार्थ	24
जेमिमा रॉड्रिग्स नाबाद	127
हरमनप्रीत का गार्डनर बो सदरलैंड	89
दीप्ति शर्मा रन आउट	24
रिचा घोष का गार्थ बो सदरलैंड	26
अमनजोत कौर नाबाद	15

गेंदबाजी : मेगान शट 6-0-40-0, किम गार्थ 7-0-46-2, एशले गार्डनर 8-0-55-0, सोफी मालिनू 6.3-0-44-0, अनाबेल सदरलैंड 10-0-69-2, अलाना किंग 9-0-58-0, तहलिया मैकग्रा 2-0-19-0

हाईलाइट

कनाडा ओपन में अनाहत का सफर थमा

टोरंटो : भारत की युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह के कनाडा ओपन में शानदार अभियान पर विराम लग गया जब वह सेमीफाइनल में इंग्लैंड की जिना कैनेडी से सीधे गेम में हार गई। सत्रह वर्ष की अनाहत को दुनिया की दसवें नंबर की खिलाड़ी कैनेडी ने 96250 डॉलर ईनामी राशि के पीएसए सिल्वर टूर्नामेंट में 11 .5, 11 . 8, 12 . 10 से हराया। अनाहत ने प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस की मेलिसा अल्वेस को हराया था। वहीं क्वार्टर फाइनल में दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी और गत चैम्पियन बेल्जियम की टिन्ने गिलिस को मात दी थी।

किरण ने पोपोव को हराकर उलटफेर किया

सारब्रकेन (जर्मनी) : भारत के किरण जॉर्ज ने बृहस्पतिवार को यहां 475000 डॉलर इनामी हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंट टूर्नामेंट में उलटफेर करते हुए दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हराकर पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी किरण ने 69 मिनट चले मुकाबले में आठवें वरीय पोपोव को 18-21, 21-18, 21-19 से हराया। प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग करने वाले 25 साल के किरण जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। ओडिशा ओपन 2022 और इंडोनेशिया मास्टर्स 2023 के रूप में दो सुपर 100 टूर्नामेंट जीतने वाले किरण अगले दौर में दूसरे वरीय इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और चीनी ताइपे के ची यू जेन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने से टीम के हौसले बुलंद

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टी-20 मुकाबला आज

मेलबर्न, एजेंसी

कप्तान सूर्यकुमार यादव के फॉर्म में लौटने के बाद भारतीय टीम शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक एमसीजी मैदान पर होने वाले दूसरे टी-20 मैच के लिए यहां बुलंद हौसलों के साथ पहुंच गई है। अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और शिवम दुबे अपने आक्रामक खेल से टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की नई परिभाषा गढ़ने के बाद आस्ट्रेलिया पहुंचे हैं लेकिन पिछले कुछ समय से कप्तान सूर्यकुमार का बल्ला खामोश रहना चिंता का सबब बना हुआ था।

पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में हालांकि सूर्यकुमार ने 24 गेंद में 39 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। उन्होंने जोश हेजलवुड को 125 मीटर ऊंचा छक्का लगाया जो लंबे समय तक याद रहेगा। बारिश के कारण हालांकि कैनबरा में दूसरा मैच धुल गया जब भारत ने 9.4 ओवर में एक विकेट पर 97 रन बनाये थे । सूर्यकुमार और शुभमन गिल दोनों आस्ट्रेलियाई आक्रमण की बखिया उधेड़ने को तत्पर लग रहे थे। मेलबर्न में भी शुक्रवार को बारिश होने का अनुमान है हालांकि भारतीय टीम अपनी लय बनाये रखने की पूरी कोशिश करेगी। दूसरे मैच से पहले भारत के लिये अच्छी बात सूर्यकुमार का फॉर्म में लौटना है । विश्व कप से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर अपनी टीम से बेखौफ खेल की उम्मीद करते हैं और उसके लिये सूर्यकुमार का फॉर्म अहम होगा। गंभीर चाहते हैं कि उनकी टीम नियमित तौर पर 250, 260 और उससे अधिक स्कोर बनाये । हाल ही में भारतीय बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन से जाहिर है कि बल्लेबाज गंभीर का फलसफा बखूबी समझ गए हैं। भारत की नजरें श्रीलंका के साथ सह मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब बरकरार रखने पर लगी होंगी। भारत ने पिछली बार रोहित शर्मा की कप्तानी में वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुआ टी20 विश्व कप जीता था। भारत को कैनबरा में गेंदबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन जसप्रीत बुमराह, वरूण चक्रवतर्ह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की मौजूदगी में भारत का गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है । उन्हें हालांकि मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड के बल्लों पर अंकुश लगाना होगा जो अतीत में उनके लिये परेशानी का सबब बन चुके हैं।

समय: दोपहर 1:45 बजे से

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस

टी-20 लीग के चेयरमैन बने डॉ. संजय कपूर

कानपुर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की 20वीं वार्षिक आमसभा में कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर को यूपी टी-20 लीग का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। गाजीपुर के संजीव सिंह को लीग का कंवीनियर बनाया गया है। इसके अलावा संघ के लाइफ मेंबर राजीव शुक्ला ही बीसीसीआई में यूपीसीए का प्रतिनिधित्व करेंगे।

होटल लैंडमार्क में हुए यूपीसीए के चुनाव में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला की मौजूदगी में नई कार्यकारणी व समितियों की घोषणा की गई। सभी पदों पर केवल एक ही नामांकन थे। डॉ. निधिपति सिंघानिया ने दोबारा अध्यक्ष पद संभाला। पिछली कार्यकारणी में कोषाध्यक्ष रहे कानपुर के प्रेम मनोहर गुप्ता यूपीसीए के नए सचिव बने हैं। गाजियाबाद के राकेश मिश्रा उपाध्यक्ष, उमर मुस्तफा हसन संयुक्त सचिव और कानपुर के सचिन आनंद शुक्ला कोषाध्यक्ष बने हैं, जो राजीव शुक्ला के भतीजे हैं।

भारत ए ने पहले दिन दक्षिण अफ्रीका ए को 299 रनों पर रोका

बेंगलुरु, एजेंसी

जोर्डन हरमान और जुबैर हमजा की शतकीय साझेदारी के बावजूद तनुष कोटियान की अगुवाई में भारत ए के स्पिनरों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेते हुए दक्षिण अफ्रीका ए को चार दिवसीय मैच के पहले दिन नौ विकेट पर 299 रन पर रोक दिया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर दक्षिण अफ्रीका ए के लिए हरमान (71) और हमजा (66) ने दूसरे विकेट के लिये 130 रन की साझेदारी की। हमजा को तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने आउट किया जो विकेट के पीछे ऋषभ पंत को कैच दे बैठे। इसके बाद से भारतीय गेंदबाजों ने पकड़ बना ली।

हरमान को आफ स्पिनर कोटियान ने पगबाधा आउट किया। कोटियान ने 83 रन लेकर चार विकेट चटकाए। सलामी बल्लेबाज लेसेगो सेनोकवाने ने तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज की गेंद पर पहली स्लिप में आयुष म्हात्रे को कैच थमाया। वहीं रिवाल्डो मूनसैमी ने बायें हाथ के स्पिनर मानव सुतार की गेंद पर स्लिप में आयुष बडोनी को कैच दिया।

भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत टीम के साथियों के साथ। एजेंसी

गुवाहाटी में लंच से पहले हो सकता है चाय सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी : देश के पूर्वोत्तर हिस्से में सर्दियों के महीनों में जल्दी सूर्यास्त होने के चलते भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी के बरसापारा में 22 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में ब्रेक में फेरबदल करते हुए पहले सत्र के बाद चाय का सत्र और दूसरे सत्र के दौरान लंच का सत्र कराया जा सकता है। भारत में टेस्ट मैच सुबह 9 :30 बजे शुरू होते हैं और शाम 4 :30 बजे समाप्त होते हैं लेकिन गुवाहाटी में मैच सुबह नौ बजे शुरू होकर शाम चार बजे समाप्त होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''ऐसी संभावना है कि पहला ब्रेक सुबह 11 बजे से 11 :20 बजे तक चाय का ब्रेक होगा जबकि दोपहर 1 :20 बजे से 2 :00 बजे तक लंच हो सकता है। चाय के बाद का सत्र दोपहर 2 :00 बजे से शाम 4 :00 बजे तक होगा। गुवाहाटी में आमतौर पर सूरज 4 :15 बजे तक डूब जाता है। ब्रेक की अदला-बदली एक संभावना है जिसे खेल की परिस्थितियों में शामिल किया जा सकता है।

जीत का जश्न

इंडोनेशिया की जेनिस टीजेन गुरुवार को चेन्नई के एसडीएटी टेनिस स्टेडियम में डब्ल्यूटीए चेन्नई ओपन 2025 में चेकिया एल . फ्रुहविर्टोवा के खिलाफ महिला एकल राउंड ऑफ 16 मैच जीतने के बाद जश्न मनाती हुईं। ● एजेंसी

केकेआर के मुख्य कोच बने अभिषेक नायर

नई दिल्ली : कोलकाता नाइट राइडर्स ने भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया। इस तरह वह आईपीएल फ्रेंचाइजी में चंद्रकांत पंडित की जगह लेंगे जिन्होंने तीन सत्र तक यह जिम्मेदारी संभाली थी।

नायर 2018 से केकेआर से जुड़े हुए हैं और उनके टीम प्रबंधन के अहम सदस्यों में से एक हैं। टीम चयन के मामले में ड्रेसिंग रूम में उनका दबदबा रहा है। लगभग नौ महीने तक नायर भारतीय टीम में गौतम गंभीर के कोचिंग दल का हिस्सा थे लेकिन भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद उन्हें बिना किसी औपचारिकता के बर्खास्त कर दिया गया। केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने कहा अभिषेक 2018 से नाइट राइडर्स टीम का अहम हिस्सा रहे हैं।

दु :खद | टी-20 मैच से पहले नेट अभ्यास कर रहे थे बेन ऑस्टिन, 2014 में फिल ह्यूज की मौत की यादें हो गई ताजा

ऑस्ट्रेलियाई युवा क्रिकेटर की गले पर गेंद लगने से मौत

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के 17 वर्ष के क्रिकेटर बेन ऑस्टिन की यहां अभ्यास के दौरान गले में गेंद लगने से मौत हो गई जिससे 2014 में फिल ह्यूज की मौत की दुखद यादें ताजा हो गई।

ऑस्टिन को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। उन्हें फर्नट्री गली में अभ्यास के दौरान गेंद गले और सिर में लगी थी। वह टी-20 मैच से पहले नेट अभ्यास कर रहे थे। उन्हें हादसे के बाद वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने बृहस्पतिवार को उनकी मौत की पुष्टि की।

क्लब ने कहा हम बेन की मौत से बहुत दुखी हैं । उसके परिवार, दोस्तों और जानने वालों के प्रति हमारी संवेदनाएं। अभ्यास के वक्त उन्होंने हेलमेट पहना था लेकिन 'नेकगार्ड' नहीं । इस हादसे के बाद एक बार फिर हर स्तर पर खेल में सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग की मांग जोर पकड़ने लगी है। इससे पहले क्रिकेट विक्टोरिया ने बेन के पिता जेस आस्टिन के हवाले से परिवार की ओर से एक बयान जारी किया था। बयान में कहा गया हम अपने चहेते बेन के निधन से बेहद दुखी हैं। ट्रेसी और मेरे लिये बेन लाड़ला बेटा था और कूपर तथा जाश का चहेता भाई था। वह हमारे परिवार और दोस्तों के जीवन का उजाला था। इस हादसे ने उसे हमने छीन लिया ।

उसे क्रिकेट से प्यार था और यह खेल उसके जीवन की खुशी था। इसमें यह भी कहा गया हम उस गेंदबाज के भी साथ खड़े हैं जो उस समय नेट्स पर गेंदबाजी कर रहा था । इस हादसे ने दो युवाओं को प्रभावित किया है । उसके और उसके परिवार के साथ भी हमारी संवेदनायें हैं। बेन हमेशा हमारी यादों में रहेगा। नवंबर 2014 को सिडनी में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर फिल ह्यूज ने दम तोड़ा था जब एक प्रथम श्रेणी मैच के दौरान उन्हें बल्लेबाजी करते समय बाउंसर कान के पास लगा था।

बेन ऑस्टिन।

प्रतिदिन स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है : श्रेयस

सिडनी, एजेंसी : भारत के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह प्रतिदिन बेहतर हो रहे हैं और चोट से उबरने की राह पर हैं। श्रेयस को आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान एलेक्स कैरी का कैच लपकते समय तिल्ली की चोट (स्प्लीनिक रप्चर) के साथ पसली में चोट लगी थी। उन्होंने चोट लगने के बाद पहली बार एक्स और अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट में लिखा, '' मैं रिकवरी की राह पर हूं अैर प्रतिदिन स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है। उन्होंने लिखा इतनी शुभकामनाओं और समर्थन से मैं अभिभूत हूं । मुझे याद रखने के लिये धन्यवाद। श्रेयस मैच के दौरान फिजियो की मदद से मैदान से बाहर चले गए, लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ गई, जिसके कारण उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाद में किए गए परीक्षणों से पता चला कि तिल्ली में चोट लगने के कारण आंतरिक रक्तस्राव हुआ था, जिसके बाद उन्हें गहन निगरानी के लिए आईसीयू में भर्ती कराया गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान में कहा चोट का तुरंत पता चल गया और खून बहने को तुरंत रोका गया। उसकी हालत अब स्थिर है और वह अब भी निगरानी में है। मंगलवार 28 अक्टूबर को दोबारा किए गए स्कैन में काफी सुधार दिखा और श्रेयस ठीक हो रहा है।